डालटनगंज (मेदिनीनगर), शुक्रवार | 14 मार्च 2025 | वर्ष-31, अंक- 149, पृष्ठ-12 | फाल्गुन शुक्ल पक्ष 15, संवत 2081 | डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

रंगों से सजे रिश्ते
और दिल से मिले
आशीर्वाद...

होली लाए हर
किसी के जीवन में
आह्लाद...

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

₹3.00

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

होली की **शुभकामनाएं**

शुभकामनाएं

'राष्ट्रीय नवीन मेल' के सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, अभिकर्ताओं, हॉकरों एवं शुभचिंतकों को 'होली' की हार्दिक शुभकामनाएं।

अवकाश की सूचना

'होली' के अवसर पर 'राष्ट्रीय नवीन मेल' कार्यालय 14 व 15 मार्च (शुक्रवार एवं शनिवार) को बंद रहेगा। अतः अखबार का अगला अंक 17 मार्च (सोमवार) को पाठकों के हाथ होगा।

शिक्षा मंत्री के छोटे भाई राम सोरेन का निधन

रांची। राज्य के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के छोटे भाई राम सोरेन का गुरुवार को निधन हो गया। वे रिम्स में इलाजरत थे। रामदास सोरेन के भाई के निधन पर विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो और सीएम हेमंत सोरेन ने शोक व्यक्त किया है। वहीं, शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने सोशल मीडिया ह्यएक्सह्न पर एक भावुक पोस्ट साझा कर अपने भाई के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने लिखा, आज मेरे छोटे भाई राम सोरेन का निधन हो गया। उनका स्नेह, मार्गदर्शन और संगति हमेशा याद आएगी। यह परिवार के लिए एक अपूरणीय क्षति है, जिसकी भरपाई संभव नहीं। रामदास सोरेन ने अपने भाई के निधन पर भगवान से प्रार्थना की कि वे उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके परिवार व हम सभी को यह गहन दुःख सहने की शक्ति दें।

सीनियर राष्ट्रीय महिला हॉकी के विजेता ट्रॉफी लेकर रांची पहुंची

हॉकी प्रेमियों ने दिल से किया चैंपियन टीम का भव्य स्वागत

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खिलाड़ियों का करेंगे स्वागत

नवीन मेल संवाददाता

रांची। एक से 12 मार्च 2025 तक पंचकुला हरियाणा में आयोजित 15 बी हॉकी इंडिया सीनियर राष्ट्रीय महिला हॉकी चैंपियनशिप 2025 में हॉकी झारखंड की टीम फाइनल मैच में मेजबान हरियाणा को उसी की धरती में पराजित कर, झारखंड बिहार के इतिहास में पहली बार सीनियर नेशनल में विजेता बनकर एक नई कीर्तिमान स्थापित की। विजेता बनने के बाद गुरुवार को झारखंड टीम ट्रॉफी लेकर हवाई मार्ग से रांची पहुंची। रांची पहुंचने के बाद एयर पोर्ट में सभी चैंपियन बेटियो का हॉकी झारखंड और हॉकी प्रेमियों ने स्वागत किया। एयरपोर्ट से बाहर निकलते ही हॉकी झारखंड के अध्यक्ष भोलानाथ सिंह एवं अन्य पदाधिकारियों टीम के सभी खिलाड़ियों और कोच मैनेजर को माला पहनकर और मिठाई खिलाकर स्वागत किया और शानदार जीत के लिए बधाई दी गईं। इस मौके पर हॉकी इंडिया के महासचिव सह हॉकी झारखंड के अध्यक्ष भोलानाथ सिंह , विजय शंकर सिंह, रजनीस कुमार, असुंता लकड़ा, असरित लकड़ा, जयंत केरकेट्टा, विधनाथ सिंह, प्रशांत मुखर्जी, रणधीर कुमार, पुष्प प्रधान,सहित एकलव्य हॉकी सेंटर,बरियातू हॉकी सेंटर के हॉकी खिलाड़ी उपस्थित थे।

सीनियर झारखंड महिला हॉकी टीम को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जीत की बधाई दी है और होली बाद विजेता टीम के सभी सदस्यो को विशेष कार्यक्रम आयोजित कर सम्मान करने की बात कही ह। जिसकी जानकारी उन्होंने हॉकी झारखंड के अध्यक्ष भोलानाथ सिंह से बताया।

सीएम ने बेटियों को दी बधाई

रांची। 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर राष्ट्रीय महिला हॉकी चैंपियनशिप 2025 के फाइनल में हरियाणा को हराकर जीत दर्ज करने के लिए झारखंड की बेटियों को बहुत-बहुत बधाई और जोहार। चैंपियनशिप में अपने उम्दा खेल का प्रदर्शन करने वाली अन्य सभी टीमों को भी हार्दिक बधाई। सीएम ने एक्स पर बधाई दी।

सीएएम मंईयां सम्मान योजना में बहनों के खाते में पहुंची 7500 रुपए की राशि

अपने वादों को पूरा कर रही अबुआ सरकार : मुख्यमंत्री

बोले सीएम

- सिर्फ आर्थिक सहयोग नहीं है यह सम्मान राशि
- हर बहन-बेटी के सशक्तिकरण का प्रतीक है

नवीन मेल डेस्क

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड की अबुआ सरकार अपने वादों को पूरा कर रही है। होली से पहले मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत तीन महीने की सम्मान राशि 7,500 रुपए एक साथ लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजी जा रही है। यह सम्मान राशि सिर्फ आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि झारखंड की हर बहन और बेटी के सशक्तिकरण और सम्मान का प्रतीक है।

रांची जिला में इस योजना के तहत 3,08,280 लाभुकों के खाते में 7,500 रुपए की सम्मान राशि स्थानांतरित की गई है। डीबीटी के माध्यम से 3,08,280 लाभार्थियों के खाते में कुल 231 करोड़ 18 लाख 72 हजार 500 रुपए सीधे उनके बैंक खाते में ट्रांसफर किए गए हैं। रांची जिले के सभी लाभार्थियों के बैंक खाते में जनवरी, फरवरी और मार्च महीने की सम्मान राशि एक साथ स्थानांतरित की गई है। इनमें कुछ लाभुक ऐसे भी हैं, जिनके आवेदन फरवरी माह में स्वीकृत हुए थे।

गुमला पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी

पीएलएफआई का शीर्ष उग्रवादी समेत दो गिरफ्तार

● हथियारों का जखीरा बरामद, दिनेश गोप के जेल जाने के बाद संचालित कर रहा था संगठन

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला पुलिस ने नक्सल और उग्रवाद विरोधी अभियान में एक बड़ी सफलता हासिल की है। कामडारा थाना क्षेत्र के मुरकुमटोला टेटर टोली में पुलिस और सुरक्षा बलों ने गुरुवार को प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के कुख्यात उग्रवादी और शीर्ष कमांडर दुर्गा सिंह उर्फ जयराम को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार और अन्य आपत्तिजनक सामग्रियां बरामद की हैं। मिली जानकारी के अनुसार, पीएलएफआई के दो और उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें कलेश्वर हजाम और रामकुमार सिंह शामिल हैं। गुमला एसपी शंभु कुमार सिंह ने गुरुवार को एक प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि यह कार्रवाई कामडारा थाना क्षेत्र में पुलिस की क्यूआरटी टीम और एसएसबी 32 बटालियन द्वारा संयुक्त रूप से की गई। उन्होंने बताया कि गुमला पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पीएलएफआई का सक्रिय सदस्य और संगठन में नेतृत्वकारी भूमिका निभाने वाला दुर्गा सिंह मुरकुमटोला टेटर टोली इलाके में मौजूद है। सूचना मिलते ही बसिया के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) नाजिर अख्तर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने इलाके की **शेष पेज 11 पर**

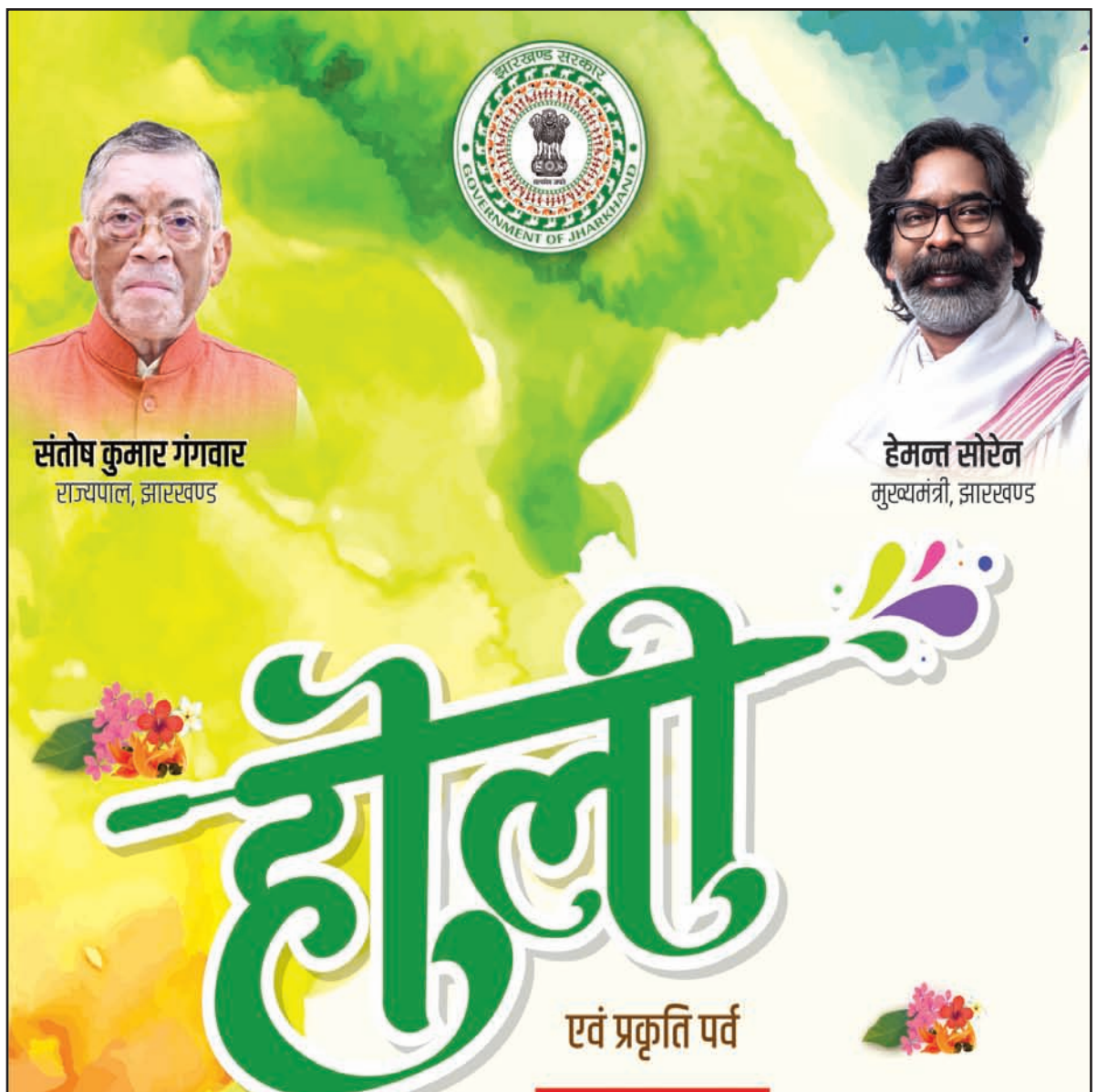

इंडिया

महंगाई और सोशल मीडिया से आभासी होती होली और नकली रंग

शहर से लेकर कस्बों तक खुलते अंग्रेजी माध्यम के स्कूल,आधुनिकता की दौड़ में लगे युवा,वीरान होते गांव और चमकते महानगरों के बीच सनातनियों के लाख प्रयास के बाद भी धीरे-धीरे बसंतोत्सव होली रंगों का त्यौहार न होकर आभासी होती जा रही है और नौकरी या व्यवसाय के लिए घर छोड़ चुके लोग और आधुनिकता के नाम पर युवा पीढ़ी होली से विमुख हो रही है या होली के मैसेज तक सीमित हो गई है। कुछ दशकों पूर्व होली भारत का सबसे रंगारंग त्योहार था जिसमें कीचड़,रंग और हुड़दंग से सड़कें सूनी हो जाती थीं पर आज नशे में झूमते आधुनिक युवाओं की टोली भले बिहार, झारखंड, यूपी में राह रोक पर अब वो बात नहीं जो महीनों तक उत्सव का माहौल होता था और हर कोई विध्यार्थी से लेकर नौकरीपेशा अपने गांव या कस्बे तक पहुंचने के लिए बेचैन रहता था। अब दो दिनों की छुट्टियां या तो सो कर बिताई जा रही या बड़े शहरों के युवा से लेकर बड़े तक घूमने तक निकल जाते हैं। अब वो बेचैनी या उत्सुकता नहीं रही जिसमें अपने गांव कस्बे या शहरों में पुराने साथियों संबंधियों से मिलने और पुरानी यादों को ताजा करने की गर्मजोशी हुआ करती थी। इसका एक बड़ा कारण महंगाई भी है। ऑटो से लेकर हवाई जहाज तक कोरोना के बाद जो किराया बढ़ा वो कम नहीं हुआ। बहुत लोगों ने यह भ्रम भी फैलाया कि होली में पानी की बहुत बबार्दी होती है और सभी रंग या गुलाल त्वचा के लिए बहुत हानिकारक हैं। यह बात भी सही है कि शिक्षा और जागरूकता से लोग सजग हुए हैं और होली के नाम पर हुड़दंग या अश्लीलता से बहुत से लोग इससे दूर हो गए हैं पर सवाल यह भी उठता है कि जिस समाज ने मयार्दा का उल्लंघन किया है क्या वही समाज इसे कम नहीं कर पा रहा। होली असल में ऋतुराज बसंत का त्योहार है जिसके पीछे धार्मिक कारणों से अधिक वैज्ञानिक कारण भी हैं। फाल्गुन की पूर्णिमा को होली का त्यौहार लगभग हर प्रांत में में स्थानीय रिवाजों का चलन है। होली का त्यौहार उस समय मनाया जाता है जब जाड़े का मौसम समाप्त होने के बाद गर्मी की शुरूआत होती है ठंड के बाद मौसम की गर्माहट की वजह से शरीर में सुस्ती आना एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। ऐसे समय में होली का आना, शरीर की सुस्ती को दूर करने का एक अच्छा माध्यम भी है। रंगों की मस्ती और ढोल-नगाड़े के बीच जब लोग जोर से गाते हैं या बोलते हैं, ये सभी बातें शरीर को नई ऊर्जा प्रदान करती हैं। इसके अलावा जब प्राकृतिक शुद्ध रंग और अबीर शरीर पर डाला जाता है, तो इसका उस पर अनोखा प्रभाव होता है। पहले जब आज की तरह दवाएं या एंटीबायटिक की खोज नहीं हुई थी तब ये धोने के क्रम में शरीर को स्वच्छ कर देते थे। पहले प्राकृतिक रंगों और पलाश जैसे फूलों से तैयार रंगों में पानी और गुलाबजल मिलकर रंग और विशुद्ध अबीर और गुलाल तैयार किया करते थे, जिसका शरीर पर शांति देने वाला प्रभाव पड़ता था। आज होली में केमिकल रंगों का इस्तेमाल होने लगा है, जिसे स्वास्थ्य की दृष्टि से बिल्कुल भी सही नहीं कहा जा सकता। होली में बड़ों को पैरों पर अन्य को गालों या ललाट पर रंग और गुलाल लगाकर प्रेम और मित्रता का वातावरण उत्पन्न किया जाता है, जिससे सामाजिक सौहार्द्र बढ़ता है। सामाजिक सौहार्द्र के साथ-साथ रंगों का सेहत पर भी सकारात्मक असर पड़ता है। भारत का पड़ोसी देश नेपाल हिंदू संस्कृति से भी गहराई से जुड़ा हुआ है यहां होली को फागु पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है और ये देशभर में धूमधाम से मनाई जाती है। काठमांडू और पोखरा जैसे बड़े शहरों में होली के दिन सड़कों पर रंगों की बौछार, संगीत और नृत्य का माहौल रहता है। लोग रंग, पानी के गुब्बारे और गुलाल से एक-दूसरे को रंगते हैं। मॉरीशस में बड़ी संख्या में भारतीय समुदाय और भारतीय मूल के लोगों की होली उत्तर प्रदेश और बिहार की होली से मिलती-जुलती होती है। भजन-कीर्तन, होलिका दहन और रंग खेलने की परंपरा यहां भी देखने को मिलती है। मॉरीशस सरकार भी इस त्योहार को मान्यता देती है और इसे नेशनल हॉलीडे के रूप में मनाया जाता है। फिजी में भी उत्तर प्रदेश और बिहार मूल के लोगों की संख्या बहुत है उनकी भी होली वैसी ही पारंपरिक ढंग की होती है जो स्थानीय लोगों के साथ मिलकर मल्टी कलर फेस्ट के रूप में मनाते हैं। भारत के विभाजन के बाद भी पाकिस्तान में रह रहे हिंदू सिंध प्रांत, कराची, लाहौर और कुछ अन्य भागों में होली को पूरे जोश और श्रद्धा के साथ मंदिर और समुदायिक केंद्र में बृहद रूप में एक-दूसरे को गुलाल और रंग लगाकर मनाते हैं। बांग्लादेश में भी हिंदू होली ढाका, चटगांव और सिलहट जैसे इलाकों में होली को दोल पूर्णिमा या बसंत उत्सव के रूप में भी जाना जाता है।

होली व रमजान को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट, किया फ्लैग मार्च

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। होली व रमजान को लेकर हुसैनाबाद अनुमंडल क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाएं रखने को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड में है। एसडीओ गौरांग महतो, एसडीपीओ एस मोहम्मद याकूब के नेतृत्व में गुरुवार को हुसैनाबाद थाना परिसर से फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च शहर के पटेल चौक, मधुशाला रोड, मकबरा रोड, लंबी गली, गांधी चौक, आंबेडकर चौक होते विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण करते हुए लोगों से आपसी सौहार्द के साथ पर्व मनाने की अपील की है।

असमाजिक तत्वों पर होगी सख्त कार्रवाई : हुसैनाबाद एसडीपीओ एस मोहम्मद याकूब ने कहा कि होली व रमजान को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है। यदि कोई भी असामाजिक तत्व समाज में किसी तरह का भ्रम फैलाने की कोशिश करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सोशल मीडिया पर भी पुलिस अपनी पैनी नजर बनाएं हुए है। उन्होंने आमजनों से अपील की है कि किसी भी तरह की अप्रिय घटना की सूचना नजदीकी थाना को तत्काल दें।

होली व रमजान को लेकर पुलिस की अराजक तत्व पर विशेष नजर

नीलांबर पीतांबरपुर होली व रमजान त्योहार शांतिपूर्वक मनाने को लेकर अंचल अधिकारी सुनील कुमार सिंह, लेस्लीगंज थाना प्रभारी राजू कुमार गुप्ता के नेतृत्व में गुरुवार को फ्लैग मार्च निकला गया। फ्लैग मार्च थाना परिसर से निकल कर ठाकुरबारी कोटखास, पुराना बजार,गांधी चौक होते हुए ढेला अष्टभुजी मंदिर पहुंचा। वहां से पुनः वापस होते हुए नया बाजार होते हुए थाना पहुंची। मौके पर पदाधिकारी द्वय ने बताया कि होलिका दहन की रात और होली के दिन विशेष सतर्कता बरती जाएगी। इस वर्ष होली और रमजान एक साथ पड़ने के कारण पुलिस पूरी तरह से सतर्क है। होलिका दहन स्थलों पर पुलिस बल तैनात किया जाएगा। वही क्षेत्र में किसी भी अराजक तत्व पर विशेष नजर रखी जा रही है। बिना लाइसेंस के पटाखे बेच रहे दुकानदारों को बिना लाइसेंस पटाखा की दुकान का संचालन नहीं करने की दिहायत दी। फ्लैग मार्च में एसआई विक्रम शील, प्रदीप कुमार, एएसआई,अजय कुमार,अमर कुमार बाउरी, सच्चिदानंद शर्मा, बृजभूषण सिंह, हरेंद्र प्रसाद, मो. नईम सहित थाना पुलिस के कई जवान शामिल थे।

इस मौके पर सीओ पंकज कुमार, बीडीओ सुनील कुमार वर्मा, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी, एस आई, संजय कुमार यादव, देवरी ओपी प्रभारी बबलू कुमार, दंगवार ओपी प्रभारी सोनू कुमार गुप्ता, के अलावा पुलिस के कई पदाधिकारी व पुलिस के जवान शामिल थे।

एलआईसी की जपला शाखा में होली मिलन समारोह

हुसैनाबाद। स्थानीय एलआईसी कार्यालय में एक समारोह आयोजित कर पदाधिकारियों व अभिकताओं ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर होली की बधाई दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ अभिकर्ता डीके सिंह ने किया। इस अवसर पर सभी ने अपने विचार व्यक्त कर कार्यक्रम को खुशनुमा बना दिया। मौके पर शाखा प्रबंधक कुमार गौरव, प्रशासनिक पदाधिकारी संजय सिंह, विकास अधिकारी जुलकर नैंन, अविनाश कुमार, देवाशीष कुमार, विदेशवरी मिश्र, रामवृक्ष मिस्त्री ,राजदेव मेहता, संतोष कुमार, मनोज कुमार गुप्ता, अनुज यादव, रामनाथ पाल, विंध्याचल कुमार सिंह,श्रवण कुमार, अरुण चंद्रवंशी, मुकेश कुमार अशरफी कुमार, प्रभा देवी,अनिता देवी,रंजू देवी, प्रतिमा देवी,आशा देवी पुष्पा देवी,खुशबू देवी, सचिन कुमार रविकांत सिंह, राजकुमार मेहता, व राजकुमार सहित दर्जनों पुरुष एवं महिला अभिकर्ता शामिल हुये ।कार्यक्रम के अंत मे भोजनोपरांत विजेता अभिकताओं को टी शर्ट रंग ,टोपी एवं अन्य सामग्री वितरित किया गया।

झामुमो की बैठक में पंचायत समितियों के गठन का निर्णय

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। स्थानीय निकाह भवन भाई बिगहा में जेएमएम कार्यकताओं की बैठक हुई। बैठक में पंचायत स्तर पर कमेटी गठन को लेकर समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य रूप से जेएमएम के जिला संयोजक प्रमुख राजेंद्र सिन्हा, संयोजक सदस्य सानू सिद्दीकी, सुशीला मिश्रा, बबलू सिंह, मंजू चंद्रवंशी, कांति देवी मौजूद थे। बैठक में सर्वसम्मति से पंचायतों में कमेटी गठन को लेकर प्रखंड संयोजक समिति का गठन किया गया। कमेटी में प्रखंड संयोजक प्रमुख विवेकानंद सिंह, संयोजक सदस्य अशोक कुमार सिंह, परवेज आलम, पावन कुमार व अनुज पासवान शामिल हैं। बैठक में राजेंद्र सिन्हा ने कहा कि पार्टी का संगठन

जितना मजबूत होगा, नेता उतना ही सशक्त होगा। उन्होंने कहा कि जनता के सुख दुःख में रहने वाले लोगों को ही जनता अपना प्रतिनिधि चुनती है। उन्होंने कहा कि हैदरनगर प्रखंड में पार्टी को मजबूती प्रदान करने की जवाबदेही स्थानीय कार्यकताओं की है। उन्होंने जल्द से जल्द पंचायत कमेटी का गठन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि संगठन में सभी जाति धर्म के लोगों को जोड़ने की जरूरत है। पंचायत कमेटी का गठन होने के बाद प्रखंड कमेटी का गठन पंचायत के पदाधिकारियों की सहमति से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रखंड में पुनः बैठक की तिथि बैठ कर तय कर लिया जाएगा। बैठक में जोगेंद्र सिंह, पप्पू सिंह, रशीद खान, जाफर हवारी के अलावा कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

पर्व को लेकर पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

सतबरवा। होली में शांति व्यवस्था बनाएं रखने को लेकर शुक्रवार को सतबरवा थाना प्रभारी अंचित कुमार ने सतबरवा थाना क्षेत्र के बकोरिया,बारी, सतबरवा, दुलसुलमा,रबदा, पोंची पंचायत के विभिन्न गांवों में पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च निकाला। इस दौरान थाना प्रभारी अंचित कुमार ने लोगों से अपील की कि होली साल में एक बार आता है। यह पर्व दुश्मन को भी दोस्त बनाने का है। होली में हुडदंग नहीं करें। किसी प्रकार की परेशानी होने पर पुलिस का सहयोग ले। फ्लैग मार्च में बसंत दुबे ,योगेश चंद्र गोपाई ,गणेश मुंडा ,जिला बल, जैप के जवान निरंजन कुमार समेत 100 की संख्या पुलिस बल के जवान शामिल थे।

एक नजर

750 ग्राम गांज के साथ एक गिरफ्तार

नौडीहा बाजार। थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पोखराहा से ग्राम महुअरी निवासी विनय सिंह को 750 ग्राम गांजा के साथ पुलिस ने गिरफ्ता किया है। पुलिस ने उसे न्यायिक हिरासत में भेजा दिया है।

पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

पांडू। पुलिस बल के द्वारा होली को मद्देनजर थाना क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला। इस दौरान पांडू थाना प्रभारी कुमार सौरभ ने गैर लाइसेंसी पटाखा की कई दुकान को बंद कराया। आम लोगों से आपसी भाईचारे के साथ शांतिपूर्ण तरीके से होली पर्व मनाने की अपील की। उन्होंने ने रमजान को लेकर थाना क्षेत्र के कई गांव में स्थित मस्जिद का भी दौरा किया। रोजेदारों सहित आमजनों से क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाये रखने व असामाजिक तत्वों द्वारा सोशल मीडिया पर किये गये भ्रामक पोस्ट और अफवाह से बचने की अपील की।

जपला मुख्य डाकघर में मना होली मिलन समारोह

हुसैनाबाद। स्थानीय जपला मुख्य डाकघर में कर्मचारियों व अभिकताओं ने जमकर एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर होली की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मौके पर प्रभारी उप डाकपाल श्याम कुमार, डाक सहायक अभिषेक प्रभाकर, सुधीर कुमार सिंह,धीरेन्द्र कुमार ,श्रवण कुमार, देवेन्द्र नाथ गुप्ता, डॉ. शिवकुमार विश्वकर्मा, कैलाश मेहता, रविकांत सिंह, राजकुमार , सोमनाथ, भगवान, ज्योति प्रसाद सहित बड़ी संख्या में अभिकर्ता एवं कर्मचारी शामिल हुए।

फुटपाथ दुकानदार संघ का होली मिलन समारोह

छतरपुर। ठाकुरबाड़ी में फुटपाथ दुकानदार संघ द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। गायक में राहुल सिन्हा, मंटू, धर्मेंद्र उजाला, विनय, महेश यादव, मुकेश माही, विनय सागर, ने शानदार होली की गीत की प्रस्तुति दी। मौके पर एसडीपीओ अवध कुमार यादव, इंस्पेक्टर द्वारिका राम, महिला थाना प्रभारी मुन्नी कुमारी, एसआई राजीव कुमार, एनके सिंह, मिश्रा, पूर्व मुखिया पुखराज राम, फुटपाथ दुकानदार संघ के संरक्षक अरविन्द गुप्ता चुनमून, अध्यक्ष गौतम सागर, विजय साव, गोकुल प्रसाद, राजवीर प्रसाद, सरजू साहू, मनोज साहू, आकाश कुंदन, अवधेश, अनिल, सुनील, गणेश, पंकज अशोक सहित अन्य सदस्य शामिल थे।

एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव को लेकर डीआरएम को सौंपा ज्ञापन

नवीन मेल संवाददाता

उंटारी रोड। रेलवे के तीसरी लाइन शुरू कराने को लेकर निरीक्षण करने पहुंचे रेलवे के वरीय पदाधिकारी ने सिगसिगी रेलवे स्टेशन से लेकर उंटारी रोड रेलवे स्टेशन तक निरीक्षण किया। इस दौरान करकट्टा रेलवे स्टेशन पर जोगा पंचायत मुखिया कमला देवी, करकट्टा पंचायत मुखिया कमला देवी,बीस सूत्री अध्यक्ष अशोक सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता भरदुल पासवान, रामाकृष्ण पाल के नेतृत्व में सैकड़ों ग्रामीणों के उपस्थिति में डीआरएम के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से करकट्टा रेलवे स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव, रेलवे स्टेशन के पश्चिम गेट संख्या 69 के पास फ्लाईओवर निर्माण कराने को लेकर मांग की गई है। मुखिया कमला देवी ने बताया की करकट्टा रेलवे स्टेशन पर एक्सप्रेस का ठहराव होने से यहां के दो दर्जनों गांवों सहित गढ़वा जिले के कुछ हिस्से के यात्रियों के लिए सहूलियत होगी। वही सामाजिक कार्यकर्ता भरदुल पासवान ने बताया कि गेट संख्या -69 से लगभग 40 गांवों का पैदल व वाहन के द्वारा 24 घंटों आवागमन जारी रहता है। लंबे समय गेट बंद होने से लोगों को काफी परेशानी होती है।

डाली व बेगमपुरा के ग्रामीणों के आवागमन की समस्या के समाधान का मार्ग प्रशस्त

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। पलामू संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर एलएचएस-आरयूबी के निर्माण कराने को लेकर सांसद की पहल का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए सांसद प्रतिनिधि महेंद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि इनमें इस प्रखंड क्षेत्र के डाली और बेगमपुरा भी शामिल हैं। वहां के ग्रामीणों की मांग के आधार पर सांसद विष्णु दयाल राम ने रेलवे बोर्ड के चेयरमैन से अनुरोध किया था। इसमें उन्होंने उन्हें बताया था कि विभिन्न स्थानों पर मानव रहित रेलवे क्रॉसिंग को बंद कर दिए जाने से एक ही गांव दो-भागों में विभक्त हो गये हैं। इससे वहां के निवासियों को आवागमन में अनेंको प्रकार की कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में वस्तु स्थिति से अवगत कराते हुए सांसद ने कहा था कि उक्त स्थानों पर लो हाइट सबवे (एलएचएस) /रोड अंडरब्रिज (आरयूबी) बनाने से ग्रामीणों को कठिनाईयों से निजात मिल सकेगी। सांसद प्रतिनिधि ने बताया कि उक्त संबंध में सांसद ने रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सतीश कुमार को 28 नवंबर 2024 को पत्र लिखकर एलएचएस/आरयूबी का निर्माण करने का अनुरोध किया था। उक्त पत्र के ही आलोक में चेयरमैन के कार्यालय से 27 फरवरी 2025 को जारी पत्र प्राप्त हुआ है। जिसमें विभिन्न स्थानों की जांच कर अद्यतन स्थिति से अवगत कराया गया है। जिसमें बताया गया है कि मोहम्मदगंज-कोसियारा सेक्शन में डाली गांव के पास किमी 352/35 और बेगमपुरा-मोहम्मदगंज सेक्शन पर किमी 350/9-11 पर एलसी संख्या 53 के स्थान पर भी आरयूबी के निर्माण की मांग की गई थी। इस संबंध में पत्र में बताया गया है कि उक्त स्थान पर आरयूबी के निर्माण की व्यवहार्यता की जांच की गई है। लेकिन तकनीकी रूप से यह संभव नहीं पाया गया है। क्योंकि यह राज्य राजमार्ग के लिए फीडर रोड है। और पूरे साल भारी वाहनों की आवाजाही होती है। हालांकि, यहां पर आरओबी (रोड ओवरब्रिज) के निर्माण के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का काम शुरू कर दिया गया है। बताया जाता है कि डाली के ग्रामीणों ने कोसियारा रेलवे स्टेशन पर इसके लिए लंबे समय तक धरना दिया था। जबकि बेगमपुरा के ग्रामीणों ने विस चुनाव में वोट नहीं डालने का फैसला लिया था।

देवरी मस्जिद में तरावीह की नमाज संपन्न, मांगी अमन चैन की दुआ

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। अनुमंडल क्षेत्र के देवरी कला पंचायत के देवरी गांव में स्थित मस्जिद में तरावीह की नमाज संपन्न हुआ। तरावीह की नमाज हाफिज मोहम्मद शबीर ने पढ़ाई। इस दौरान कई रोजेदारों ने नमाज अदा करने सुनने का पुण्य कमाया। तरावीह संपन्न होने के बाद सामूहिक रूप से लोगों ने देश दुनिया में अमन चैन की दुआ मांगी। इसके बाद कमेटी के लोगों ने हाफिज मोहम्मद शबीर को सम्मानित किया। मौके पर मस्जिद के इमाम मो. कलाम अंसारी ने कहा कि रमजान के चांद नजर आने के दिन से तरावीह की नमाज शुरू हो जाती है, इस विशेष नमाज कि काफी अहमियत है। मौके पर कमेटी के संरक्षक शकील अहमद ने कहा कि तमाम महीनों में रमजान का महीना सबसे अफजल है। अंत में मिलाद शरीफ व दरूद ओ सलाम पढ़ा गया। मौके पर कमेटी के अध्यक्ष जनाब निजाम खान, सचिव जनाब तनवीर आलम, उर्फ बब्लू, वकील अहमद,अफरोज खान, आरजू खान, सैयद अफान मीर, सैयद कामरान मीर, मोहसिन खलीफा, इमरान खान, कामरान मीर, असलम खान, सरफराज खान, मुस्तफा खान, शमशेर खान, मजहरुल इस्लाम, शेख इरफान, शेख मोहसिन, वाजिद खान, साजिद खान, समेत काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

दौलिया स्कूल में मनाया गया होली मिलन समारोह

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। प्रखंड अंतर्गत राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय बेदौलिया में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। होली मिलन समारोह के मुख्य अतिथि संकुल साधन सेवी रामकिशन भगत ने विद्यालय परिवार को शुभकामनाएं देते हुए जीवन रंगीन व खुशहाली से बीते इसकी कामना करते हुए बच्चों को बेहतर भविष्य की कामना की।इस मिलन समारोह का संचालन विद्यालय के प्रभारी जय प्रकाश शर्मा ने किया। विद्यालय के प्रभारी श्री शर्मा ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हर साल की भांति इस वर्ष भी विद्यालय परिवार की ओर से होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया है, इसमें विद्यालयी बच्चों के अलावे रसोईया, अध्यक्ष व विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य गण उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है और आगे भी बेहतर एवं उन्नति के राह पर हमारा विद्यालय अग्रसर है, इसके लिए विद्यालय परिवार को तहे दिल से धन्यवाद दिया। इस मौके पर विद्यालय के बच्चों ने एक दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर रंगों का त्योहार होली की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। शिक्षक भी एक दूसरे को गुलाल लगाकर जीवन रंगीन एवं खुशहाली से बीते इसकी कामना करते हुए विद्यालय परिवार को शुभकामनाएं दी। तत्पश्चात एक से बढ़कर एक होली गीत बच्चों के द्वारा प्रस्तुत किया गया एवं अबीर उड़ाते हुए एक दूसरे को शुभकामनाएं दी। होली खेले रघुवीरा के गानों पर बच्चों ने खूब आनंदित हुए और उमंग में घंटों तक झुमते रहे। होली मिलन समारोह के रंग में सराबोर होने के बाद गरमा-गरम शुद्ध शाकाहारी व्यंजन की व्यवस्था विद्यालय परिवार की ओर से की गई थी। जिसमें पूड़ी-सब्जी एवं जलेबी शामिल था का भी विद्यालय परिवार के साथ ही साथ बच्चों ने सुस्वादिस्ट भोजन का लुत्फ उठाया। तत्पश्चात होली मिलन समारोह की समाप्ति की घोषणा की गई। इस अवसर पर मुख्य रूप से विद्यालय के प्रभारी जयप्रकाश शर्मा, संकुल साधन सेवी रामकिशन भगत, सहायक अध्यापक रामनाथ राम, विद्यालय प्रबंधन समिति की अध्यक्षा प्रभा देवी, रसोईया सावित्री देवी व सुनीता देवी, अनीता देवी सहित बाल संसद की टीम में अर्चना कुमारी, काजल कुमारी, रागिनी कुमारी, पूजा क्रिंजल, आरुषि, अभिनव, रोशन, प्रियांशु, राहुल, दिव्या, जूही के अलावे सैकड़ों बच्चे शामिल हुए।

होली व ईद को लेकर निकला फ्लैग मार्च

नौडीहा। थाना प्रभारी अमित कुमार द्विवेदी व अंचलाधिकारी राम नारायण खलको ने संयुक्त रूप से शाम को होली व रमजान पर्व को लेकर फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैग मार्च नौडीहा बजार, नामुदाग, रबदा, बारा, तेलीयाडीह, सरईडीह तक निकाला। मौके पर थाना प्रभारी ने कहा कि किसी भी तरह के अफवाह पर ध्यान नहीं दें। अफवाह फैलने वालों पर पुलिस कार्रवाई करेगी।

ब्राह्मण महासभा ने किया होली मिलन समारोह का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

नीलांबर पीतांबरपुर। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा का होली मिलन समारोह गुरुवार को हावर्ड पब्लिक स्कूल जगतपुरा में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के केंद्रीय अध्यक्ष अजय कुमार तिवारी ने भगवान परशुराम की चित्र पर पुष्प अर्पित कर सांस्कृतिक कार्यक्रम का फीता काट कर उद्घाटन किया। समारोह में अबीर गुलाल लगाकर एक दूसरे को होली की बधाई दी गई। ब्राह्मण महासभा केंद्रीय अध्यक्ष अजय कुमार तिवारी ने कहा कि होली रंगों का त्यौहार है। भिन्न-भिन्न रंगों और गुलाल से होली खेली जाती है। सभी की भावना का सम्मान करते हुए अपने खुशी का इजहार करें, किसी की भी

भावना को ठेस ना लगे इसका विशेष ध्यान रखें। महासभा के प्रखंड अध्यक्ष जयराम तिवारी ने कहा होली को वसंत महोत्सव, रंगों का त्योहार और प्रेम व भाईचारे का प्रतीक है। होली मिलन समारोह में व्यास अंकुर राय व उनकी टीम द्वारा होली का एक से बढ़कर एक गीत गाकर उपस्थित लोगों को झुमने पर मजबूर कर दिया। अध्यक्षता जयराम तिवारी ने की। संचालन संत कुमार तिवारी ने किया। मौके डॉ. कृष्णा कांत दुबे, सुरेन्द्र शुक्ला, जीतेंद्र तिवारी, दिनेश तिवारी, बसंत शुक्ला, सव्यसाची धनंजय, अरुण दुबे, मनोज दुबे, नीलकंठ गिरी, अमरेश तिवारी, नवीन पांडेय, सुनील तिवारी, राघो तिवारी भागीदारी की।

त्योहार राजद गठबंधन का होली मिलन समारोह में पुष्पा राणा के गीतों पर झूमें लोग

होली में भेदभाव की सारी दीवारें ध्वस्त हो जाती है: विधायक

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। शहर के गईता पोखर परिसर में राजद गठबंधन के तत्वावधान में होली मिलन समारोह सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उद्घाटन राजद के प्रदेश अध्यक्ष सह स्थानीय विधायक संजय कुमार सिंह यादव, जिला अध्यक्ष धनंजय पासवान, राजद के वरिष्ठ नेता रामाशंकर चौधरी, अशोक कश्यप, युवा नेता रवि यादव, निवर्तमान नगर अध्यक्ष शशि कुमार, कलामुद्दीन खान, रामजनम सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया। होली मिलन समारोह में शामिल लोगों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर होली पर्व

की शुभकामनाएं दी। मौके पर भोजपुरी की मशहूर गायिका पुष्पा राणा व उनके ग्रुप द्वारा होली की गीतों से लोगों को सराबोर कर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक संजय कुमार सिंह यादव ने कहा कि होली पर्व पर आपसी भाईचारे का पर्व है। इसमें भेद भाव की सारी दीवारें ध्वस्त हो जाती है। उन्होंने कहा कि होली के साथ साथ मुस्लिम भाइयों को सबसे पवित्र माह रमजान चल रहा है। पूर्व से चले आ रहे हिन्दू मुस्लिम सभी लोगों को मिल जुलकर एकता का परिचय दें। उन्होंने लोगों से कहा कि आने वाले समय में इस विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों के साथ एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। समारोह में मुख्य रूप से एसडीएम गौरांग महतो, सीआईडी डीएसपी दीपक कुमार, सीओ पंकज कुमार, विनय सिंह यादव, लोकनाथ केशरी, अभय कुमार सिंह, नरेश रजवार, अरविंद पासवान, मंटू सिंह, राजेश यादव, राहुल यादव, हरिहरगंज के पूर्व मुखिया अशोक यादव, लखन यादव, रंजीत पासवान, विकास यादव, दीपक यादव, उदय सोनी, विजय गुप्ता, मुकेश विश्वकर्मा, अखिलेश पासवान, देव कुमार उर्फ बॉस, समेत कई संख्या में लोग शामिल थे।

होली पर्व को लेकर पुलिस ने शहर में फ्लैग मार्च निकाला

नवीन मेल संवाददाता

हरिहरगंज। होली पर्व शांति और सौहार्दपूर्ण तरीका से मनाने के लिए पुलिस ने गुरुवार को हरिहरगंज शहर में फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैग मार्च मेन रोड़, अररुआ मोड़, शिव मंदिर, झंडा चौक, मेन बाजार, बंजारी आदि क्षेत्रों का भ्रमण किया। पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी चंदन कुमार के नेतृत्व में निकाले गए फ्लैग मार्च में शामिल जवानों ने लोगों से शांतिपूर्ण ढंग से त्योहार मनाने का संदेश दिया । थाना प्रभारी ने बताया कि विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर व्यापक तैयारी की गई है। होली त्योहार को लेकर शहर तथा ग्रामीण क्षेत्रों के मस्जिद के अलावा प्रमुख चौक-चौराहों पर पुलिस बलों की तैनाती रहेगी। फ्लैग मार्च में एसआई सतीश कुमार गुप्ता, विगेश कुमार राय, रंजीत सिंह,राकेश सिंह, अविनाश कुमार, अजय कुमार सिंह, नंदलाल साहनी, देमंति बास्की, सुनील कुमार झा, एएसआई अभय कुमार त्रिपाठी, सुनील कुमार, मुन्नाराम सहित कई पुलिस जवान शामिल थे।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से बच्ची की मौत

चतरा। लावालौंग प्रखंड क्षेत्र के हेडुम पंचायत सचिवालय के पास गुरुवार को सड़क हादसे में पांच वर्षीय अमिषा कुमारी की मौत हो गई। मृतका राजेश यादव की पुत्री थी। इस हादसे के बाद पूरे गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है। अमिषा कुमारी अपने घर के बाहर खेल रही थी,तभी अशोक साहू के बालू लदे ट्रैक्टर ने उसे टक्कर मार दी। ट्रैक्टर की चपेट में आने से मासूम बच्ची की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही लावालौंग थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए चतरा सदर अस्पताल भेज दिया। थाना प्रभारी रूपेश कुमार राय ने बताया कि हादसे में शामिल ट्रैक्टर अशोक साहू का है, जिसे थाना लाया गया है।

होली की खुशियां मातम में बदली, घर लौट रहे दो भाई सड़क हादसे का हुए शिकार

ट्रक से टकराई बाइक, एक की मौत, दूसरा गंभीर

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के पड़वा थाना क्षेत्र में गुरुवार दोपहर एक तेज रफ्तार बाइक पीछे से ट्रक से टकरा गई, जिसमें एक युवक की मौत हो गई और दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों मौसेरे भाई थे और होली की छुट्टी में घर लौट रहे थे। मृतक की पहचान गढ़वा जिले के मेराल थाना क्षेत्र के अधवरी निवासी अनूप शर्मा (22), पिता सुनील शर्मा के रूप में हुई, जबकि घायल युवक प्रेम उर्फ प्रिंस शर्मा (18), पिता दिग्विजय शर्मा, कांडी सरकोनी, गढ़वा का रहने वाला है।

कैसे हुआ हादसा?

जानकारी के अनुसार, अनूप और प्रेम बाइक से पड़वा मोड़ होते हुए बीमोड़ के रास्ते गढ़वा जा रहे थे। जैसे ही वे पड़वा मोड़ के आगे बीमोड़ की ओर मुड़े, सड़क किनारे खड़ा एक ट्रक अचानक आगे बढ़ने लगा। बाइक सवार नियंत्रण खो बैठे और पीछे से ट्रक से टकरा गए। स्थानीय लोगों और ट्रक चालक की मदद से दोनों को एमएमसीएच ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही अनूप ने दम तोड़ दिया।

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

परिजनों के अनुसार, दोनों युवक बिहार के नवीनगर स्थित एनटीपीसी में मुंशी का काम करते थे। होली की छुट्टी में अपने घर लौट रहे थे, लेकिन खुशियों से भरा यह सफर मातम में बदल गया। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई और सभी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

होली के रंगों में घुली पलाश की खूबसूरती

प्राकृतिक सौंदर्य बिखेर रहे पलाश के फूल, बनता है हर्बल रंग

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। बसंत ऋतु के आगमन के साथ ही पलामू जिले के जंगलों और अन्य स्थानों पर पलाश के फूल खिलने लगे हैं, जो अपनी लालिमा से प्राकृतिक सुंदरता में चार चांद लगा रहे हैं। होली के आसपास ये फूल अपनी सर्वोत्तम खूबसूरती में होते हैं, जिससे वातावरण में रंगों की बहार छा जाती है।

पलाश के फूलों से प्राकृतिक रंग तैयार किया जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में लोग इन फूलों को पहले पानी में भिगोकर रखते हैं और उबालकर हर्बल रंग बनाते हैं, जिसे होली खेलने में उपयोग किया जाता है। हालांकि, सखी मंडलों द्वारा तैयार किया गया हर्बल गुलाल भी उपलब्ध रहता है, लेकिन उसकी मात्रा सीमित होती है।

औषधीय गुणों से भरपूर है पलाश

पलाश का पेड़ औषधीय गुणों से भरपूर है। इसके पत्ते, फूल और छाल से दवाएं बनाई जाती हैं, जो कई बीमारियों के इलाज में कारगर हैं। सुदूरवर्ती गांवों में अब भी लोग पारंपरिक रूप से पलाश के फूल से बने रंगों से होली खेलते हैं। फागुन के अंत और चैत के आरंभ में खिलने वाले पलाश के फूलों को 'जंगल की लपट' भी कहा जाता है। फूलों से ढके पलाश के पेड़ दूर से आग की लपटों की तरह नजर आते हैं, क्योंकि इस दौरान पेड़ पूरी तरह पत्तों से मुक्त हो जाता है। यह होली के मौसम में प्राकृतिक सौंदर्य और पारंपरिक रंगों की एक खास पहचान है।

आजसू ने 'एनपीयू वाली होली' का किया आयोजन

छात्र-छात्राओं व शिक्षकों ने जमकर खेली होली

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) ने जनता शिवरात्रि महाविद्यालय प्रांगण में 'एनपीयू वाली होली' का आयोजन किया। यह कार्यक्रम पिछले साल से शुरू हुआ था और इस बार भी इसे धूमधाम से मनाया गया।

डीजे की धुन पर छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और कर्मचारियों ने जमकर होली खेली। सबसे पहले महाविद्यालय के प्राचार्य एस. के. पांडेय और शिक्षकों को गुलाल लगाकर छात्रों ने उनका आशीर्वाद लिया। प्राचार्य ने छात्रों की अनुशासित भागीदारी की सराहना की और उन्हें शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ आजसू के केंद्रीय सचिव सतीश कुमार, इम्तियाज अहमद नजमी, बिकेश शुक्ला और केंद्रीय सदस्य तुलसी शुक्ला ने मंच से रंगों की बौछार कर किया। आयोजनकर्ता आजसू छात्र नेता अभिषेक राज ने कहा कि इस कार्यक्रम का मकसद छात्रों को महाविद्यालय से जोड़ना और त्योहार को सामूहिक रूप से मनाने का अवसर देना है।

आजसू के विश्वविद्यालय प्रभारी हिमांशु रंजन ने घोषणा की कि अगले साल इस आयोजन को और भव्य बनाया जाएगा। मौके पर राहुल मिश्रा, बिपिन शुक्ला, सचिन सिंह, स्वस्तिक सिन्हा, अभिषेक कुमार, आकाश कुमार समेत सैकड़ों छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

सीएसपी केंद्रों पर उमड़ी भीड़, 'मंईयां सम्मान' की राशि को लेकर महिलाएं परेशान

कई लाभुकों को नहीं मिले पैसे, सूची से नाम कटने की आशंका

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के विभिन्न सीएसपी केंद्रों और ग्रामीण बैंकों में 'मईया सम्मान योजना' की राशि निकालने के लिए महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। झारखंड सरकार द्वारा 18 से 50 वर्ष की महिलाओं को 2500 रुपये प्रति माह दिए जाने की योजना के तहत जनवरी से मार्च तक की तीन महीने की राशि ट्रांसफर की गई है। योजना का लाभ लेने के लिए महिलाएं सीएसपी केंद्रों और बैंकों में घंटों कतार में खड़ी हो रही हैं। हालांकि, कई महिलाओं के खाते में पैसे नहीं आने से वे निराश हैं। आशंका जताई जा रही है कि राज्य सरकार ने भौतिक सत्यापन के बाद अयोग्य लाभुकों के नाम सूची से हटा दिए हैं।

लंबी कतारें, भूखी-प्यासी महिलाएं कर रहीं इंतजार

पैसा निकालने के लिए महिलाएं लंबी कतारों में भूखी-प्यासी अपनी बारी का इंतजार कर रही हैं। जिन महिलाओं के खाते में पैसे आ चुके हैं, उनके चेहरे पर खुशी झलक रही है, जबकि जिनके खाते में राशि नहीं आई, वे परेशान हैं। चंपा देवी नामक महिला ने बताया कि पहले उन्हें इस योजना का लाभ मिलता था, लेकिन इस बार उनके खाते में पैसे नहीं आए। उन्हें डर है कि कहीं उनका नाम योजना की सूची से हटा न दिया गया हो।

कम हुई लाभुकों की संख्या, 87 हजार महिलाओं को नहीं मिला लाभ

इस बार जिले की केवल 2,85,161 महिलाओं की सूची राज्य सरकार ने स्वीकृत की है। इनमें से 2,58,650 खातों में राशि भेजी गई, जबकि 25,356 महिलाओं को आधार सीडिंग न होने की वजह से भुगतान नहीं हुआ। जनवरी से पहले 3,72,937 महिलाओं को योजना का लाभ दिया गया था, यानी 87,000 से अधिक महिलाओं को इस बार लाभ नहीं मिला। जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग के सहायक निदेशक विक्रम आनंद ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा सत्यापित सूची के आधार पर भुगतान किया गया है। कुछ लाभुकों के एक से अधिक बैंक खाते होने की वजह से भी तकनीकी गड़बड़ी हो सकती है। आगे राज्य सरकार के निदेर्शानुसार शेष महिलाओं को भुगतान पर निर्णय लिया जाएगा।

पेड़ में लटकता मिला युवक का शव

चतरा। सिमरिया पुलिस ने हफुआ गोठाइ जंगल के पेड़ से लटकता एक युवक का शव बरामद किया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान सुकूल गंझु (35) के रुप में की गयी है। मृतक लावालौंग प्रखंड के आराआतु गांव का रहने वाला है। चार दिन पहले वह साप्ताहिक बाजार लावालौंग हरी मिर्च बेचने के लिए घर से निकला था। लेकिन बाजार जाने के बजाय बीच रास्ते में ही अपनी साइकिल को खड़ा कर जंगल की ओर चला गया। परिवार वालों ने काफी खोजबीन किया लेकिन कहीं पता नहीं चला। ग्रामीणों ने गुरुवार को शव को देखा और पुलिस को मामले की जानकारी दी। सूचना मिलते ही सिमरिया पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल चतरा भेज दिया।

होली पर एकता व भाईचारे का संदेश

गिले-शिकवे भुलाकर सौहार्द के रंग में रंगने की अपील

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष बिट्टू पाठक ने कहा है कि पलामू वासियों को मेरी और कांग्रेस पार्टी की ओर से होली की हार्दिक शुभकामनाएं। होली का यह पावन पर्व पुरानी कड़वाहटें मिटाकर नई शुरूआत करने का प्रतीक है। आइए, हम सब मिलकर गिले-शिकवे भुलाएं और सौहार्द के रंग में रंगें।

जनता को मुझसे जो उम्मीदें और भरोसा है, उसे पूरा करने के लिए मैं न तो रुकूंगा, न ही थकूंगा। बुजुर्गों का आशीर्वाद और युवाओं का स्नेह ही मेरी ताकत है। होली के इस शुभ अवसर पर मैं आप सभी से सौहार्द और शांति बनाए रखने की प्रार्थना करता हूं।

इस बार होली का त्योहार हमारे मुस्लिम भाइयों के रमजान के पवित्र महीने के जुमे के दिन मनाया जा रहा है, जो सामाजिक समरसता और भाईचारे की मिसाल है। पलामू जिला हमेशा से हिंदू-मुस्लिम एकता के लिए जाना जाता रहा है, और हमें इस परंपरा को और मजबूत करना है।

सामाजिक सौहार्द बनाए रखें, अफवाहों से बचें

कोई भी अफवाहों पर ध्यान न दे और किसी के बहकावे में न आए। पलामू जिले से साफ संदेश जाना चाहिए कि हम एक थे, एक हैं और एक रहेंगे। समाज को धर्म के नाम पर बांटने और नफरत फैलाने वालों से सतर्क रहने की जरूरत है। हमें उनके षड्यंत्रों को विफल करना होगा और यह दिखाना होगा कि पूरा पलामू जिला एक परिवार है।

होली के रंगों में हमें एकता का संदेश देना है, साथ मिलकर आगे बढ़ना है।

'न बहके, न किसी को बहकने दें, अपनी एकता को नई पहचान दें।'

होली की खरीदारी के लिए दुकानों पर उमड़े ग्राहक

बेतला। होली को लेकर लोगों ने गुरुवार को होली-सामग्रियों रंग,अबीर-गुलाल,फुलझड़ियों, मुखौटे, बम-पटाखे, पिचकारियों आदि की जमकर खरीदारी की। नतीजतन दुकानों पर ग्राहकों की ठसाठस भीड़ देखी गई। अधिकतर लोग देर शाम तक सामग्रियों की खरीदारी करते दिखे। वहीं दुकानदार भगवान प्रसाद, दीपक प्रसाद,भोलेनाथ,कृष्णा साव,मनोज प्रसाद, सकेंद्र प्रसाद,नंदलाल साव आदि ने हर्बल अबीर-गुलाल और रंगों की बिक्री सबसे अधिक होने की बात बताई। इधर कुछ लोगों को गुरुवार से बम-पटाखे फोड़ते और आतिशबाजी करते देखा गया।

राजस्व सबंधित विशेष कैम्प 19 से

पाटन। पाटन अंचल अंतर्गत स्थित पंचायत सचिवालयों में 19 मार्च से राजस्व संबंधित दो दिवसीय विशेष कैंप लगाए जाएंगे। सीओ राकेश श्रीवास्तव ने आदेश जारी करते हुए अवगत कराया है कि कैंप में राजस्व कर्मचारी भूमि उत्तराधिकारी नामांतरण, राजस्व वसूली एवं अन्य राजस्व से सबंधित कार्यो को ऑन स्पाट निष्पादित करेंगे। 19 मार्च को सेमरी, मेराल व शोले पंचायत के पंचायत सचिवालय में तथा 20 मार्च को किशुनपुर, लोइंगा तथा रुडीडीह पंचायतों में विशेष कैम्प आयोजित होगा। उन्होंने आम जनता से कैंप में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का निस्तारण कराने की अपील की है।

असामाजिक तत्वों ने खेत में लगाई आग

टंडवा (चतरा)। टंडवा थाना क्षेत्र के धनगड़ा के पास हुए आगजनी से काफी नुक्सान हुआ है। बताया गया कि शरारती तत्वों द्वारा खेत में आग लगा दी गई। जिससे तेज हवा के कारण धनगड़ा चौक तक आग की लपटें पहुंच गई। इस दौरान सुदीप कुमार के घर पीछे खड़े टेपो में आग लग गई। ऐसे में कुछ समय के लिए चौक में अफरा तफरी मच गई और धुंआ से पूरा क्षेत्र में अंधेरा छा गया। आग की लपटों से दर्जनों खजूर पेड़ जल गया और आस-पास घर के छत के ऊपर लपटे पहुंच गई। बाद में फायर ब्रिगेड़ पहुंच कर आग बुझाई।

पूर्व सैनिकों ने उत्साह के साथ मनाई होली

रंग-गुलाल उड़ाकर दिया भाईचारे का संदेश

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद, पलामू की ओर से जिला कार्यालय में पूर्व सैनिकों का होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सभी पूर्व सैनिकों ने जाति-धर्म से ऊपर उठकर एक भारतीय के रूप में होली मनाई।

पूर्व सैनिकों ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाया, पारंपरिक गीत गाए और मिठाई बांटकर त्योहार की खुशियां साझा कीं। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष दामोदर मिश्र ने कहा कि होली बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है और यह हमें आपसी मतभेद भुलाकर भाईचारे को मजबूत करने का संदेश देती है।

कार्यक्रम में जिला संरक्षक शिवजी सिंह, महासचिव दिनेश गुप्ता, कोषाध्यक्ष दयाशंकर शर्मा, महासचिव सुनील कुमार सिंह, पेंशन अधिकारी कामाख्या नारायण सिंह, सचिव अशोक कुमार मेहता समेत कई पूर्व सैनिक शामिल हुए।

मार्च में ही तेज गर्मी का प्रभाव, लू के संकेत

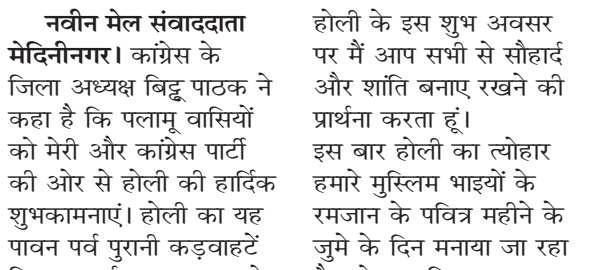

पलामू में तापमान 39 डिग्री के करीब, लू चलने की संभावना

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। मार्च के मध्य में ही गर्म हवाओं का असर तेज हो गया है, जिससे जिले में लू जैसे हालात बनने लगे हैं। दिन में तीखी धूप लोगों के दैनिक कार्यों में बाधा डाल रही है और तापमान लगातार बढ़ रहा है। मौसम विभाग ने इस साल भीषण गर्मी और तेज लू चलने की चेतावनी दी है, जिसका असर मार्च के अंत तक और बढ़ सकता है। पलामू जिले का अधिकतम तापमान 39 डिग्री के करीब पहुंच गया है, जो मार्च के खत्म होने से पहले 40 डिग्री को पार कर सकता है। बीते सप्ताह से तापमान में तेजी से वृद्धि हो रही है। रविवार को अधिकतम तापमान 34.9 डिग्री था, जो बुधवार को बढ़कर 39.2 डिग्री तक पहुंच गया।

लू से बचाव के लिए सावधानी बरतें

मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों में जिले में गर्म हवाएं और अधिक तेज होंगी। विशेषज्ञों ने लोगों को धूप से बचने, सिर को ढकने और पानी का सेवन अधिक करने की सलाह दी है। खासकर दोपहर के समय घर से निकलने में सतर्कता बरतने की जरूरत है।

होली पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, शहर में फ्लैग मार्च

कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस तैनात, संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। होली पर्व को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मणिभूषण प्रसाद और सदर सीओ अमरजीत सिंह के नेतृत्व में शहर थाना क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला गया। इस फ्लैग मार्च का मुख्य उद्देश्य कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाना और नागरिकों में सुरक्षा की भावना पैदा करना था। प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस बल ने हॉस्पिटल चौक, कन्नी राम चौक, कसाई मोहल्ला, भटी मोहल्ला, गिरवर स्कूल, सादिक मंजिल चौक, बेलवाटिक चौक, स्टेशन चौक, चर्च रोड, कचहरी चौक और छह मुहान तक मार्च किया। फ्लैग मार्च का समापन शहर थाना में किया गया।

संदिग्ध गतिविधियों पर रहेगी सख्त नजर

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मणिभूषण प्रसाद ने कहा कि होली एक महत्वपूर्ण पर्व है और इसे शांतिपूर्ण माहौल में मनाना प्रशासन की प्राथमिकता है। किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए शहर थाना में फायर ब्रिगेड और पुलिस बल तैनात किया गया है।

सदर सीओ ने नागरिकों से शांति बनाए रखने और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि आगामी दिनों में सुरक्षा उपायों की लगातार समीक्षा की जाएगी।

'उत्पात मचाने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई'

शहर थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार ने कहा कि होली पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण बनाने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा और गश्ती दल लगातार निगरानी करेगा।

पूरे शहर में 115 जवान गश्त पर रहेंगे ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। इसके अलावा, शुक्रवार और शनिवार को विशेष अभियान चलाकर शराब पीकर वाहन चलाने वालों की जांच ब्रेथ एनालाइजर से की जाएगी।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कानून तोड़ने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और किसी भी तरह की अशांति बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अतिरिक्त पुलिस बल और मजिस्ट्रेट तैनात, गश्ती दल अलर्ट

मेदिनीनगर। होली के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सदर थाना प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की है। थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय के नेतृत्व में सदर क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला गया, जिसका मुख्य उद्देश्य लोगों में सुरक्षा की भावना पैदा करना और कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाना था। फ्लैग मार्च बड़कागांव, जोड़, खनवां, कौड़ियां सहित अन्य गांवों के चौक-चौराहों से गुजरते हुए सदर थाना पर समाप्त हुआ। थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय ने बताया कि थाना क्षेत्र में आठ प्रमुख चौक-चौराहों पर आठ मजिस्ट्रेट, अतिरिक्त पुलिस पदाधिकारी और पुलिस बल तैनात किए गए हैं। इसके साथ ही गश्ती दल लगातार क्षेत्र में निगरानी कर रहा है, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

नवीन मेल संवाददाता

श्रीबंशीधर नगर। होली व रमजान को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से एलर्ट है। एसडीपीओ सत्येंद्र नारायण सिंह के नेतृत्व में पुलिस ने क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए गुरुवार को शहर से लेकर गांव तक फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस ने लोगों से शांतिपूर्ण व आपसी भाईचारे के साथ होली व रमजान मनाने की अपील की। यह जानकारी एसडीपीओ सत्येंद्र नारायण सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि होली व रमजान के मौके पर क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाये रखने और त्योहार को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने को लेकर अनुमंडल क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला गया है। उन्होंने अनुमंडलवासियों से शांतिपूर्ण तरीके से आपसी भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील की। फ्लैग मार्च में एसडीपीओ के साथ पुलिस इंस्पेक्टर रतन कुमार सिंह, थाना प्रभारी आदित्य कुमार नायक, विशुनपुरा के थाना प्रभारी राहुल कुमार सिंह, रमना के थाना प्रभारी आकाश कुमार सहित अन्य थाना के थाना प्रभारी पुलिस के जवान शामिल थे।

शराबी पति ने कुदाल से वार कर पत्नी की हत्या की

घटना को अंजमा देने के बाद पति फरार

पैसा खर्च करने पर पत्नी ने नाराजगी व्यक्त की थी

नवीन मेल संवाददाता

रंका (गढ़वा)। रंका थाना क्षेत्र के भलुआनी गांव के गोता टोला में गुरुवार सुबह एक शराबी पति ने अपनी पत्नी की कुदाल से मारकर निर्मम हत्या कर दी। वजह सिर्फ इतनी थी कि पत्नी उसे शराब पीने से मना कर रही थी। मृतका की तीन छोटे-छोटे बच्चों के सामने हुई इस हदयविदारक घटना से पूरा गांव स्तब्ध है। बताया जाता है कि मृतका बेबी देवी (27 वर्ष) अक्सर अपने पति राम जनम सिंह को शराब पीने से रोकती थी, क्योंकि वह आए दिन नशे में धुत होकर उसके साथ मारपीट करता था। बुधवार देर रात भी वह शराब के नशे में घर लौटा, जिस पर पत्नी ने ऐतराज जताया। उसने पति से कहा कि वह मेहनत-मजदूरी कर बच्चों की होली के लिए 1000 जोड़कर रखी थी, लेकिन उसने शराब में खर्च कर दिए। इस पर राम जनम सिंह भड़क गया और पत्नी की डंडे से बेरहमी से पिटाई की। इसके बाद वह दूसरे कमरे में जाकर सो गया। रातभर गुस्से में तिलमिलाते हुए उसने अहले सुबह करीब चार बजे गहरी नींद में सो रही पत्नी के सिर और गर्दन पर कुदाल से ताबड़तोड़ वार कर उसकी हत्या कर फरार हो गया। काफी देर बाद जब बच्चों ने अपनी मां को मृत अवस्था में देखा तो उन्होंने दादा-दादी को इसकी जानकारी दी। गांववालों ने घटना की सूचना मृतका के मायके और रंका थाना को दी। थाना प्रभारी चेतन कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे कर शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गढ़वा भेज दिया। पुलिस आरोपी पति की तलाश में जुट गई है।

सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट करने वाला युवक गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। सोशल मीडिया पर विद्वेषपूर्ण पोस्ट करना युवक को महंगा पड़ गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सोशल मीडिया पर विद्वेषपूर्ण पोस्ट करने वाले सदाब खान नामक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार युवक नगर ऊंटारी थाना क्षेत्र के चेचरिया का रहने वाला है। यह जानकारी एसडीपीओ सत्येंद्र नारायण सिंह ने दी। वह गुरुवार को नगर ऊंटारी थाना आयोजित प्रेसवार्ता में बोल रहे थे। एसडीपीओ ने बताया कि नगर ऊंटारी थाना क्षेत्र के चेचरिया निवासी शेर मोहमद का पुत्र सदाब खान द्वारा सोशल मीडिया पर विद्वेषपूर्ण पोस्ट किया गया था। इसकी जांच के लिये नगर ऊंटारी के थाना प्रभारी आदित्य कुमार नायक के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। उसमें पुअनि संदीप कुमार रवि, सअनि अनुज कुमार सिंह, आरक्षी कौशल दुबे को शामिल किया गया था। टीम द्वारा जांच के क्रम में मामले को सही पाते हुए सोशल मीडिया पर विद्वेषपूर्ण पोस्ट करने वाले सदाब खान नामक युवक को गिरफ्तार किया गया। साथ ही उसके पास से एक मोबाईल बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि सदाब खान के विरुद्ध मामला दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उन्होंने लोगों को सोशल मीडिया पर कोई भी आपत्तिजनक पोस्ट नहीं करने की अपील की है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुलिस इंस्पेक्टर रतन कुमार सिंह, थाना प्रभारी आदित्य नायक आदि मौजूद थे।

मझिआंव ने टाउनशिप को तीन सेट में हराकर फाइनल का ताज पहना

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। टाउनशिप सेल के सब्जी मार्केट में स्थित ग्राउंड में स्पोर्ट्स एंड रिक्रिएशन क्लब टाउनशिप द्वारा आयोजित स्वर्गीय प्रदीप सिंह मेमोरियल वॉलीबॉल टूर्नामेंट का फाइनल खेला गया। फाइनल मैच के मुख्य अतिथि समाज सेवी मानस राज सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच का शुभारंभ किया। फाइनल मैच मझिआंव बनाम टाउनशिप के बीच खेला गया। जहां मझिआंव की टीम ने टाउनशिप को तीन सेट से हराकर टूर्नामेंट पर कब्जा किया। समाज सेवी मानस राज सिंह ने विजेता, उप विजेता को ट्रॉफी प्रदान किया। मौके पर मानस राज सिंह ने कहा कि युवा खेल के माध्यम से अपने भविष्य को संवार सकते हैं। पहले के समय में शिक्षा की तुलना में खेल को उपेक्षित दृष्टि से देखा जाता था, लेकिन आज स्थिति बदली है। इस तरह के आयोजन से युवाओ में खेल के प्रति रुझान बढ़ेगा। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने की बात कही। मौके श्री राम सिंह, रजनीश सिंह,जी प्रसाद, विनय गुप्ता,कमिटी के प्रथम चौबे, हर्षित सिंह, सूर्यप्रकाश सिंह, आदित्य राज सिंह, बंटी कुमार, शांतनु कुमार, निखिल कुमार, सरफराज, कैफ, सजल सिंह, सूरज सिंह, वाहिद, विकास सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

होली शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

नवीन मेल संवाददाता

भंडरिया। होली व रमजान को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने को लेकर भंडरिया पुलिस प्रशासन गुरुवार को फ्लैग मार्च निकाली गई। थाना प्रभारी अभिजीत गौतम के नेतृत्व में क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए गुरुवार को प्रखंड मुख्यालय से लेकर भंडरिया गांव तक फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस ने लोगों से शांतिपूर्ण व आपसी भाईचारे के साथ होली व रमजान मनाने की अपील की। उन्होंने बताया कि होली व रमजान के मौके पर क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाये रखने और त्योहार को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने को लेकर भंडरिया क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से शांतिपूर्ण व आपसी भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील की है। फ्लैग मार्च में दिलीप रंजन, किशोर कुमार, हरधन वेदिया, पुलिस जवान के साथ समाज सेवी सुशील सिंहा, बबलू सिंहा, हरिदास तिर्की सुनित मिंज सहित अन्य मौजूद थे।

पूर्व मंत्री मिले हादसे के पीड़ित परिवार से

मुआवजा राशि दिलाने का दिया अश्वासन

नवीन मेल संवाददाता

भंडरिया। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत नौका गांव निवासी विनोद केसरी के पुत्र अजीत केशरी की बीते सोमवार को गढ़वा जिले के गोदरमाना में पटाखा की दुकान में हुई हादसे में दम घुटने से हुई मौत के जानकारी के बाद गुरुवार को पूर्व मंत्री मिथलेश कुमार ठाकुर ने पीड़ित के घर पहुंच कर परिजन से मिलकर ढाढस बंधाया। इस दौरान उन्होंने इस दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए परिजनों को आर्थिक सहयोग राशि प्रदान करते हुए हर सम्भव मदद की बात कही। उन्होंने कहा कि पटाखा दुकान में हुए भीषण विस्फोट ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। इस हादसे में पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी। यह दुर्घटना बेहद दुखद और हृदयविदारक है। लेकिन पीड़ितों के लिये हरसंभव मदद किया जायेगा। उन्होंने कहा कि घटना की जानकारी राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी है। उनके निर्देश पर सभी पांचो पीड़ित के घर जाकर झारखंड सरकार आपके साथ हर सुख दुःख में साथ खड़ा है। बहुत जल्द है मुआवजा का चार-चार लाख रुपए दिलाने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह विधायक नहीं होने के बाद भी क्षेत्र में काम कर रहे हैं। मौजूदा विधायक पर कहा कि विधायक न तो सामाजिक है ना राजनीतिक। वह केवल अपना स्वार्थ के लिए राजनीतिक करते हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा गरीबों की पार्टी है। मौके पर जेपी मिंज, प्रखंड अध्यक्ष हरिदास तीर के आशीष कुमार गुप्ता, तनवीर आलम, अशोक गुप्ता, संदीप गुप्ता, रवि कश्यप, चंद्रशेखर सिंह, सुनीत कुमार सहित झारखंड मुक्ति मोर्चा कार्यकर्ता मौजूद थे।

एक नजर

महिला ने कीटनाशक खाया

गढ़वा। मझिआंव थानांतर्गत टड़हे गांव निवासी रामविचार बैठा की पत्नी 50 वर्षीया शारदा देवी कीटनाशक खाकर आत्महत्या करने का प्रयास की। उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि किसी बात को लेकर पुत्र से विवाद हुआ था। उसी बात से आक्रोशित होकर महिला ने कीटनाशक खा ली। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजनों ने उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया। वहां उसका इलाज चल रहा है। चिकित्सक के अनुसार उसकी स्थिति खतरे से बाहर है।

ग्रामीण बैंक में होली मिलन समारोह का आयोजन

चिनियां। रंगों का पर्व होली को लेकर पूरे क्षेत्र में हर्षोल्लास का माहौल है। इस कड़ी में चिनियां ग्रामीण बैंक में भी होली मिलन समारोह धूमधाम से मनाया गया। बैंक के मैनेजर विवेक कुमार, कैशियर अकाश कुमार व चिनियां ग्रामीण बैंक के सभी सीएसपी संचालकों ने मिलकर आपसी सौहार्द और भाईचारे का संदेश दिया। समारोह के दौरान बैंक कर्मियों और सीएसपी संचालकों ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दी। साथ ही होली की खुशियों को साझा किया। बैंक मैनेजर और कैशियर ने उपस्थित सभी को होली की शुभकामनाएं दी। पर्व को प्रेम और भाईचारे के साथ मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि होली सिर्फ रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि आपसी प्रेम और सद्भाव को मजबूत करने का प्रतीक भी है। होली मिलन समारोह में चंदन यादव, प्रिंस प्रसाद, अजीत कुमार, अफजल मंसूरी, बैजनाथ कोरवा, रामाधार राम, नागेंद्र सिंह सहित कई अन्य बैंक कर्मी और सीएसपी संचालक मौजूद थे।

विशेष सत्संग का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। युग पुरुषोत्तम श्री श्री ठाकुर अनुकूल चंद्रजी का विशेष सत्संग का आयोजन गुरुवार को गुरु भाई शिव शंकर प्रसाद गुप्ता के निवास स्थान भागलपुर टंडवा में किया गया। सर्वप्रथम शंख ध्वनि वंदे पुरुषोत्तम का जय घोष किया गया। सभी धर्म ग्रंथ का पाठ किया गया। नाम जप ध्यान किया गया। भजन कीर्तन किया गया। आरती किया गया। भंडारा का आयोजन किया गया। मौके पर कहा गया कि कलयुग में केवल सत्संग का ही एक मात्र सहारा है। कलयुग में भजन कीर्तन आरती सत्संग करने से ही घर में सुख शांति की प्राप्ति होती है। विश्व का कल्याण होता है। सद्?गुरु के बताए रास्ते पर चलने से ही मनुष्य का जीवन खुशहाल होता है। सभी मनुष्य को सद्?गुरु के शरण में रहना चाहिए। दीक्षा ग्रहण करना चाहिए। उससे सभी समस्या का समाधान होगा। सभी मनोकामना पूर्ण होगा। सत्संग में काफी संख्या में गुरु भाई बहन एसपीआर धृति लाल, संयोजक राजकुमार, रघुवीर प्रसाद कश्यप, संत कुमार, सियाराम पांडेय, दिलीप कश्यप, अशोक प्रसाद, हरिद्वार प्रसाद केसरी, शंभू सोनी, रानी देवी, श्याम लता देवी, मनोरमा देवी, बबीता देवी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

होली शांतिपूर्ण मनाने को लेकर पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

नवीन मेल संवाददाता

मझिआंव। स्थानीय पुलिस ने होली के अवसर पर शहर के मुख्य बाजार में शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैग मार्च में पुलिस के कई अधिकारी और जवान शामिल थे, जो बाजार के प्रमुख इलाकों से मार्च करते हुए सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पुलिस ने कहा कि इस तरह के कदम से त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार की हिंसा या असहमति को रोकने में मदद मिलेगी और लोग सुरक्षित माहौल में होली का आनंद ले सकेंगे। पुलिस ने जनता से अपील की है कि वह होली के रंगों में रंगते हुए एक-दूसरे का सम्मान करें और किसी भी प्रकार की असमाजिक गतिविधि से बचें। प्रशासन का यह भी कहना है कि इस दौरान किसी भी प्रकार की शांति भंग करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मझिआंव पुलिस प्रशासन ने इस फ्लैग मार्च के जरिए यह संदेश देने की कोशिश की कि शांति और सौहार्द के साथ मनाए जाने वाले त्योहारों से समाज में आपसी भाईचारे को बढ़ावा मिलता है।

होली पर्व को लेकर निकाला फ्लैग मार्च

नवीन मेल संवाददाता

केतार। होली पर्व को लेकर गुरुवार को एसडीपीओ सत्येंद्र नारायण सिंह के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च लोहारगड़ा से होते हुए पाचाडुमर, केतार बाजार, खरौंधी मोड़, कोल मोड़ चेचरिया चौक तक गया। एसडीपीओ सत्येंद्र नारायण सिंह ने कहा कि होली व रमजान पर्व को लेकर सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। होली भाइचारे का त्योहार है। इसे मिलजुल कर मानना चाहिए। जबरन किसी को रंग नहीं लगायें। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वाले और हुड़दंग मचाने वाले लोगों से पुलिस सख्ती से निपटेगी। उन्होंने किसी भी तरह की अप्रिय घटना की सूचना तुरंत नजदीकी थाना को देने की अपील की, ताकि पुलिस त्वरित कार्रवाई कर सकें। मौके पर पुलिस इंस्पेक्टर गुलाब सिंह, केतार थाना प्रभारी अरूण कुमार रवानी, हरिहरपुर ओपी प्रभारी सफीउल्लाह अंसारी, भवनाथपुर प्रभारी रजनी रंजन, खरौंधी प्रभारी रवी केसरी, एएसआई वेंकेटेश शर्मा सहित पुलिस जवान शामिल थे।

छात्रों ने अबीर-गुलाल लगाकर बधाई दी

डंडई। प्रखंड के प्लस टू उच्च विद्यालय लवाही कला व डंडई के आरजीएसएम पब्लिक स्कूल में होली के मौके पर छात्र-छात्राओं ने आपस में रंग-गुलाल अबीर गुलाल लगाकर एक दूसरों को बधाई दिया। मौके पर छात्रों ने शिक्षको को अबीर गुलाल लगा उन्हें होली की शुभकामनाएं दिया। प्राचार्य अमिताभ कुमार पांडेय ने प्रमुख प्रतिनिधि घरबीगन बैठा, मुखिया बच्चा लाल गुप्ता, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता के साथ गांव के अन्य ग्रामीणों के साथ होली खेली। प्राचार्य अमिताभ ने कहा कि असत्य पर जीत के प्रतीक का पर्व को बहुत ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि होली के दिन सुबह से दोपहर तक जहां पिचकारी में रंग भरकर एक दूसरों को रंगों में डूबा देते हैं। मौके पर शिक्षक अख्तर, अली सुरेश राम, विद्यांशु पाठक, नथुनी सिंह, मुन्ना कुमार, रविंद्र सिंह, नागेंद्र कुमार इत्यादि लोग उपस्थित थे।

न्यूज बॉक्स

होली व रमजान में रसोईया को नहीं मिला मानदेय, फीकी पड़ी घरों की रौनक

धुरकी। होली और रमजान में भी स्कूलों में एमडीएम बनाने वाली रसोइया को मानदेय नहीं मिला। उससे उनमें निराशा है। प्रखंड के खाला विद्यालय में बच्चों का भोजन बनाने वाली रसोइया समसुल बीवी, आसमा बीवी के अलावा प्रभा देवी, लालती देवी व शीला देवी ने बताया कि वह प्रतिदिन बच्चों को भोजन बनाकर खिला रही हैं। उसके एवज में दो हजार रुपए महीना उन्हें दिया जाता है। हर महीने उन्हें मानदेय नहीं मिल रहा है। 8-10 महीना में दो माह की राशि मिलती है। उसे गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार एक तरफ घर बैठे महिलाओं को मंईयां सम्मान योजना के तहत दो हजार पांच सौ रुपए दे रही है, जबकि उन लोगों को काम करने के बाद भी हर महीने पैसा नहीं दिया जा रहा है। रसोइया ने बताया कि होली और रमजान महीने के बाद भी उन पर सरकार का कोई ध्यान नहीं है।

स्कूल में होली मिलन समारोह का आयोजन

केतार। केतार बाजार स्थित आरके सिंह पब्लिक स्कूल में गुरुवार को होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने एक दूसरे को अबीर- गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। छात्र-छात्राओं ने शिक्षकों से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर विद्यालय संचालिका ब्यूटी सिंह ने कहा कि होली का पर्व न केवल रंग और उल्लास का पर्व है, बल्कि समाजिक समरसता, प्रेम व भाईचारा और बुराई पर अच्छाई का जीत का प्रतीक है। शिक्षक-शिक्षिकाओं ने बच्चों को गुलाल लगाकर होली कि शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर प्राचार्य ऐनूल परवेज, अजीत यादव, रोहित कुमार, संध्या जायसवाल, किरण देवी, पूनम देवी, मुक्ता कुमारी, जेएस पटेल सहित अन्य मौजूद थे।

होली मिलन समारोह का आयोजन

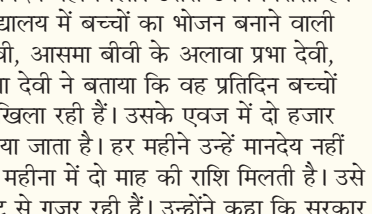

भवनाथपुर। टीकर टोला दुर्गा मंदिर परिसर में ग्रामीणों द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजित किया गया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि सेवानिवृत वनकर्मी राजेन्द्र पासवान,समाजसेवी सह मुखिया प्रत्याशी दीपू कुमार गुप्ता, संतोष दुबे, राकेश चन्द्रवंशी, चन्द्रदेव मणि साह ने फीता काटकर शुभारंभ किया। इस दौरान लोगों ने एक दूसरे की अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। मौके पर सेवानिवृत वनकर्मी राजेन्द्र पासवान ने कहा कि यह त्योहार प्यार,स्नेह और एकता को बढ़ावा देता है। समाज सेवी दीपू कुमार गुप्ता ने कहा कि रंग जीवन को सुंदर बनाते हैं। ठीक वैसे ही प्रेम और एकता हमें जोड़ता हैं। उन्होंने लोगों से इस त्योहार को प्यार और भाईचारे का संदेश फैलाने का जरिया बनाने की अपील की। समारोह में पलामू के कलाकार बीरेंद्र गिरी और बीरेंद्र पासवान आदि ने होली के गीतों से लोगों को समां बांध दिया,जिससे लोग झूमने पर मजबूर हो गए। सांस्कृतिक कार्यक्रम रातभर चला, जिसका लोगों ने जमकर लुफ्त उठाया। मौके पर रामलाल बैठा,रविशंकर गुप्ता,राधा प्रजापति,पारस साह,लालचंद महतो,मनोज गुप्ता,मंटू गुप्ता,सकेन्द्र रामरति साह,सुनील मेहता,सुरेश साह,अखिलेश साह, प्रिंस साह आदि उपस्थित थे।

तैयारी

दंडाधिकारियों की हुई प्रतिनियुक्ति

होली पर होगी सुरक्षा की चौक-चौबंद व्यवस्था

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। रंगों का त्योहार होली शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन ने प्रशासनिक तैयारी पूरी कर ली है। इस बाबत डीसी शेखर जमुआर और एसपी दीपक कुमार पांडेय ने संयुक्त आदेश जारी किया है। होली के मद्देनजर सुरक्षा की चाक चौबंद व्यवस्था होगी। उसके लिए पुलिस बल के साथ दंडाधिकारियों की भी प्रतिनियुक्ति कर दी गई है। होलिका दहन और होली के दिन किसी भी प्रतिकुल परिस्थितियों से निपटने के लिए प्रशासनिक तैयारी कर ली गई है। प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी के अलावा पुलिस पदाधिकारी व पुलिस बल को 14 मार्च सुबह सात बजे तक प्रतिनियुक्त स्थल पर अनिवार्य रूप से पहुंचने का निर्देश दिया गया है। उक्त स्थल पर वह 15 मार्च तक बने रहेंगे। उन सभी स्थलों पर विशेष नजर रखने का निर्देश दिया गया है, जहां पिछले तीन वर्षों के अंदर किसी तरह की सांप्रदायिक तनाव की स्थिति उत्पन्न हुई हो। उसके अलावा गढ़वा, नगर ऊंटारी और रंका के अनुमंडल पदाधिकारी और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी गुरुवार दोपहर के बाद से 15 मार्च तक नियंत्रण कक्ष संचालित करने का निर्देश दिया गया है। उन्हें अपने अपने क्षेत्र का विधि व्यवस्था बनाए रखने की भी जिम्मेवारी दी गई है। उन्हें प्रतिनिधि शाम पांच बजे तक खैरियत रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया गया है। होली के मद्देनजर जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष भी बनाया गया है। प्रथम पाली में डीइओ कैसर रजा, द्वितीय पाली पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता प्रदीप कुमार और तृतीय पाली में गढ़वा अंचल पदाधिकारी मो. सफी आलम को जिला नियंत्रण कक्ष का प्रभार दिया गया है। अपर समाहर्ता राज माहेश्वरम को जिला नियंत्रण कक्ष का वरीय प्रभारी बनाया गया है। उसके अलावा सभी शराब दुकानों को 14 मार्च को बंद रखने का निर्देश दिया गया है। उत्पाद अधीक्षक को आदेश का अनुपालन कराने का निर्देश दिया गया है। होली के मद्देनजर सभी तरह का अवकाश रद्द कर दिया गया है।

होली में मिलावटी मिठाई की बिक्री रोकने के लिए दुकानों में छापेमारी

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। होली पर्व के आते ही जिला प्रशासन एक्शन मोड में आ गयी है। एक ओर बाजार के विभिन्न मिठाई की दुकानों, होली में मिलावटी मिठाइयों की बिक्री रोकने के लिए मिष्ठान प्रतिष्ठानों में भी जांच की जा रही है। गुरूवार को उपायुक्त उत्कर्ष गुप्त के निर्देश पर होली पर्व को ध्यान में रखते हुए नगर पंचायत क्षेत्र के विभिन्न मिष्ठान दुकानों में नगर पंचायत की टीम पहुंची। उन्होंने जांच के लिए मिठाइयों का सैंपल लिया। सैंपल को लेबोरेट्री में जांच के लिए भेजा जायेगा। नगर पंचायत की टीम ने थाना चौक के माही स्वीट्स, पवन होटल, बस स्टैंड के उपहार स्वीट्स व दीपक स्वीट्स इत्यादि मिठाइयों की प्रतिष्ठानों में जाकर मिठाइयों की जांच की। टीम में नगर प्रबंधक राज कुमार वर्मा, स्ट्रीट लाइट इंस्पेक्टर अजीत कुमार व सेनेटरी सुपरवाइजर अशफाक अंसारी आदि शामिल थे।

अवैध रूप से पटाखा बेच रहे दुकानों में छापेमारी

बिना लाइसेंस के पटाखा बेचने वालों पर होगी कार्रवाई : एसडीओ

● लाखों का पटाखा जब्त

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। पिछले दिनों गढ़वा में अवैध रूप से पटाखा बेच रहे दुकानों में आग लग जाने की घटना से सबक लेते हुए लातेहार जिला प्रशासन भी अलर्ट मोड में है। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता के निर्देश पर शहर में अवैध से पटाखा बेच रहे दुकानों में छापेमारी की गई। गुरूवार को अनुमंडल पदाधिकारी अजय कुमार रजक व अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अरविंद कुमार के नेतृत्व में एओई बालिका विद्यालय के सामने पटाखा बेच रहे कई दुकानों में छापेमारी की गयी। एसडीओ अजय कुमार रजक ने बताया कि बिना लाइसेंस का पटाखा बेचने वाले दुकानों में छापेमारी की गयी। उन्होंने बताया कि सूचना मिली थी कि बिना लाइसेंस के दुकानों में अवैध रूप से पटाखा बेचा जा रहा है। सूचना के आलोक में यह प्रशासनिक कार्रवाई की गयी है। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों गढ़वा में अवैध रूप से पटाखा बेच रहे दुकान में आग लग जाने के कारण एक बड़ी घटना घट थी। इस कारण लातेहार में भी एहतियात के तौर पर यह कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि जिन्हें भी पटाखें बेचना है वह सक्षम पदाधिकारी से लाइसेंस ले। उसके बाद शहर में पटाखा बेंचे। उन्होंने बताया कि इस छापेमारी में विभिन्न प्रतिष्ठानों से एक ट्रक पटाखा जब्त किया गया है। उन्होंने कहा कि इसके बाद भी बिना लाइसेंस का पटाखा बेचने पर कानूनी कार्रवाई की जायेगी। मौके पर अंचलाधिकारी अरविंद देवाशीष टोप्पो समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे।

होलिका दहन के साथ रंगोत्सव की मस्ती में डूबा शहर

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। फाग के गीत और अबीर के बीच होलिका दहन गुरुवार देर रात शहर से लेकर गांव तक सैंकड़ों स्थानों पर किया गया। सर्वार्थ सिद्धि और अमृत योग में रात्रि लगभग 10 बजे से होलिका दहन की शुरूआत हुई। फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा पर जिलेवासियों ने होलिका दहन कर रंगोत्सव का धमाल मचाया। होलिका जलते ही पूरा गांव व शहर मस्ती के रंगों में डूब गया। होली खेले रघुवीरा... और होली आई रे कन्हाई रंग बरसे... गीतों ने वातावरण को होलिमय बना दिया। होलिका दहन के साथ रंग और अबीर लोगों ने एक दूसरे को लगाकर शुभकामनाएं दी। रंगो के त्योहार होली में अब चंद घंटे ही बचे हैं। ऐसे में होली की मस्ती लोगों के सिर चढ़कर बोलने लगी है। बता दें कि इस बार होलीका दहन गुरुवार देर रात होगा व होली का पर्व शनिवार को मनाया जाएगा। त्योहार को लेकर शहर व ग्रामीण क्षेत्र के बाजारों में रंग, अबीर, गुलाल व रंग बिरंगी पिचकारी की स्थाई व अस्थाई रुप से सजे दुकानों में खरीदारों की भीड़ उमड़ रही है। होली को ले जगह-जगह पर बजाए जा रहे होली के गीत व फगुनाहट की बयार ने लोगों की उमंगो को और गाढ़ा कर दिया है। सभी सरकारी विभाग व शिक्षण संस्थान भी बंद हो चुके है। गुरुवार को विभिन्न स्थानों पर होली मिलन समारोह का आयोजन कर लोगों ने एक दूसरे को अबीर-गुलाल लगाने के साथ मिठाई खिलाकर होली की बधाई दी। मौके पर ढोलक मंजीरे की ताल पर लोग जमकर झूमे।

जरूरतमंद परिवारों के बीच खाद्य सामग्री व रंग गुलाल का वितरण

गिद्धौर (चतरा)। रंगो का त्यौहार होली पर प्रखंड मुख्यालय के युवा समाज सेवी आशीष कुमार (पेंटर) ने गुरुवार को करीब चार दर्जन जरूरतमंद परिवारों के बीच खाद्य सामग्री व रंग गुलाल का वितरण किया। बताया गया कि पहरा पंचायत के पांडेयटांड़ पहुंच कर जरूरतमंद लोगों के बीच रिफाइन,मैदा,सूजी,बेसन, चीनी सहित अन्य सामग्री व रंग गुलाल का वितरण किया। खाद्य सामग्री व रंग गुलाल पा कर जरूरतमंद लोगों के चेहरे पर खुशी दौड़ गई। उनके साथ होली मिलन समारोह आयोजित कर गुलाल लगाकर होली की अग्रिम बधाई भी दिया।

राजद के होली मिलन समारोह में पार्टी मजबूती का लिया संकल्प

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। राष्ट्रीय जनता दल ने गुरुवार को होली मिलन समारोह सह-सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप जलाकर राजद जिला अध्यक्ष राम प्रवेश यादव, युवा जिला अध्यक्ष दीपक यादव, मोहर सिंह यादव, भोला सिंह,देवांश यादव, उपाध्यक्ष रणजीत यादव सहित अन्य गणमान्य नेता और कार्यकर्ता ने किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भोजपुरी कलाकार अखिलेश तिवारी रहे, जिन्होंने अपनी सुमधुर प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। राजद कार्यकर्ताओं ने एकजुटता का संदेश देते हुए पार्टी को मजबूत करने का संकल्प लिया। मौके पर नगर मंडल अध्यक्ष प्रवीण दास, बलराम यादव, महेंद्र यादव, रूपेश कुमार, पवन कुमार, धनराज यादव, आदित्य यादव, निर्मल कुमार, रामनरेश कुमार, मनोज यादव, संतोष यादव, प्रदीप यादव, सिकंदर कुमार, विष्णु देव कुमार, चिंटू कुमार, चिंगी यादव, लाल बिहारी यादव, सुरेंद्र कुमार मंडल सहित कई अन्य कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।कार्यक्रम के दौरान पार्टी नेताओं ने संगठन की मजबूती, सामाजिक समरसता और विकास के मुद्दों पर विचार साझा किए। संगीतमय प्रस्तुतियों के साथ यह आयोजन यादगार बन गया।

होली को लेकर पुलिस ने शहर में निकाला फ्लैग मार्च

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। पुलिस अधीक्षक लातेहार के निर्देश पर होली त्योहार में विधि व्यवस्था संधारण के लिए गुरुवार को चंदवा पुलिस ने शहर में फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैग मार्च का नेतृत्व बीडीओ चंदन प्रसाद व पुलिस इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी रंधीर कुमार सिंह,अंचलाधिकारी जयशंकर पाठक संयुक्त रूप से कर रहे थे। फ्लैग मार्च थाना परिसर से निकल कर मेन रोड होते हुए धोबीटोला,तिलैयाटांड़,कंचननगरी ,सुभाष चौक होते हुए पुनः थाना परिसर पहुंची। फ्लैग मार्च के माध्यम से लोगों को यह संदेश दिया गया कि पर्व त्योहार पर किसी प्रकार की अप्रिय घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दें। किसी भी परिस्थिति में कानून अपने हाथ में न लें। शांति व्यवस्था को भंग करने वाले को किसी भी कीमत पर बक्शा नहीं जायेगा। इस दौरान ड्रिंक एन ड्राइव को लेकर भी अभियान चलाया गया। सड़क पर चल रहे वाहन चालकों की माउथ जांच की गई। साथ ही उन्हें निर्देश दिया गया कि नशा करके वाहन न चलायें। फ्लैग मार्च में पुलिस बल के दर्जनों जवान शामिल थे।

शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने को लेकर पुलिस ने निकला फ्लैग मार्च

महुआडांड़। प्रखंड में होली त्योहार को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने के लिए पुलिस ने गुरूवार शाम को डीएसपी शिवपूजन बहेलिया के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला। इस दौरान सीओ सह बीडीओ संतोष बैठा साथ थे। फ्लैग मार्च थाना से शुरू होकर शास्त्री चौक, गांधी चौक, डीपाटोली, रामपुर, बिरसा चौक समेत कई प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा। इस दौरान पुलिस बल ने लोगों से होली को सद्भावना के साथ मनाने की अपील की। डीएसपी ने कहा कि होली रंगों और खुशियों का त्योहार है। इसे आपसी प्रेम और भाईचारे के साथ मनाया जाना चाहिए। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की। संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने को कहा। फ्लैग मार्च में थाना प्रभारी इन्द्रदेव राजवार, पुलिस जवान, आईआरबी के जवान शामिल थे।

हाथियों ने किया घर ध्वस्त, जानवर को कुचला

नवीन मेल संवाददाता

सिमरिया (चतरा)। सिमरिया प्रखंड के टुटीलावा के बंधिया टोला में बुधवार रात हाथियों के झुंड ने जमकर उत्पात मचाया। झुंड ने चेतक उरांव का घर ध्वस्त कर दिया। साथ ही घर के बाहर बंधे सुअर को कुचल डाला। इसके अलावा घर में रखे खाने के समान के साथ खेत में लगे चने की फसल को रौंदकर बर्बाद कर दिया। चेतक उरांव ने बताया कि रात को खाना खाकर परिवार के लोग सो गये थे। आधी रात को हाथियों का झुंड आ धमका और उत्पात मचाना शुरू कर दिया। आहट सुनकर घर के लोगों को जगाया और किसी तरह जान बचाकर भागे। पास पड़ोस के लोगो को हो हल्ला कर जगाया। इसके बाद मशाल जलाकर व ढोल नगाड़े के साथ झुंड को भगाया। हाथियों के आने से लोग डरे सहमे हुए हैं। चेतक उरांव ने मुखिया विनोद महतो और वन विभाग को सूचना दिया। सूचना मिलने पर मुखिया पहुंचे और हाथियों द्वारा किए गए नुकसान का आकलन किया। मुखिया ने वन विभाग से भुक्तभोगी परिवार को हाथियों द्वारा किये गये नुकसान की क्षतिपूर्ति मुआवजा देने के साथ हाथियों को दूसरे जंगल में भगाने की मांग की है।

50 भक्तों ने गायत्री मंत्र की दीक्षा ली

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ। अखिल विश्व गायत्री परिवार शेरेगड़ा द्वारा आयोजित चार दिवसीय 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ व पावन प्रज्ञा पुराण कथा के चौथे और अंतिम दिन सुबह आठ बजे से गायत्री महायज्ञ कराया गया। जिसमें सैकड़ों भक्तों ने आहूति दी। देव पूजन किया। गुरुदेव की चरणों की वंदना की। हरिद्वार से आये वरिष्ठ प्रज्ञा पुत्र गणेश चन्द्रवंशी ने यज्ञोपवित संस्कार, पुशंवन, नामकरण व विद्या आरंभ संस्कार कराया। श्री चंद्रवंशी के आचार्यत्व में 50 भक्तों ने गायत्री मंत्र की दीक्षा ली। गायत्री परिवार से जुड़े भक्तों ने अच्छे कर्म करने व बुराई से बचने का संकल्प लिया। साथ ही अपने मुहल्ले एवं आस पास के वातावरण को साफ सुथरा रखने और दूसरों को भी ऐसा करने का आह्वान परिवार के सदस्यों ने किया। टोली को विदाई देने के साथ यज्ञ का समापन हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में अखिल विश्व गायत्री परिवार प्रज्ञामंडल बालूमाथ से संतोष कुमार

सिन्हा,कृष्णाकांत गुप्ता, ईश्वर लाल,प्रेम कुमार शर्मा,महानंद कुशवाहा, रंजीत यादव, चंद्र मोहन यादव संदीप गुप्ता,देवेंद्र प्रसाद, सुनील राणा, रविंद्र ठाकुर, बलकेश यादव, जितेंद्र प्रसाद , चंदवा गायत्री शक्तिपीठ से जुली देवी, सविता साहु, सरस्वती देवी,सुनिता देवी, अनिता देवी,सारिका देवी, रंजीत कुमार,आलोक चौरसिया,यदु प्रजापति, प्रभात गुप्ता, रतनलाल अग्रवाल,अखिल विश्व गायत्री शाखा लातेहार दिलेश्वर यादव,रुप से मौजूद थे।

होली को लेकर बाजार गुलजार, पुलिस सक्रिय

बालूमाथ। रंगों की त्योहार होली को लेकर बालूमाथ शहरी क्षेत्र से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में काफी उत्साह देख जा रहा है। लोग होली मिलन समारोह करते देखे जा रहे हैं। होली की खरीदारी लोग जमकर किए। बाजार में काफी भीड़ देखी जा रही है। खास तौर पर रंग गुलाल, कपड़े आदि दुकानों में लोग अपने जरूरत के सामान खरीदते देखे जा रहे हैं। बता दें कि होली पर्व शांतिपूर्ण मनाई जाए इसे लेकर बालूमाथ पुलिस प्रशासन काफी सक्रिय है। प्रखंड क्षेत्र में जगह-जगह पर पुलिस पेट्रोलिंग पार्टी का मूवमेंट देखी जा रही है। विभिन्न चौक चौराहों पर भी पुलिस बल तैनात किए गए हैं। बालूमाथ अंचलाधिकारी विजय कुमार, थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार, बीडीओ सोमा उरांव ने कहा कि होली त्योहार लोग शांतिपूर्ण और आपसी भाईचारा के साथ मनाएं।

युवा निगरानी समिति का होली मिलन समारोह

कान्हाचट्टी (चतरा)। चतरा जिला अंतर्गत कान्हाचट्टी प्रखंड के तुलबुल पंचायत में युवा निगरानी समिति के सदस्यों द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी धूमधाम से युवा निगरानी समिति कदंरी बुध बाजार पर में आयोजित समारोह में युवा निगरानी समिति के संचालक नरेश कुमार पासवान एवं युवा अध्यक्ष सिकंदर सिंह खरवार ने होली में भाईचारे के रिश्ते एवं सभी गिले शिकवे को भूलते हुए होली मनाने की अपील की। कहा की होली हिंदुओं का एक पवित्र और महत्वपूर्ण त्यौहार है। मौके पर युवा निगरानी समिति के सदस्य नरेंद्र कुमार ठाकुर, संतोष यादव, उदय चौबे, हीरामन भारती, धनेश्वर यादव, राजू सिंह नकुल कुमार, यादव महेंद्र, यादव अर्जुन यादव, इंद्रदेव ठाकुर योगेंद्र यादव, गंगो शर्मा, राजेंद्र यादव, आकाश रजक, राजदेव यादव, पिंटू यादव, मनोज यादव आदि शामिल थे।

होली को लेकर पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

बारियातू। अंचलाधिकारी नंद कुमार राम व थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार सिंह ने गुरुवार फ्लैग मार्च निकाला। अंचलाधिकारी नंद कुमार ने कहा कि होली व रमजान त्योहार शांतिपूर्ण व्यवस्था के साथ मनाने को लेकर बरछिया, बारियातू, फूलसु मोड़, होते हुए प्रखंड के चौक सहित सभी नौ पंचायत में फ्लैग मार्च निकाला गया। सीओ के साथ थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार ने दलबल के साथ पैदल मार्च निकाला। सीओ और थानेदार ने टोटी, फूलसु, साल्वे, डाढ़ा, बालूभांग, सिबला, गोनिया बारियातू अमरवाडीह, सभी नौ पंचायतो मे बाइक से भी भ्रमण कर मार्च किया।

ऑटो व बाइक की टक्कर में महिला घायल

पत्थलगड़ा (चतरा)। पत्थलगड़ा थाना क्षेत्र के नोनगांव में बीते देर संध्या ऑटो रिक्शा पर सवार वृद्ध महिला को दो पहिया वाहन ने टक्कर मार देने से ऑटो रिक्शा पर सवार महिला का घटना स्थल पर पैर कटकर अलग हो गया। ऑटो पर सवार लोगों ने बताया की शाम होने के कारण शराब के नशे में नागेश्वर साव अपने बाइक से पत्थलगड़ा की ओर जा रहा था, जबकि पत्थलगड़ा साप्ताहिक बाजार से ऑटो रिक्शा नोनगांव बस्ती की तरफ जा रहा था। उसी दौरान दो पहिया सवार हड़बड़ी में महिला के पैर में टक्कर मार दिया। मिली जानकारी के अनुसार घटना नोनगांव राणा मुहल्ला के पास हुई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे घायल महिला मुनिया देवी 65 वर्ष पति नन्हक प्रजापति को इलाज के लिए सदर अस्पताल हजारीबाग ले जाकर भर्ती कराया। वहां से महिला को रांची रिम्स रेफर कर दिया गया है। घटना की जानकारी स्थानीय थाने को महिला के परिजनों द्वारा लिखित आवेदन देकर की गई है। थाना प्रभारी आलोक रंजन चौधरी ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है, दोषी की तलाश की जा रही है।

उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक ने होली व ईद को लेकर की संयुक्त बैठक

सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कारवाई की जाएगी : उपायुक्त

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। होली व ईद के अवसर पर सुरक्षा व्यवस्था व विधि व्यवस्था संधारण के उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता, पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव की अध्यक्षता में जिले के सभी थाना प्रभारी व पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक कर निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने जिला, अनुमंडल, प्रखंड स्तर के अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में एक्टिव रहने का निर्देश दिया, ताकि सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्योहार मनाया जा सकें। उपायुक्त द्वारा अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सभी थाना प्रभारी, पुलिस निरीक्षक, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी को निर्देश दिया गया कि इस वर्ष होली का त्यौहार 13 से 15 मार्च तक मनाया जायेगा। ऐसे में अपने-अपने क्षेत्रों में होली के अवसर पर शांति व्यवस्था व साम्प्रदायिक सद्भावना

बनाये रखने का एहतियाय बरतने व विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि त्योहार के दौरान यदि किसी शरारती तत्व द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाह फैलाने की कोशिश की गई, तो उसके विरुद्ध कड़ी कारवाई की जाएगी। उन्होंने होली पर असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखने का निर्देश दिया। बैठक में पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने आगामी त्यौहार के दौरान विधि व्यवस्था संधारण हेतु सभी थाना स्तर पर सभी आवश्यक तैयारी रखने का निर्देश दिया। उन्होने सभी थाना प्रभारी को सख्त निर्देशित किया कि विधि व्यवस्था को हर हाल में कायम करने के लिए सभी पुलिस पदाधिकारियों को अपने अपने थाना क्षेत्रों में गश्ती तेज करना है। सभी पदाधिकारियों को अलर्ट रहना है। साथ ही त्योहारों के दौरान माहौल बिगाड़ने का प्रयास करने वाले असामाजिक तत्वों के साथ सख्ती से पेश आने का निर्देश दिया। वैसे लोगों की पहचान कर एक लिस्ट बनाए और उस पर नजर रखी जाए।

बैठक में पुलिस अधीक्षक ने सभी संवेदनशील स्थलों की लगातार निगरानी रखने और उपद्रवियों से निपटने के लिए कारगर कदम उठाते हुए विधि-व्यवस्था को हर हाल में चुस्त-दुरुस्त बनाए रखने पर जोर दिया। इस दौरान उन्होंने किसी प्रकार की भी छोटी से छोटी घटनाओं की सूचना तत्काल पुलिस अधीक्षक व उपायुक्त को देने की बात कही। किसी भी प्रकार की सहायता के लिए या आपात स्थिति में सूचना देने के लिए जिले स्तर पर 24 घंटे कार्यरत कंट्रोल रूम नंबर 06565, 247981 पर अथवा कंट्रोल रूम के मोबाइल नंबर 08987796308 पर कॉल कर सूचना को साझा किया जा सकता है। साथ ही साईबर सेल के मोबाइल नंबर 6206159795 पर अथवा 112 पर कॉल कर सूचना साझा कर सकते हैं। बैठक में अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार, अनुमंडल पदाधिकारी महुआडांड़, प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय शाखा, सभी प्रखण्डों के प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, पुलिस पदाधिकारी व थाना प्रभारी उपस्थित थे।

चालीसा काल को लेकर चर्च में तीन दिवसीय विनती उपवास

नवीन मेल संवाददाता

महुआडांड़। संत जोसेफ बड़े चर्च में चालीसा काल को लेकर तीन दिवसीय विशेष विनती उपवास का आयोजन अगस्तुस गुड़िया और उनकी टीम रांची से किया जा रहा है। पहले दिन महुआडांड़ पारिस सहित कई अन्य अलग-अलग पारिस से ईसाई समुदाय के महिला, युवक-युवती ने विनती प्रर्थाना में भाग लिया। इस पवित्र महीने में अपने आत्मा की शांति के साथ परिवार समाज और मृत जनों के लिए विशेष प्रर्थाना किया जाता है। यीशु के मरण काल के दुःख को याद कर मसीह लोग प्रर्थाना करते है। कार्यक्रम में पल्ली पुरोहित फादर सुरेश किंडो,कैथलिक सभा अध्यक्ष फुलदेव खलखो ,सचिव विक्रम मिंज, उपाध्यक्ष अजय एक्का, कोषाध्यक्ष रोलेन टोप्पो, उपसचिव अरविंद कुजूर, महिला संघ अध्यक्ष रंजिता एक्का, उपाध्यक्ष दीप्ती, सचिव नीलम शालिनी एक्का, हेड प्रचार आनंद टोप्पो कैथलिक सभा और महिला संघ के सदस्य मौजूद थे।

मुखिया संघ के होली मिलन समारोह का हुआ आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

भंडरा। प्रखंड के मुखिया संघ द्वारा बुधवार को होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया । प्रखंड मुख्यालय के समीप परिसर में बुधवार को आयोजित इस केशरिया होली महोत्सव कार्यक्रम का उद्घाटन मुखिया संघ के प्रखंड अध्यक्ष परमेश्वर महली द्वारा किया गया। होली मिलन मे प्रखंड के सभी मुखिया सहित अन्य ग्रामीणों ने भाग लिया। इसके पूर्व झारखंड के मिट्टी की महक से पूरी महफिल सज गई थी। गीत संगीत व गंवई होली गीतों पर लोग झूमते नजर आए। मुखिया परमेश्वर महली ने मौके में मौजूद सभी लोगों को अबीर गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी तथा लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह पर्व हिन्दुओं का होने के बावजूद हमारे इलाके के मुस्लिम भाइयों ने जो सहभागिता इसमें दिखाई है वह आपसी सौहार्द की एक मिसाल है। यह पर्व बुराइयों को दूर करने का कार्य करता है। होलिका दहन के बाद घरों में अच्छाई का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होने कहा कि यह परंपरा निरंतर जीवित रहेगी। लोगों के साथ मंच पर फाग गीत होली खेल रघुबीरा अवध में, होली खेले रघुबीरा। ब्रज में उड़ेला गुलाल ।अवध में होरी खेले जाए आदि गीतों से पूरी महफिल में समां बंध गया। बंगला में उड़ेला गुलाल हो, एहीं ठइयां आदि होली गीतों से प्रखंड के मुखिया व अन्य ग्रामीण झूम उठे। इस मौके पर मुखिया सुमित उरांव, टेले उरांव, बब्लू उरांव, दिलीप साहू, राजेश गुप्ता, अनिल साहू, कुलदीप कच्छप, सोनू कुमार, बसुदेव उरांव सहित अन्य लोग मौजूद थे।

लोहरदगा में इस बार हर्बल वाली होली !

- *जेएसएलपीएस की महिलाएं तैयार कर रही प्राकृतिक रंग व गुलाल*
- *फूल और सब्जी से तैयार हर्बल गुलाल और रंग की बढ़ी मांग*

राहुल कौशल

लोहरदगा। लोहरदगा में इस बार की होली बेहद ही खास होने वाली है। इस बार हर्बल होली की तैयारी महिलाओं ने किया है. हर्बल होली के लिए प्राकृतिक चीजों से रंग और गुलाल को तैयार किया जा रहा है। जेएसएलपीएस की महिलाओं के द्वारा हर्बल होली के लिए तैयार किया जा रहा गुलाल और रंग से इस बार लोग होली का त्यौहार मनाएंगे। रंग को तैयार करने में एक महिलाओं की टीम लगी हुई है।यह रंग पलाश, गेंदा, चुकंदर, आरारोट, हल्दी से तैयार किया जा रहा है। महिलाओं की टीम अब तक पांच क्विंटल हर्बल रंग और गुलाल को तैयार कर चुकी है जबकि ढाई से तीन क्विंटल की बिक्री हो चुकी है। होली तक और तीन क्विंटल हर्बल रंग और गुलाल तैयार करने की योजना है। हर्बल रंग और गुलाल को तैयार करने के लिए महिलाओं को सबसे पहले ट्रेनिंग दी गई है। ट्रेनिंग लेने वाली सभी महिलाएं जेएसएलपीएस के स्वयं सहायता समूह से जुड़ी हुई हैं। लोहरदगा जिला के जुरिया ग्राम के महिला समूह द्वारा तैयार किया जा रहा है। तैयार कर इसे लोहरदगा जिला के सातों प्रखंड में महिला समूह के द्वारा बिक्री किया जा रहा है। बताया गया कि विभिन्न प्राकृतिक चीजों से हर्बल रंग और गुलाल को तैयार किया जाता हैं। जिससे कोई नुकसान नहीं होता है। हर्बल रंग को तैयार करने से कई महिलाओं को रोजगार मिला है। प्रत्यक्ष रूप से रंग के उत्पादन में दर्जनों महिलाएं जुड़ी हैं।

हर घर तक हर्बल गुलाल और रंग पहुंचाने का है लक्ष्य : डीपीएम

हर्बल रंग और गुलाल को हर घर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। लोहरदगा के विभिन्न इलाकों में कई स्टॉल लगाए गए हैं, ताकि हर्बल रंग और गुलाल की बिक्री हो सके। जेएसएलपीएस के डीपीएम संजय गुप्ता ने बताया कि पलाश लोहरदगा के सहयोग से लोहरदगा की ग्रामीण महिलाएं अपना हुनर दिखाते हुए प्राकृतिक हर्बल गुलाल इस बार होली में बिक्री हेतु तैयार कर रही है। रांची जिला के शहरी क्षेत्र में पलाश मार्ट के थ्रू लगभग दो से ढाई कुंटल गुलाल की बिक्री की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि हर घर तक हर्बल रंग और गुलाल पहुंचने का लक्ष्य है। सभी जगह स्टॉल लगाए गए हैं। वहीं लोगों से अपील भी की जा रही है कि लोग हर्बल रंग और गुलाल का इस्तेमाल करें।

500 ग्राम हर्बल रंग और गुलाल को तैयार करने की विधि

हर्बल रंग और गुलाल तैयार करने के लिए अलग-अलग प्राकृतिक चीजों की जरूरत पड़ती है। लोहरदगा में पलाश, गेंदा का फूल, चुकंदर, पालक, नीम पता, आरारोट, टेलकम पाउडर, गुलाब का फूल, हल्दी पाउडर की जरूरत होती है। 500 ग्राम हर्बल रंग और गुलाल को तैयार करने के लिए 150 ग्राम पलाश का फूल, 250 ग्राम आरारोट, टेलकम 250 ग्राम, 200 ग्राम चुकंदर, 100 ग्राम गुलाब के फूल, 50 ग्राम नीम के पत्ते की जरूरत होती है। पलाश के सूखे हुए पत्ते से पंखुड़ी को निकाल देना है। इसी में चुकंदर के छोटे-छोटे टुकड़े कर के मिक्स किया जाता है और इसी अंदाज के अनुसार पानी को उबाला जाता है। आरारोट, टेलकम, पलाश के फूल, सुखी गुलाब के पते, नीम के पत्ते को आपस में मिलाकर पाउडर तैयार किया जाता है। पाउडर को उबले हुए पानी में डाल कर उसे सूखने दिया जाता है। सूखने के बाद हर्बल रंग और गुलाल तैयार हो जाता है। रंग बदलने के हिसाब से पीला रंग और गुलाल तैयार करने के लिए चुकंदर की जगह गेंदा के फूल का इस्तेमाल किया जाता है।

होली को लेकर पुलिस प्रशासन ने निकाला फ्लैग मार्च

होली त्योहार को सौहार्द से मनाने की अपील

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। रंगों का त्योहार होली को लेकर जिले से लेकर प्रखंड स्तर पर पुलिस प्रशासन के जवानों ने फ्लैग मार्च निकाला। इस दौरान लोगो से होली का त्योहार शांति व सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की गई। पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने मार्च पास्ट के माध्यम से त्योहार के दौरान क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाये रखने की अपील की। इधर सदर थाना क्षेत्र में एसडीओ अमित कुमार की अगुवाई में फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च सदर थाना परिसर से शुरू होकर शहर के विभिन्न मार्गों का परिभ्रमण करते हुए सदर थाना परिसर में पहुचा। एसडीओ अमित कुमार, एसडीपीओ श्रद्धा केरकेट्टा, सीओ सदर श्री आशुतोष, सदर थाना प्रभारी रत्नेश मोहन ठाकुर समेत सदर थाना के पुलिस के जवान मौजूद थे। वही सेन्हा और सेरेंगहातु में भी फ्लैग मार्च निकाला गया। वही पहले फ्लैग मार्च सेन्हा थाना के समीप से मुख्य पथ होते हुए अमन चौक, जगरनाथ मंदिर चौक, गौसिया मस्जिद चौक, सेन्हा डीपू तक गया। सारेंगहातू में भी फ्लैग मार्च निकाल कर लोगों को शांति व सौहार्द से मिल जुल कर होली और अन्य पर्व त्यौहार मनाने के लिये आम जनों से अपील किया गया। साथ ही प्रशासन द्वारा अफवाह फैलाने वाले उपद्रवियों से निपटने के लिए शक्ति प्रदर्शन भी दिखाया गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी संग्राम मुर्मु और अंचलाधिकारी मोदस्सर नजर मंसूरी ने कहा कि शांति के साथ एकता देश की पहचान है। असमाजिक तत्वों और उपद्रवियों को पहचान करते हुए होली से पहले पुलिस और प्रखंड प्रशासन को सूचना दें। वही सभी लोगों को रंगों का त्यौहार होली का शुभकामना दिया गया। मौके पर बीडीओ संग्राम मुर्मु, सीओ मो मुदस्सर नजर मंसूरी, थाना प्रभारी वारिश हुसैन के अलावे एस आई अविनाश राम,ए एस आई अल्बिना लकड़ा समेत अन्य उपस्थित थे।

अग्रवाल सभा का होली मिलन समारोह आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। अग्रवाल सभा लोहरदगा द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह एक भव्य और हर्षोल्लास भरे कार्यक्रम के रूप में सामने आया। इस समारोह में अग्रवाल समाज के कई प्रतिष्ठित सदस्य उपस्थित थे। जिनमें चंद्रशेखर प्रसाद, अजय मित्तल, अनिल अग्रवाल, और कई अन्य शामिल थे। कार्यक्रम की शुरूआत महाराजा अग्रसेन, माता महालक्ष्मी, श्री गणेश के सामने दीप प्रज्ज्वलित करने के साथ हुई। जिसकी अगुवाई समिति के पदाधिकारियों ने की। इसके बाद, पुरुषों ने एक दूसरे को गुलाब और अबीर लगाकर होली की शुभकामनाएं और बधाई दी। यह समारोह अग्रवाल समाज के लोगों के लिए एक आनंदमयी और सामाजिक अवसर के रूप में साबित हुआ। मौके पर परमानंद अग्रवाल, राजेश अग्रवाल(टिंकू), अनीश मित्तल, अभय अग्रवाल, अरविंद अग्रवाल, लवकुश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल(गुड्डू), कुमार निरव अग्रवाल, लवकुश अग्रवाल, विकास अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल , उमाकांत अग्रवाल(पप्पू) समेत समाज के लोग उपस्थित थे।

तेली समाज का होली मिलन समारोह आयोजित

समाज के बीच आपसी सद्भावना बनाना उद्देश्य : प्रो शिव दयाल साहू

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदग्गा। छोटा नागपुरिया तेली उत्थान समाज के तत्वाधान में होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। जिसमे उपस्थित समाज के लोगों ने एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर होली मिलन की शुरूवाशुरूआत की व बधाई दी। समाज के संरक्षक सह कोर कमेटी के संयोजक प्रो शिव दयाल साहू ने कहा कि होली रंगों त्योहार है। जो बुराई पर अच्छाइयों की जीत का प्रतीक है। इसे प्रेम पूर्वक मनाया जाना चाहिए। अबीर गुलाल लगाकर सामाजिक एकता मित्रता के साथ धूम धाम के साथ मनाया जाना चाहिए। कार्यवाहक अध्यक्ष मनोज साहू ने बताया कि होली पर्व में आपसी द्वेष को

भूलकर होली में रंगों में सरोबार होना चाहिए।

समारोह को लखपति साहू, सत्यनारायण साहू, मुन्ना साहू, बलराम साहू, सोहन साहू, अजय कुमार मधुर आदि ने भी संबोधित किया। कहा कि होली मिलन समारोह तेली समाज की एकता का प्रतीक है। समारोह में रामबिलास साहू, मुकेश साहू, बजरंग साहू, हीरालाल साहू, तेजी साहू, अरुण साहू, दीपक साहू, अभिसेक गुप्ता, सोहन साहु, अशोक साहू, विदेशी साहू, सुरेंदर साहू, लखन साहू, रोहित साहू, लखी साहू, प्रसंत साहू, दीपेश्वर साहू, सरिता देवी, बिरासमुनि देवी, प्रतिमा देवी समेत अन्य उपस्थित थे।

गरीब बच्चों के बीच नारी सम्मान ग्रुप ने बांटा अबीर गुलाल, पिचकारी रंग

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। शहर के नारी सम्मान ग्रुप ने अपने नाम को सार्थक करते हुए असहाय और जरूरतमंद ग्रामीण के बच्चों को सम्मानित जीवन व्यक्ति करने में सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में इस ग्रुप में सदर प्रखंड के कुटुमू गांव में जाकर गरीब और आसक्त बच्चों एवं बच्चियों के बीच रंग , गुलाल , पिचकारी, मुखौटा एवं मिठाई का वितरण किया। नारी सम्मान ग्रुप की नई पहल रही होली प्रेम एवं खुशियों का प्रतीक है होली सनातन संस्कृति के प्रेम की पहचान और खुशियों का पर्व है गरीब बच्चों की एक अलग ही लालसा होती है जो देखने को मिलता है बच्चों के साथ समय विताकर उनके चेहरे में खुशी एवं मुस्कान लाने का प्रयास किया जो सभी बच्चे बहुत खुश एवं उत्साहित नजर आए हम सभी सदस्यों ने यह प्रयास किया और सभी मिलकर यह कार्य किया जो उनके चेहरे पर मुस्कान लाई जा सके ।इस अवसर पर नारी सम्मान की रचना रॉय, अर्चना गुप्ता रिमझिम पांडे मंजू सोनी मुक्ता पांडे संगीता गुप्ता रचना पाठक नीलम देवी एवं गांव की महिलाएं सहित उपस्थित थे।

होली को लेकर अलर्ट मोड में लोहरदगा पुलिस

अनहोनी से निपटने की तैयारी, मॉक ड्रिल का अभ्यास हुआ

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। होली पर्व को लेकर लोहरदगा पुलिस प्रशासन पूरी तरह से सतर्क और सजग है। एसपी हारिस बिन जमां ने कहा कहा है कि होली को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट पर है और किसी भी अनहोनी से निपटने के लिए तैयार है। एसपी ने होली को लेकर सख्त संदेश दिया है कि असामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई होगी। एसपी ने जिले वासियों से शांति और सौहार्द के साथ होली मनाने की अपील की, साथ ही उपद्रवी तत्वों को सख्त चेतावनी दी कि किसी भी गड़बड़ी पर तुरंत कार्रवाई होगी। एसपी ने कहा कि होली भाईचारे और खुशियों का पर्व है, लेकिन अगर किसी ने माहौल खराब करने की कोशिश की, तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। उपद्रवी तत्वों पर कड़ी नजर रखी जा रही है और किसी भी तरह की गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होगी। इधर होली पर्व को लेकर किसी भी अनहोनी से निपटने के लिए पुलिस-प्रशासन पूरी तरह से

तैयार है। एसपी ने कहा कि संवेदनशील इलाकों में विशेष पुलिस बल तैनात किया गया है। सीसीटीवी और ड्रोन कैमरों से निगरानी की जा रही है। इंटरनेट मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट पर पुलिस की कड़ी नजर रहेगी। अराजकता फैलाने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इधर लोहरदगा पुलिस लाइन में डीएसपी समीर कुमार तिर्की की अगुवाई में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल कर पुलिस के जवानों ने लोगों को सुरक्षा का एहसास कराया। मौके पर डीएसपी समीर कुमार तिर्की ने कहा कि पुलिस हर परिस्थिति के लिए तैयार है और किसी भी तरह की अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में होली का त्योहार मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जिले में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस द्वारा मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया।, जिसमें सुरक्षा बलों ने आपात स्थितियों से निपटने की तैयारियों का प्रदर्शन किया। डीएसपी की अगुवाई में हुई इस ड्रिल में पुलिसकर्मियों ने भीड़ नियंत्रण, पथराव, आगजनी और उपद्रव जैसी संभावित घटनाओं से निपटने का पूर्वाभ्यास किया। मॉक ड्रिल में पुलिस बल ने अपनी रणनीति और त्वरित कार्रवाई की क्षमता का प्रदर्शन किया। होली पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के बीच प्रशासन का उद्देश्य है कि यह पर्व सभी के लिए यादगार और सुरक्षित बना रहे। मौके पर डीएसपी समीर कुमार तिर्की, सार्जेंट मेजर शेरू कुमार रंजन, सार्जेंट मुकेश कुमार, विवेक कुमार समेत अन्य उपस्थित थे।

ब्लूमिंग बड्र्स में बच्चों के साथ शिक्षकों ने मनाया होली उत्सव

लोहरदगा। लोहरदगा के रियाडा के पीछे एकागुड़ी स्थित ब्लूमिंग बड्र्स पब्लिक स्कूल लोहरदगा में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम विद्यालय के संचालक मुकेश कुमार गुप्ता एवं प्रधानाचार्या शोभा रानी साहू ने सभी बच्चों , शिक्षक शिक्षिकाओं एवं विद्यालय के सहकर्मचारीयों को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी । विद्यालय के संचालक मुकेश कुमार गुप्ता ने होलिका दहन से जुड़ी प्राचीन कथा के साथ-साथ यह बताया कि होली का त्यौहार एकता का त्यौहार है।

मथुरा के लठ मार होली की तरह लोहरदगा में प्रसिद्ध है बरही का ढेला मार होली

सेन्हा के बरही में लोग रंगों से नही बल्कि ढेला मारकर खेलते हैं होली

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। सेन्हा प्रखंड के बरही चटकपुर गांव में ढेला मार होली पूरे जिले ही नही वरण सम्पूर्ण राज्य भर में प्रसिद्ध है। बुद्धिजीवियों का कहना है कि साल संवत काटने के दूसरे दिन लोग धर्म के प्रति आस्था के साथ खुटा उखाड़ने जाते हैं। इस समय लोगों के द्वारा खूंटा उखाड़ने वाले को ढेला से मारा जाता है। जिसे दूसरे शब्द में कहा जाए तो असत्य पर सत्य का विजय हो ऐसा लोगों का मानना है। जिसे देखने के लिए जिले के अलावा विभिन्नि क्षेत्रों से ग्रामीण पहुंचते हैं। चौकाने की बात यह है कि इस ढेला मार होली में मुस्लिम समुदाय के लोग भी खुटा उखाड़ने के लिये दौड़ते है। ज्ञात हो की जिस तरह मथुरा में लठ मार होली प्रसिद्ध है, राजस्थान के कुछ क्षेत्रों में पत्थर मार होली प्रसिद्ध है उसी तरह लोहरदगा जिला के सेन्हा प्रखण्ड स्थित बरही चटकपुर में ढेला मार होली प्रसिद्ध है। गांव के बुजुर्गों का मानना है कि ढेला मार

होली को दूसरे गांव से आए लोग देख सकते है पर इस खेल में हिस्सा नहीं ले सकते है। अगर इस परंपरा में शामिल होते हैं तो उनके साथ अप्रिय घटना होती है। यहां सभी मिलकर भाईचारे के साथ ढेला मार होली को मनाते है। यहां ढेला मार होली खेली जाती है। गांव के लोग वर्षों से इस परंपरा को निभाते आ रहे हैं। इसे देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। इस वर्ष भी परंपरा का निवर्हन किया गया। यहां परंपरागत रूप से ढेला मार (पत्थर फेंककर) होली का आयोजन किया जाता है। लोग परंपरा निर्वहन करते हुए होली का आनंद लेते हैं। मान्यता है कि पत्थर से लोगों को चोट नहीं लगती। जो पत्थर मारने के बावजूद बिना डरे खंभे को उखाड़ कर देवी मण्डप के पीछे फेंकता है, उसे सुख शांति और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। लोगों के मुताबिक इस परंपरा को निभाने और प्रतियोगिता में शामिल होने को लेकर लोगों में उत्सुकता नजर आते है। हजारो की संख्या में लोग ढेला मार होली में भाग लेते हैं। इसे देखने को लेकर लोग दूर-दूर से आते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार पूर्वजों के समय से यहां ढेला मार होली खेली जाती है। यहां की होली पूरे राज्य में प्रसिद्ध है। ढेला मार होली सभी समुदाय के लोग मानते हैं।

दूसरे गांव के लोग नही हो सकते हैं शामिल

गांव के बुजुर्गों का मानना है कि ढेला मार होली में दूसरे गांव से आए लोग देख सकते हैं। इसमें हिस्सा नहीं ले सकते है। अगर ढेला मार होली में दूसरे गांव के लोग शामिल होते हैं तो उनके साथ अप्रिय घटना घट जाती है। इस गांव के दोनों समुदाय के लोगों के ढेला मार होली में शामिल होने पर उनके साथ किसी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं होती है।

नए दामाद होते है सम्मानित

प्रत्येक वर्ष की भांति इस साल भी ढेला मार होली को और बेहतर तरीके से मनाने के लिए बरही चटकपुर गांव के युवाओं में जोश है, जिसमे नए दामादो का भी स्वागत ढोल नगाड़ों के साथ अंग वस्त्र एवं पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया जाता है। इसके साथ ही पाहन पुजार महतो एवं मुश्लिम समाज के दामादो को भी सम्मानित किया जाता है।

सेन्हा में बिजली ऊर्जा चोरी मामले में आठ पर नामजद प्राथमिकी दर्ज

सेन्हा-लोहरदगा। बिजली ऊर्जा चोरी मामले में सहायक बिजली अभ्यन्ता के नेतृत्व में छापेमारी अभियान चला कर थाना क्षेत्र के झलजमीरा,डांडू और मेढो में 8 नामजद लोगों पर बिजली विभाग के सहायक अभियंता अजू कच्छप के आवेदन पर बिजली ऊर्जा चोरी मामले पर सनहा दर्ज किया गया। वही छापेमारी अभियान में झलजमीरा बड़काटोली निवासी स्व. एतवा उरांव का पुत्र रामदयाल उरांव और डांडू निवासी तजमुल अंसारी का पुत्र हफीजुल अंसारी, सहमुद अंसारी का पुत्र निजाम अंसारी,अली बक्श खान का पुत्र इदरीश खान तथा मुस्तकीम अंसारी का पुत्र रफिक अंसारी वही मेढो निवासी चरकु उरांव का पुत्र सुरेंद्र उरांव, स्व.एतवा उरांव का पुत्र संजय उरांव तथा ताजे उरांव का पुत्र सियाराम उरांव के विरुद्ध सेन्हा थाना में 12 मार्च को सेन्हा थाना कांड संख्या 30/25 भारतीय विद्युत अभिनियम 135, 137 के तहत मामला दर्ज कर अग्रतर करवाई किया जा रहा है। वही थाना प्रभारी वारिश हुसैन ने जानकारी देते हुए बताया कि बिजली ऊर्जा चोरी मामले में सहायक विद्युत अभियंता अजु कच्छप के लिखित आवेदन के आधार पर 8 नामजद के विरुद्ध सनहा दर्ज कर नियम संगत कानूनी करवाई किया जा रहा है।

होली मिलन समारोह का में बोले नितेश रंजन

होली रंगों और उत्साह का त्योहार

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। देवी मंडप रोड स्थित भास्कर एजुकेशनल एकेडमी स्कूल में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें शिक्षकों और स्टूडेंट्स ने एक-दूसरे को चंदन का टीका और अबीर गुलाल लगाकर होली पर्व की बधाई दी। शिक्षको ने सभी स्टूडेंट्स की मंगल कामना किया और जीवन मे सफलता का मूल मंत्र दिया। होली मिलन समारोह में विद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि जिस प्रकार के होली के रंग वातावरण को उल्लास और उत्साह से भरने के साथ खुशियां फैलाते हैं, उसी प्रकार हमें भी दूसरों के जीवन में खुशी के रंग भरने चाहिए। प्राचार्य ने कहा होली की सभी स्टूडेंट्स और शिक्षकों को बधाई दिया और आने वाले नववर्ष की शुभकामनाएँ दी। प्राचार्य नितेश रंजन भास्कर ने प्रकाश पांडेय, शशि भूषण गोस्वामी,आकांशा सिंह, नूतन सिंह, निशा कुमारी,सोनी कुमारी,सारिका साहू, किरण कुमारी,संध्या कच्छप, प्रियंका कुमारी,सुभद्रा देवी, दीपा देवी, सपना कुमारी, कविता पांडेय,ज्योति देवी,जूही कुमारी, और विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

होली पर्व की तैयारियां पूरी, इस बार दो दिन मनेगी रंगों की होली

नवीन मेल संवाददाता

भरनो (गुमला)। भरनो प्रखंड मुख्यालय सहित आसपास के गांवों में होली की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस बार खास बात यह है कि होली का उत्सव दो दिनों तक मनाया जाएगा। शुक्रवार और शनिवार को रंग-गुलाल से गांव और कस्बे रंगीन हो जाएंगे। भरनो बाजार में होली को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। दुकानों में रंग-बिरंगे गुलाल, आकर्षक डिजाइन की पिचकारी, रंगीन टोपी, मुखौटे, अबीर और फूलों की होली के सामानों की भरमार है। दुकानदारों ने भी इस बार ग्राहकों की पसंद को ध्यान में रखते हुए कई नई वैरायटी की पिचकारियां मंगवाई हैं, जिनमें कार्टून कैरेक्टर, सुपरहीरो और एनिमेशन थीम वाली पिचकारी बच्चों में खासा आकर्षण पैदा कर रही है।

ग्रामीण क्षेत्रों से भी लोग भरनो बाजार पहुंचकर जमकर खरीदारी कर रहे हैं। दुकानों पर सुबह से ही भीड़ देखी जा रही है। महिलाएं और बच्चे विशेष रूप से रंग और गुलाल खरीदने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। दुकानदारों के अनुसार, इस बार बाजार में प्राकृतिक और हर्बल गुलाल की भी अच्छी मांग है, जो त्वचा के लिए सुरक्षित बताए जा रहे हैं।

भरनो प्रखंड प्रशासन ने भी होली पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाए जाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां कर ली हैं। प्रखंड विकास पदाधिकारी और थाना प्रभारी की संयुक्त बैठक में शांति समिति का गठन कर ग्रामीणों से सौहार्द बनाए रखने की अपील की गई है। सुरक्षा के मद्देनजर मुख्य चौक-चौराहों पर पुलिस बल की तैनाती की जाएगी।

होली पर्व को लेकर क्षेत्र में उल्लास का माहौल है। बच्चे पिचकारी और रंगों के साथ होली खेलते नजर आ रहे हैं। युवाओं में भी होली के गीतों और नृत्य को लेकर उत्साह है। माना जा रहा है कि इस बार भरनो में होली का त्योहार पहले से ज्यादा रंगीन और उत्साहपूर्ण होगा।

महुआ शराब पर कार्रवाई होली व रमजान के मद्देनजर छापे, कई लीटर महुआ शराब नष्ट

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर। चैनपुर प्रखंड मुख्यालय में गुरुवार को थाना प्रभारी कुंदन चौधरी के नेतृत्व में महुआ शराब के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक गुमला, शंभू सिंह के निर्देश पर की गई, जिसका उद्देश्य होली और रमजान के दौरान क्षेत्र में शांति बनाए रखना था।चैनपुर थाने की टीम ने विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की, जिसमें पीपल चौक, बाजार रोड, और आनंदपुर शामिल थे। जैसे ही पुलिस ने छापेमारी की, शराब विक्रेताओं में हड़कंप मच गया। कई विक्रेता अपने घरों में ताला लगाकर भागने लगे। इस दौरान, कुछ विक्रेताओं ने घर में शादी का बहाना बनाकर बड़ी मात्रा में शराब छिपा रखी थी।छापामारी दल में थाना प्रभारी कुंदन चौधरी के अलावा एएसआई नन्दकिशोर कुमार, धर्मपाल संतोष लुगुन और अन्य जवान शामिल थे। टीम ने मौके पर ही जब्त की गई शराब को नष्ट कर दिया, जिससे क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार को रोकने में मदद मिली।स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना की है और इसे क्षेत्र में शांति बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आगे भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे ताकि समाज में अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण रखा जा सके। इस कार्रवाई ने यह साबित कर दिया है कि पुलिस प्रशासन गंभीरता से अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है, और क्षेत्र के लोगों की सुरक्षा और शांति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

रंगों में रंगा गुमला

होली की उमंग और उत्साह से सराबोर जनजीवन

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला में होली का उत्साह अपने चरम पर है। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक हर ओर रंगों की बौछार देखने को मिल रही है। बाजारों में होली की खरीदारी को लेकर गहमागहमी है, वहीं युवाओं की टोली रंग-गुलाल और ढोल-नगाड़ों के साथ गलियों में होली की मस्ती में डूबी नजर आ रही है। महिलाओं द्वारा पारंपरिक पकवानों की तैयारी शुरू हो गई है। घर-घर में गुझिया, गुलगुले, मालपुआ और ठंडई की खुशबू माहौल को और रंगीन बना रही है। इस बार गुमला में होली को लेकर विशेष आयोजन भी किए जा रहे हैं। जगह-जगह होली मिलन समारोह और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। युवाओं में सेल्फी लेने का जबरदस्त क्रेज दिख रहा है। वहीं बच्चों की टोली पिचकारी और रंगों से सराबोर होकर दोस्तों को रंगने में व्यस्त है।

सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद : होली को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। गुमला उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर मुख्य चौक-चौराहों पर पुलिस बल तैनात किए गए हैं। शांति समिति की बैठक में सभी समुदायों से सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने की अपील की गई है। किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न देने और असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने की हिदायत दी गई है।

बाजार में रंगों की रौनक : गुमला के बाजार रंग-बिरंगे गुलाल, पिचकारी, अबीर और होली के अन्य सामानों से पटे पड़े हैं। दुकानदारों के चेहरे पर भी रौनक साफ देखी जा सकती है। ग्राहक तरह-तरह के रंग, इको-फ्रेंडली गुलाल और हर्बल रंगों की खरीदारी में दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

धार्मिक और सांस्कृतिक पहलू : होली का पर्व सिर्फ रंगों का नहीं, बल्कि सामाजिक सौहार्द और भाईचारे का प्रतीक है। गुमला में होलिका दहन को लेकर भी तैयारियां अंतिम चरण में हैं। पारंपरिक विधि-विधान के साथ शुभ मुहूर्त में होलिका दहन किया जाएगा। इसके बाद रंगों का त्योहार धूमधाम से मनाया जाएगा।

नशा मुक्त होली की अपील : प्रशासन और समाजसेवी संगठनों की ओर से नशा मुक्त होली मनाने की अपील की गई है। युवाओं को जागरूक किया जा रहा है कि वे मद्यपान या अन्य किसी नशे का सेवन न करें और होली को प्रेम, भाईचारे और सौहार्द का प्रतीक बनाएं।

महिला दिवस पर आयोजित हुआ भव्य कार्यक्रम, बोली मंत्री नेहा तिर्की

चैनपुर अनुमंडल में लगेगा अनुमंडल स्तरीय कृषि मेला

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर। चैनपुर प्रखंड में आदिवासी एकता मंच के तत्वावधान में गुरुवार को महिला दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जिप सदस्य मेरी लकड़ा ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में मांडर विधायक एवं कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की और पूर्व मंत्री बंधु तिर्की उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आरंभ परमवीर अल्बर्ट एक्का की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ, जिसमें सभी अतिथियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद जेएसएलपीएस की दीदियों ने अतिथियों का स्वागत किया और मंच तक लाने का कार्य किया। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, पूर्व मंत्री बंधु तिर्की, एसडीओ पूर्णिमा कुमारी, एसडीपीओ ललित मीणा और जिप सदस्य मेरी लकड़ा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।इस अवसर पर गांव की महिलाओं ने आदिवासी वेशभूषा में मांदर की ताल पर नृत्य किया और स्वागत गान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में महिलाओं के सशक्तिकरण पर भी चर्चा की गई। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि चैनपुर एक अति पिछड़ा क्षेत्र है, जहां विकास का कोई उचित साधन नहीं है। उन्होंने वादा किया कि चैनपुर में अनुमंडल स्तरीय कृषि मेला आयोजित किया जाएगा, जिससे महिलाओं को कृषि के क्षेत्र में जानकारी मिलेगी। मंत्री ने सभी का धन्यवाद किया।पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने महिलाओं की भागीदारी पर जोर देते हुए कहा कि महिलाएं किसी से कम नहीं हैं। उन्होंने राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्रों में महिलाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं द्वारा खेलों का आयोजन किया गया और पुरस्कार वितरण भी किया गया। जिप सदस्य मेरी लकड़ा ने चैनपुर प्रखंड से आई महिलाओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि हम सभी एक हैं। कार्यक्रम का समापन आदिवासी एकता मंच के अध्यक्ष प्रमोद खलखो ने किया। सुरक्षा के मद्देनजर जगह-जगह पुलिस बल तैनात किया गया था। इस मौके पर चैनपुर एसडीओ पूर्णिमा कुमारी, एसडीपीओ ललित मीणा, बीडीओ यादव बैठा, सीओ दिनेश गुप्ता, थाना प्रभारी कुन्दन चौधरी, मुखिया शोभा देवी, मधुरा मिंज, प्रियंका असुर, बीपीएम बबिता बड़ाईक, प्रमुख ओलिभा कांता कुजूर, प्रमुख प्रमोद खलखो और अन्य कई गणमान्य लोग मौजूद थे।इस कार्यक्रम ने महिलाओं को सशक्त बनाने और उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

सिसई प्रखंड के सैंदा गांव में जमीन कब्जा मामले पर ग्रामीणों का हंगामा

अंचल कार्यालय में दिया धरना

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। सिसई प्रखंड के शिवनाथपुर पंचायत अंतर्गत ग्राम सैंदा में आठ एकड़ गैरमजरुआ जमीन पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। आरोप है कि ग्राम जन्ना जिडिंगा निवासी जुएल बाड़ा और उनकी पत्नी, जो आरसी मिशन विद्यालय सैंदा में शिक्षिका थीं, ने वर्ष 2008 में खाता संख्या 99, प्लॉट संख्या 774 की जमीन पर फर्जी तरीके से बंदोबस्ती करा ली थी। यह मामला सामने आने के बाद उपायुक्त गुमला के निर्देश पर जांच कर बंदोबस्ती को रद्द कर दिया गया। दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल ने भी रद्दीकरण पर सहमति दी। इसके बावजूद ग्रामीणों का आरोप है कि स्थानीय प्रशासन उन्हें यह कहकर गुमराह कर रहा है कि मामला हाईकोर्ट में लंबित है। इसी के विरोध में सैंदा गांव के ग्रामीण बड़ी संख्या में अंचल कार्यालय पहुंचे और जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व जायसवाल उरांव और उमेश पुजार ने किया। ग्रामीणों का कहना है कि जिस जमीन पर कब्जा किया गया, वहां दुर्लभ औषधीय पेड़-पौधे, करम और पुड़ाई के पेड़ थे, जिन्हें काट दिया गया। इसी जमीन पर एक तालाब भी था, जिसका उपयोग ग्रामीण सिंचाई और मवेशियों के लिए करते थे। अब इन सभी संसाधनों पर दादागिरी से कब्जा कर लिया गया है। धरना में सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. बुधु उरांव, बेलनाडेट कुजूर, ज्ञान लकड़ा, सीताराम भगत, रोपना बूढ़ा समेत बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष शामिल हुए। ग्रामीणों से वार्ता में अंचल अधिकारी ने कहा कि मामला एसडीओ कोर्ट गुमला को भेजा जा रहा है और दो दिनों में ग्रामीणों को संबंधित दस्तावेज सौंपे जाएंगे।

11 दिन से लापता अपने पति को खोजने की थाना से गुहार लगाई

घाघरा। घाघरा थाना क्षेत्र के बड़ा अजियातु निवासी मेनका देवी ने अपने पति अमित गोप की गुमशुदगी को लेकर घाघरा थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में मेनका ने कहा है कि उसके पति अमित गोप विगत 3 मार्च को कोर्ट जाने की बात कह घर से अपराह्न साढ़े 12 बजे निकले और देर रात तक घर नही लौटे। तब उनकी काफी खोज बिन रिश्तेदारों सहित अन्य संभावित ठिकानों में की गई लेकिन उनका कोई पता नही चल सका। तब जाकर थाने में शिकायत दर्ज की है और अपने पति की बरामदगी की गुहार लगाई है।

पंपापुर इंटर कॉलेज पालकोट में रंगों की उमंग के साथ मनाया गया होली मिलन समारोह

नवीन मेल संवाददाता

पालकोट (गुमला)। पालकोट प्रखंड के एकमात्र इंटर महाविद्यालय पंपापुर इंटर कॉलेज में बुधवार को होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कॉलेज परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में शिक्षकों, शिक्षकेत्तर कर्मचारियों और स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रंग-अबीर और मिठाइयों के साथ सभी ने एक-दूसरे को होली की बधाई दी और प्रेम, सौहार्द एवं भाईचारे का संदेश दिया। समारोह का नेतृत्व करते हुए प्राचार्य मनोज कुमार जायसवाल ने कहा, होली केवल रंगों का पर्व नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, समरसता और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक है। इस अवसर पर मैं महाविद्यालय के सभी शिक्षकगण, कर्मचारियों, पूर्व छात्रों, वर्तमान में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं तथा पूरे पालकोट प्रखंडवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों से त्योहार को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने की अपील भी की।

इस अवसर पर कॉलेज के वरिष्ठ प्रोफेसर चुन्नीलाल भगत, स्नेहलता कुजूर, अलेक्सिस कुजूर, विजय मिश्रा, प्रभात साहू, रोशनी मिंस, जितेश मिंस, विनीता नाग, प्रियंका कुमारी, प्रियंका साहू, चंदन कुमार, बाबूलाल साहू, प्रेमचंद साहू, शांति कुमारी, इलेक्शन करकट्टा, जयश्री कुमारी, मनोज लकड़ा, मोहम्मद ललकार, रामबरन को और रामेश्वर सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी ने मिलकर अबीर-गुलाल लगाया और होली गीतों की धुन पर नृत्य करते हुए एक-दूसरे को मिठाई खिलाई। समारोह में सपन कुमार, जगबंधु राम समेत महाविद्यालय के अन्य कर्मचारीगण भी मौजूद रहे। पूरे कार्यक्रम में उल्लास, उमंग और भाईचारे का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम का समापन सामूहिक भोज के साथ हुआ, जिसमें सभी ने एक साथ बैठकर पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लिया।

होली पर्व पर 15 को गुमला में रहेगा ड्राई डे डीसी कर्ण सत्यार्थी ने जारी किया आदेश

गुमला। उपयुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी कर्ण सत्यार्थी ने आदेश जारी करते हुए जानकारी दी है कि आगामी होली पर्व 2025 के अवसर पर 15 मार्च 2025 दिन शनिवार को गुमला जिला अंतर्गत सभी खुदरा उत्पाद दुकानें, बार एवं रेस्टोरेंट बंद रहेंगे। यह दिन शुष्क दिवस घोषित किया गया है। डीसी कर्ण सत्यार्थी ने बताया कि यह निर्णय झारखंड उत्पाद नियमावली 2022 के अंतर्गत लिया गया है। झारखंड राज्य बिवरेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड के माध्यम से संचालित खुदरा दुकानों के संचालन नियमों के अनुसार, किसी विशेष पर्व अथवा अवसर पर शुष्क दिवस घोषित किया जाता है। इसी क्रम में होली पर्व के दिन जिले में शराब की बिक्री पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगी। उन्होंने सभी खुदरा उत्पाद दुकानों, बार और रेस्टोरेंट संचालकों को निर्देशित किया है कि आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। आदेश के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित के विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। डीसी ने आम नागरिकों से अपील की है कि होली पर्व को शांति, सद्भाव और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं।

भरनो के वनटोली गांव में हनुमान मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन, ग्रामीणों में उमड़ा उत्साह

भरनो। भरनो प्रखंड के वनटोली गांव स्थित चौकी टंगरा के समीप हनुमान मंदिर निर्माण को लेकर पूरे विधि-विधान और धार्मिक परंपराओं के साथ भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। भूमि पूजन को लेकर गांव में खासा उत्साह और श्रद्धा का माहौल देखने को मिला। ग्रामीणों ने एकजुट होकर मंदिर निर्माण में भागीदारी दिखाई और कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आचार्य विष्णु पंडित ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भूमि पूजन कराया और झंडा स्थापित किया। ग्रामीणों ने मंदिर निर्माण को गांव की आस्था और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ते हुए इसे एक महत्वपूर्ण पहल बताया। मौके पर अभिराम महतो, गणेश महतो, गुले महतो, असरिता देवी समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

हड़कंप : गुटखा बिक्रेता और मिलावटखोरों के विरुद्ध चलाया सघन छापेमारी अभियान

नवीन मेल संवाददाता

बसिया(गुमला)। अनुमंडल पदाधिकारी के नेतृत्व में आज बसिया और आस पास के क्षेत्रों में गुटखा, सिगरेट, गांजा, भांग और अन्य मादक पदार्थों को लेकर सघन छापेमारी अभियान चलाया गया। इस दौरान हाई एलर्ट मोड में काम करते हुए प्रशासनिक अधिकारियों ने दुकानदारों को सख्त चेतावनी देते हुए सतर्क रहने का अल्टीमेटम भी दिया। ज्ञातव्य है कि इस क्षेत्र विशेष में लंबे समय से गांजा, गुटखा और अन्य मादक पदार्थों की बिक्री की शिकायतें मिल रही थी। अभी होली का त्यौहार है और इस पर्व में मादक पदार्थों के सेवन को लेकर सवाल उठाए जाते हैं। गत दिनों शांति समिति की बैठक में भी यह मामला काफी जोर शोर से उठा था। इन बातों को संजीदगी से लेते हुए स्थानीय प्रशासन के द्वारा बसिया मुख्यालय, इसके मुख्य बाजार कोनबीर और कामडारा थाने क्षेत्र में सघन छापेमारी की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में किराना दुकानों, गुमटी और होटल आदि का निरिक्षण करते हुए मिठाई, रंग,अबीर आदि की जांच की गई। जाँच के क्रम में किसी भी दुकान से आपत्तिजनक सामग्रियों की बरामदगी की सूचना नहीं है। अनुमंडल स्तर पर उच्च स्तरीय समझे जाने वाले इस अभियान से क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है। इस जाँच के दौरान संबंधित सभी दुकानदारों को आपत्तिजनक सामग्रियों सहित किसी भी तरह के मिलावटी सामानों की बिक्री से शत प्रतिशत परहेज करने का सख्त निर्देश दिया गया। बाद में अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि अब नियमित तौर पर ऐसे अभियान चलाए जाएंगे ताकि आम उपभोक्ताओं को गुणवत्ता पूर्ण सामान मिले और युवा वर्ग नशाखोरी से बचा रह सके। आज के इस अभियान में एसडीओ जयवंती देवगम, एसडीपीओ नाजीर अख्तर,सीओ नरेश सिंह मुंडा, बसिया थानेदार युधिष्ठिर कुमार प्रजापति,कामडारा थाना प्रभारी शशि प्रकाश सहित पुलिस के तमाम जवान शामिल थे।

गोबिंदपुर पंचायत में प्रतिबंधित मांस के साथ दो गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

जारी। जारी थाना क्षेत्र के गोबिन्दपुर पंचायत के रूद्रपुर गाँव में प्रतिबंधित मांस के साथ एक स्थानीय निवासी जेम्स तिर्की और उसके साथी को ग्रामीणों ने रंगे हाथ पकड़ा। यह घटना तब हुई जब जेम्स तिर्की अपने मोटरसाइकिल पर प्रतिबंधित मांस बांधकर राशन प्राप्त करने के लिए रुद्रपुर डीलर के पास गया था।ग्रामीणों ने मोटरसाइकिल पर बंधे प्रतिबंधित माँस पर ध्यान दिया और तुरंत संदेह जताया। जब उन्होंने जेम्स से पूछताछ की, तो उसने झोले में पुटकल साग होने की बात कहकर मामले को टालने की कोशिश की। लेकिन ग्रामीणों की सख्ती के आगे जेम्स ने सच स्वीकार कर लिया कि वह प्रतिबंधित माँस ले जा रहा था।इस सूचना के बाद, ग्रामीणों ने जारी थाना के थानाध्यक्ष आदित्य कुमार को सूचित किया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटना स्थल पर पहुँची और जेम्स तिर्की तथा उसके साथी को गिरफ्तार करते हुए प्रतिबंधित माँस को अपने कब्जे में ले लिया। थाना प्रभारी आदित्य कुमार ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। उन्होंने कहा कि मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए आरोपियों को जल्द ही जेल भेजा जाएगा।

आग लगने से 16 एकड़ जमीन में लगी आम बागवानी जल कर खाक

नवीन मेल संवाददाता

घाघरा। घाघरा थाना क्षेत्र के रुकी पंचायत मुख्यालय एवं जलका में आग लगने से मनरेगा से लगाई गई 16 एकड़ से अधिक भूमि में लगे आम के पौधे जलकर बर्बाद हो गयी।करीब तीन एकड़ में आम बागवानी के साथ राहड़ की मिश्रित खेती की गई थी वो भी आगजनी में नष्ट हो गए। यही नही करीब डेढ़ एकड़ में सिर्फ राहड़ की खेती की गई थी जिनमे फल भी लग गए थे जो नष्ट हो गए। एक किलोमीटर से अधिक के रेडियस में आगजनी की घटना में फसल बर्बाद हुवी है। बता दें कि लाभुक किसानों को मनरेगा से आम बागवानी में ट्रेंच की खुदाई, मजदूरी, खेराबन्दी सहित अन्य मदों में पांच वर्ष तक बागवानी के देख रेख में तीन लाख पचास हजार सरकार खर्च करती है। जो पौधे जले है उनमें एक वर्ष, दो वर्ष एवं तीन वर्ष के आम के पौधे शामिल है। इसके साथ राहड़ की खेती का अगर आकलन किया जाय तो तीस से पैतीस लाख सरकारी खर्च हुवे जो मजदूरों की मजदूरी आदि में सरकार लाभुकों को दी। मौके पर पहुँच पत्रकारों ने घटना की सूचना दूरभाष पर गुमला के डीसी कर्ण सत्यार्थी को दी और दमकल की गाड़ी घटना स्थल पहुँची। हालांकि तब तक लाभुकों के द्वारा पानी एवं राहड़ की झाड़ से आग पर काफी हद तक काबू पा लिया गया था। मौके पर घाघरा बीडीओ एवं थाने से एस आई राहुल पासवान भी पहुँचे। बीडीओ ने लाभुकों से जले हुवे पौधों के साथ फोटो खिंचाकर, आधार, पासबुक तथा जमीन के कागजात के साथ अंचल कार्यालय में सभी दस्तावेज जमा करने की बात कही ताकि प्रावधान के अनुरूप मुवावजा मिल सके। हालांकि आम बागवानी के लाभुकों ने बीडीओ दिनेश कुमार से मांग किया कि बर्बाद हुवे आम बागवानी योजना को क्लोज करते हुवे नए से योजना का लाभ दिया जाय। ताकि वे नए सिरे से आम बागवानी का लाभ ले सके। आशंका व्यक्त की जा रही है कि आग महुवा चुनने वाले लोगों द्वारा ही फैली। इन लाभुकों के आम बागवानी की खेती जलकर बर्बाद हुवे उसमें जम्बू उरांव, रामलाल यादव, दीपक साहू, शंकर साहु, ललिता देवी, अरुण साहू, शुखम मुंडा, दुखन मुंडा, जयपति देवी हरिश्चन्द्र मुंडा, सुरेंद्र उरांव, बीरेंद्र उरांव, बासु उरांव, सरहुलिया उराईन के एक एक एकड़ भूमि शामिल है। जबकि धुमा उरांव एवं राधा साहू सहित अन्य के खेत मे लगे राहड़ की फसल बर्दाद हो गयी। लाभुक किसानों को प्रशाशन से काफी उम्मीद जुड़ी है।

पटाखों की अवैध बिक्री पर गुमला प्रशासन सख्त, आमजन से सहयोग की अपील

गुमला। अनुमंडल पदाधिकारी राजीव कुमार ने सर्व साधारण को सूचित किया है कि हाल के दिनों में यह जानकारी सामने आई है कि कुछ दुकानदार और छुपे हुए अस्थानों पर बिना सक्षम प्राधिकार से अनुज्ञप्ति प्राप्त किए अवैध रूप से पटाखों की बिक्री की जा रही है। यह एक गंभीर मामला है और इससे किसी भी प्रकार की बड़ी दुर्घटना से इनकार नहीं किया जा सकता। इसी तरह की एक घटना राज्य के गढ़वा जिले में 10 मार्च 2025 को घटी, जिसमें गंभीर क्षति हुई। यह घटना एक चेतावनी है कि यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई तो गुमला में भी ऐसी अनहोनी की पुनरावृत्ति संभव है। अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि गुमला शहर एवं उसके आसपास पटाखों की अवैध बिक्री पर पूर्ण रूप से अंकुश लगाया जाना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए उन्होंने शहर के सभी बुद्धिजीवियों और आम नागरिकों से अपील की है कि यदि कहीं भी बिना अनुज्ञप्ति के पटाखा बेचे जाने की सूचना मिलती है तो इसकी गुप्त जानकारी संबंधित थाना प्रभारी अथवा अंचलाधिकारी को अवश्य दें। ताकि दोषी दुकानदार अथवा व्यक्ति के विरुद्ध विस्फोटक अधिनियम, 1884 की सुसंगत धाराओं के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा सके। राजीव कुमार ने कहा कि यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि किसी भी अप्रिय घटना से पहले सतर्कता बरती जाए और गुमला को सुरक्षित रखा जाए।

10 +2 विद्यालय में शिक्षक व छात्रों के बीच होली मिलन समारोह का आयोजन किया

घाघरा । घाघरा प्रखंड के रन्हे गांव में स्थित चिल्ड्रन ऐकाडेमी 10 + 2 विद्यालय में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें शिक्षकों और छात्र-छात्राएं ने एक-दूसरे को चंदन का टीका और अबीर गुलाल लगाकर होली पर्व की बधाई दी। शिक्षको ने सभी छात्र-छात्राओ को जीवन मे सफलता का मूल मंत्र दिया। होली मिलन समारोह में विद्यालय के प्राचार्य विजय साहू ने कहा कि जिस प्रकार के होली के रंग में वातावरण को उल्लास और उत्साह से भरने के साथ खुशियां फैलाते हैं, उसी प्रकार हमें भी दूसरों के जीवन में खुशी के रंग भरने चाहिए। प्राचार्य ने कहा होली की सभी स्टूडेंट्स और शिक्षकों को बधाई दिया और आने वाले नववर्ष की शुभकामनाएं दी।

जो सदा मुझसे युक्त हैं, और प्रेमपूर्वक मेरी आराधना करते हैं, उन्हें मैं वह मेधा (बुद्धियोग) प्रदान करता हूँ, जिसके द्वारा वे मुझे पूर्ण रूप से प्राप्त करते हैं। **- भगवान् श्रीकृष्ण, "श्रीमद्भगवद् गीता" में**

संपादकीय

रंगोत्सव का वैज्ञानिक पक्ष

होली वसंतोत्सव है । विविध रंगों में बरसाना की लठमार होली की बात ही कुछ और है। राधा-कृष्ण को भी इस पर्व से जोड़ दिया गया है ताकि सांसारिक प्राणियों को उनका सुख मिलता रहे। वहीं, खान-पान के नजरिए से मालपुआ इस पर्व का सुप्रसिद्ध पकवान है, जिसको पकाने के तौर तरीके क्षेत्र के हिसाब से बदल जाते हैं। ठंडई इस दिन का प्रचलित पेय है जो भांग से बनती है। इसमें मेवा और दूध भी डाले जाते हैं। इन सबको अतिथियों को भी परोसा जाता है। सवाल है कि होली का त्योहार फाल्गुन मास की पूर्णिमा तिथि को ही क्यों मनाया जाता है? दूसरा सवाल है कि होली जलाने का क्या कोई वैज्ञानिक कारण भी है या सिर्फ धार्मिक मान्यता ही है? धार्मिकता की बात करें तो पौराणिक कथा के अनुसार, असुरराज हिरण्यकशिपु का पुत्र प्रह्लाद भगवद्भक्त था अर्थात भगवान विष्णु का अनन्य भक्त, जिसकी भक्ति सुरभि से पूरा साम्राज्य सुवाषित हो रहा था। शायद इसलिए असुरराज हिरण्यकशिपु निज पुत्र प्रह्लाद को भगवान श्रीहरि की पूजा करने से मना किया करता था। किन्तु जब भक्तराज प्रह्लाद अपने पिता की बात नहीं माने तो उसने यानी हिरण्यकशिपु ने उन्हें यानी प्रह्लाद को मारने के नानाविध उपाय किए, लेकिन असफल रहा। कभी प्रह्लाद को पहाड़ पर ले जाकर गहरी खाई में गिराया तो कभी अस्त्र-शस्त्र से उसे मारने का प्रयास किया गया, किन्तु हिरण्यकशिपु के सभी प्रयास विफल रहे। इससे चिंतित हिरण्यकशिपु की बहन होलिका ने कहा- "भैया! मैं एक पल में इसे जलाकर मार सकती हूँ। मैं इसे गोद में लेकर जलती चिता में बैठ जाऊँगी और यह जलकर मर जायेगा। क्योंकि मुझे वरदान है कि मैं जलती अग्नि में प्रवेश कर जाऊँ तो भी नहीं जलूँगी।" किन्तु होलिका यह भूल गई थी कि यह वरदान उसे अकेली रहने पर की अवधि के लिए मिला था न कि किसी को साथ लेकर प्रविष्ट होने के लिए। इसलिए वह खुशी-खुशी चिता तैयार करवाकर प्रह्लाद को लेकर बैठ गई। चिता में उसके ही कहने पर राक्षसों ने आग लगाई। उधर प्रह्लाद आँखें बंद किए हरि के नाम का स्मरण करने में लीन थे। आग लगते ही होलिका जलकर भस्म हो गयी और प्रभु कृपा से प्रह्लाद का बाल भी बाँका न हुआ। मान्यता है कि यह घटना बिहार के पूर्णिया जिले में पूर्णिमा के समीप ही घटित हुई थी, इसलिए तब से पूर्णिमा के दिन ही उस राक्षसी होलिका को जलाने की प्रक्रिया पूरे देश में हर वर्ष मनाई जाती है। इस प्रकार भारत में आश्विन मास में रावण दहन और फाल्गुन माह में होलिका दहन के द्वारा बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश जनमानस को दिया जाता है। इससे एक सप्ताह पहले और एक सप्ताह बाद तक होली मिलन समारोह मनाया जाता है, ताकि राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक और सांस्कृतिक समरसता बनी रहे। क्या गरीब क्या बहुत अमीर सभी इस पर्व को उल्लास पूर्वक मनाते हैं। अब तो यह विधान भारतीयों के साथ पूरी दुनिया में पहुंच गया है। वहीं, जल रही होलिका में लोग खेतों से जौ, चने गेहूँ, आलू आदि नई फसलों की बालियाँ या फली तोड़कर भूनते हैं। यह भूनने की क्रिया करने का अर्थ है कि सर्वप्रथम हम अपने देवताओं को अन्न की आहुतियाँ प्रदान करते हैं। पहले आहुतियाँ अग्नि में ही दी जाती हैं। उसके बाद प्रसाद स्वरूप अन्न घर ले जाते हैं अर्थात् उसके बाद गेहूँ, जौ आदि फसलों की कटाई शुरू होती है।

सवाल है कि होली का त्योहार फाल्गुन मास की पूर्णिमा तिथि को ही क्यों मनाया जाता है?

होलिका दहन में अपने अहंकारों की तिलांजलि दें

होलिका दहन केवल एक पौराणिक कथा से जुड़ा पर्व नहीं है, बल्कि यह हमें गहरे जीवन मूल्यों और शिक्षाओं को आत्मसात करने का अवसर भी प्रदान करता है। यह त्योहार हमें बुराई पर अच्छाई की जीत, सत्य की शक्ति, और अहंकार के विनाश का संदेश देता है। यदि हम इस पर्व के वास्तविक अर्थ को समझें और इसे अपने जीवन में लागू करें, तो न केवल व्यक्तिगत स्तर पर बल्कि सामाजिक स्तर पर भी सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। होलिका दहन की कथा जैसा कि हम जानते हैं या बूढ़े बुजुर्गों से सुने हैं। प्रह्लाद, हिरण्यकशिपु और होलिका से जुड़ी है। हिरण्यकशिपु अपने घमंड और अहंकार के कारण स्वयं को भगवान मानने लगा था और चाहता था कि हर कोई उसकी पूजा करे। लेकिन उसका पुत्र प्रह्लाद भगवान विष्णु का परम भक्त था। हिरण्यकशिपु ने कई बार प्रह्लाद को मारने का प्रयास किया, लेकिन हर बार वह असफल रहा। अंत में, उसने अपनी बहन होलिका को यह कार्य सौंपा। होलिका को यह वरदान था कि वह आग में नहीं जलेगी, इसलिए वह प्रह्लाद को गोद में लेकर अग्नि में बैठ गई। लेकिन भगवान की कृपा से प्रह्लाद सुरक्षित रहा और होलिका स्वयं जलकर भस्म हो गई। यह कथा हमें सिखाती है कि अहंकार, अन्याय और अत्याचार का अंत निश्चित है। हिरण्यकशिपु की तरह जो भी अपने घमंड में दूसरों पर अत्याचार करता है, उसका नाश तय है। आज का समाज भी अहंकार की आग में जल रहा है। व्यक्ति के भीतर धन, पद, शक्ति और प्रसिद्धि का घमंड इतना बढ़ गया है कि वह सही और गलत का भेद करना भूल जाता है। यही अहंकार रिश्तों में दरार डालता है, मनुष्य को स्वार्थी बनाता है, और उसे नैतिकता से दूर कर देता है। युवा पीढ़ी विशेष रूप से इस मानसिकता से ग्रसित होती जा रही है। सोशल मीडिया पर लाइक्स और फॉलोअर्स की होड़, दूसरों से आगे बढ़ने की लालसा, और बिना मेहनत के सफलता पाने की चाहत – यह सब अहंकार को बढ़ावा दे रहा है। यह वही मानसिकता है जिसने हिरण्यकशिपु को नष्ट किया था। होलिका दहन हमें अवसर देता है कि हम अपने भीतर झांकें और आत्ममंथन करें। जिस प्रकार होलिका जलकर नष्ट हो गई, उसी प्रकार हमें अपने भीतर की नकारात्मक प्रवृत्तियों—अहंकार, क्रोध, ईर्ष्या, लोभ और असत्य—का दहन करना चाहिए। जब हम इन नकारात्मक गुणों को जलाकर राख कर देंगे, तभी हम एक सच्चे और अच्छे इंसान बन सकते हैं। हमें अपनी युवा पीढ़ी को यह सिखाना होगा कि होली केवल रंग खेलने और मौज-मस्ती करने का त्योहार नहीं है, बल्कि यह आत्मशुद्धि और आत्मसाक्षात्कार का पर्व भी है। होलिका दहन का सही अर्थ समझकर यदि युवा अपने अंदर के नकारात्मक विचारों को त्याग दें, तो वे एक स्वच्छ मानसिकता के साथ समाज में वापस लौट सकते हैं और एक अच्छे समाज का निर्माण कर सकते हैं। जब हम अपने अहंकार, द्वेष और नकारात्मक विचारों का त्याग करेंगे, तभी एक बेहतर समाज बना सकेंगे। हमें दूसरों की मदद करने, सद्भावना रखने और मिल-जुलकर रहने की आदत डालनी चाहिए। अगर हम सही मायनों में होलिका दहन के संदेश को आत्मसात कर लें, तो यह त्योहार केवल एक परंपरा नहीं रहेगा, बल्कि एक क्रांतिकारी परिवर्तन का माध्यम बन जाएगा। होलिका दहन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्ममंथन और सुधार का प्रतीक है। यह हमें सिखाता है कि अहंकार, अन्याय और बुराई कितनी भी शक्तिशाली क्यों न हो, अंततः उनका विनाश निश्चित है। इस होली, आइए हम सभी अपने भीतर के अहंकार, नकारात्मकता और बुरी आदतों का दहन करें और एक अच्छे, स्वस्थ भविष्य और खुशहाल समाज के निर्माण में योगदान दें।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आज की बात

डॉ दीपक प्रसाद
रंगकर्मी, निर्देशक
सहायक आचार्य

देश की बात

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

धूल भरी सड़कें और टूटे हुए सपने

शिवपुर के छोटे से गाँव में जीवन हमेशा सादगी और संघर्ष की एक मधुर धुन रहा है। यहाँ, सूरज गेहूं के सुनहरे खेतों को चूमता है, और हल्की हवा गाँव के कुएं के पास खेलते बच्चों की हंसी को लेकर आती है। लेकिन इस अद्भुत दृश्य के बीच खड़े हैं मास्टर विनय, एक समर्पित शिक्षक, जिनका जीवन सरल नहीं था। सालों से, उन्होंने अपने छात्रों में ज्ञान की रौशनी बिखेरी, उनके सपनों को संजोया। लेकिन जैसे-जैसे मौसम बदला, शिक्षा विभाग की मनमानी और नौकरशाही ने उनके समर्पण पर भारी पड़ना शुरू कर दिया। हर बार जब उन्होंने ट्रांसफर की अर्जी लिखी, वह फाइलों के गर्त में खो जाती, जैसे व्यस्त बाजार में एक भूला हुआ बच्चा। यह विडंबना भरी बात थी; वह सिस्टम, जो शिक्षा को ऊपर उठाने का वादा करता था, वह असल में शिक्कों के कल्याण से ज्यादा कागजी कार्यवाही में उलझा था। एक भाग्यशाली सुबह, एक पत्र आया जिसने विनय के जीवन के संतुलन को चूर-चूर कर दिया। उस लिफाफे पर शिक्षा विभाग का निशान था, जो झूठी आशा की एक चमक की तरह था। उनका दिल तेजी से धड़कने लगा जब उन्होंने उसे खोला, और उसमें शहर में ट्रांसफर की घोषणा थी-एक ऐसा स्थान, जो धूल, कंक्रीट, और तेज गति से भरा हुआ था, जो उनके शांत गाँव के साथ कड़ा विरोधाभास था। विनय का दिल टूट गया जब उन्होंने शहर की सड़कों की कल्पना की, जहाँ उनके छात्रों की हंसी की जगह कारों की हार्नेस और फाइलों की खड़खड़ाहट ले लेगी। उनकी पत्नी, सुषमा देवी, हमेशा उनके लिए ताकत का स्तंभ रही थी, लेकिन इस खबर ने उसे विश्वास और निराशा के बीच झूलने पर मजबूर कर दिया। उसकी आँखों में भरी आँसू हजारों अनकही डर की पीड़ा को दर्शाते थेः क्या वह सच में चले जाएंगे? उनके बच्चों के लिए एक बेहतर भविष्य बनाने के सपनों का क्या होगा? जब उन्होंने सुषमा के आँसू भरे चेहरे की ओर देखा, तो उन्हें एहसास हुआ कि इस ट्रांसफर की असली कीमत उनकी नौकरी की हानि से कहीं अधिक थी; यह एक परिवार, एक समुदाय, और एक शिक्षक की अटूट प्रतिबद्धता का टूटना था। उनके जाने का दिन भारी दिल के साथ आया। विनय अपनी पुरानी साइकिल पर चढ़े, जिसका जंग लगा ढांचा उनके अनकहे दुख के बोझ की तरह कराह रहा था। नए स्कूल का रास्ता असहनीय लंबा लग रहा था, हर पैडल उन्हें याद दिला रहा था कि वे क्या छोड़ने जा रहे हैं। बच्चे उनका इंतजार कर रहे थे, उनकी मासूम आँखें उम्मीद और अनिश्चितता से चमक रही थीं। उनके छोटे हाथों में रंगीन चित्र थे, जो उन्होंने अपने प्रिय शिक्षक के लिए बनाए थे, एक ऐसे भविष्य की चित्रण जो उन्हें शामिल करता था। लेकिन खुशी की बजाय, विनय के दिल में एक दर्द महसूस हुआ।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

होली और जुम्मे की नमाज पर होगी सौहार्द की परीक्षा

होली का पर्व रंगों, उल्लास और आपसी भाईचारे का प्रतीक है। यह केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति का एक अभिन्न अंग है, जो अनेकता में एकता को दर्शाता है। हालांकि पिछले कुछ सालों में यह भी देखने में आया है कि होली हो या दिवाली, ईद या बकरीद, त्यौहार अपने आयोजन से पूर्व एक ख़ास सियासी रंग में रंग जाते हैं। उदाहरण के लिए हाल ही में बिहार के दरभंगा जिले की मेयर अंजुम आरा का एक बयान सामने आया, जिसमें उन्होंने आग्रह किया कि जुम्मे की नमाज़ के मद्देनजर होली को दो घंटे के लिए रोका जाए। इसके जवाब में बीजेपी विधायक मुरारी मोहन झा ने स्पष्ट कर दिया कि होली नहीं रुकेगी और मुस्लिम समाज अपने स्तर पर नमाज़ के समय को समायोजित कर ले। उधर विधायक करनैल सिंह ने भी अपील की कि जुम्मे की नमाज़ घर पर पढ़ी जाए।सोचने की जरुरत नहीं है कि आखिर शासन-प्रशासन को ऐसी बयानबाजी क्यों करनी पड़ रही है? यूं तो इस मुद्दे को देखने के कई तरीके हो सकते हैं लेकिन एक जायज तरीका यह भी है कि प्रशासन और समाज दोनों, ऐसे मौकों पर संयम और समझदारी से काम ले। इसमें कोई दो राय नहीं कि किसी एक धर्म के अनुयायियों को दूसरे धर्म के आयोजनों में बाधा डालने का अधिकार नहीं है, लेकिन एक सच यह भी है कि हर किसी को दूसरे की आस्था का सम्मान करना ही चाहिए। होली थोड़ी देर पहले या बाद में खेली जा सकती है, तो नमाज़ भी विशेष परिस्थितियों में कुछ समय आगे-पीछे की जा सकती है। संभल के सीओ अनुज चौधरी का यह कहना कि "अगर रंग लगने से किसी का धर्म भ्रष्ट होता है तो वे घर से न निकलें", मेरी नजर में यह एक प्रशासनिक अधिकारी का जिम्मेदारी भरा बयान नहीं है। प्रशासन का काम समाज को तोड़ने की जगह जोड़ने का होता है। हालांकि उपरोक्त बयान समाज को जोड़ने की कोशिश करते तो नजर नहीं आते। भारत की खूबसूरती इसी में है कि यहाँ हर धर्म, हर जाति और हर विचारधारा के लोग मिल-जुलकर रहते हैं। हालांकि इस खूबसूरती में अब साल-दर-साल सौहार्द के नाम पर दाग चिपकते जा रहे हैं। जरूरत इस बात की है कि हम होली और नमाज़ के इस संयोग को टकराव की तरह न देखें, बल्कि सौहार्द के अवसर के रूप में अपनाएं। समाज के दोनों पक्षों को चाहिए कि वे एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करें और ऐसा कोई कार्य न करें जिससे अशांति फैले। प्रशासन को भी ऐसी अपीलें करनी चाहिए जो मेल-जोल को बढ़ाएं, न कि विभाजन का कारण बनें। इस बार होली पर हम सभी यह प्रण लें कि कोई भी रंग आपसी प्रेम और भाईचारे से ऊपर नहीं होगा, और कोई भी इबादत इंसानियत से बड़ी नहीं होगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आपकी बात

डॉ अतुल मलिकराम
राजनीतिक रणनीतिकार

फेसबुक वॉल से

एक्स से

आज का दोहा

पिचकारी को भा गया , रंगों का वह राग।
दोनों मिल कर गायेंगे, फिर होली पर फाग।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

बदलते जमाने की रंग बदलती होली

आज हम जो होली मनाते हैं, वह पहले की होली से काफ़ी अलग है। पहले, यह त्यौहार लोगों के बीच अपार ख़ुशी और एकता लेकर आता था। उस समय प्यार की सच्ची भावना होती थी और दुश्मनी कहीं नहीं दिखती थी। परिवार और दोस्त मिलकर रंगों और हंसी-मजाक के साथ जश्न मनाते थे। जैसे-जैसे समय बदला है, रिश्तों की गर्माहट फीकी पड़ती नज़र आती है। आजकल होली की बधाई अक्सर मोबाइल या इंटरनेट के जरिए भेजे गए हैप्पी होली के साथ शुरू और ख़त्म होती है। पहले जैसा उत्साह और जश्न का माहौल अब नहीं रहा। पहले बच्चे हर मोहल्ले में होली के लिए समूह बनाकर होली का दान इकट्ठा करते थे और खुशी-खुशी किसी पर भी रंग फेंकते थे। यहाँ तक कि जब उन्हें चिढ़ाया या डांटा जाता था, तो वे हंसते थे। अब ऐसा लगता है कि लोग मौज-मस्ती करने के बजाय बहस करने में ज़्यादा रुचि रखते हैं।

होली एक ऐसा त्यौहार है जिसे हर पृष्ठभूमि के लोग मनाते हैं, जिसमें दुश्मनी भुलाकर गले मिलते हैं। फिर भी, एकता और प्यार का यह त्यौहार बदल रहा है। फाल्गुन की खुशियाँ अब दूर की यादों की तरह लगती हैं। होली के रंग, कुछ सालों में फीके पड़ गए हैं। बड़े-बुजुर्ग इस बात पर अफ़सोस जताते हैं कि अब हंसी-मजाक, उत्साह और वह जीवंत भावना नहीं रही जो कभी इस उत्सव की पहचान हुआ करती थी। पानी की बौछारों की आवाज़ और होली की जीवंतता ने कुछ ही घंटों के उत्सव के बाद एक शांत ले ली है। आओ राधे खेलें फाग, होली आई के हर्षोल्लास और उत्सव के इर्द-गिर्द होने वाली मस्ती-मजाक की आवाज़ें समय के साथ दबती जा रही हैं।

फाल्गुन आते ही होली का उत्साह हवा में घुलने लगा। मंदिरों में फाग की ध्वनि गूंजने लगी और हर तरफ़ होली के लोकगीत सुनाई देने लगे। शाम होते ही ढप-चंग के साथ पारंपरिक नृत्यों ने होली के रंग चारों ओर बिखेर दिए। लोग ख़ुशी से एक-दूसरे पर पानी की छींटे मारते रहे और कोई कड़वाहट नहीं थी, बस ख़ुशी थी। होली की तैयारियाँ वसंत पंचमी से ही शुरू हो जाती थीं और समुदाय के आंगन और मंदिर चंग की थाप से जीवंत हो उठते थे। रात में चंग की थाप के साथ नृत्य ने सभी को अपनी ओर आकर्षित कर लिया। दूर से फाल्गुन गीत और रसिया गाने वाले लोग नृत्य में शामिल होकर तारों की छांव में होली का आनंद मनाते थे। हालांकि, जैसे-जैसे समय बदला है, रिश्तों की गर्माहट फीकी पड़ती नज़र आती है। आजकल होली की बधाई अक्सर मोबाइल या इंटरनेट के जरिए भेजे गए हैप्पी होली के साथ शुरू और ख़त्म होती है। पहले जैसा उत्साह और जश्न का माहौल अब नहीं रहा। पहले बच्चे हर मोहल्ले में होली के लिए समूह बनाकर होली का दान इकट्ठा करते थे और खुशी-खुशी किसी पर भी रंग फेंकते थे। यहाँ तक कि जब उन्हें चिढ़ाया या डांटा जाता था, तो वे हंसते थे। अब ऐसा लगता है कि लोग मौज-मस्ती करने के बजाय बहस करने में ज़्यादा रुचि रखते हैं।

पहले के समय में पड़ोसियों की बहू-बेटियों को परिवार की तरह माना जाता था। घर स्वादिष्ट व्यंजनों की ख़ुशबू से भर जाते थे और मेहमानों का खुले दिल से स्वागत किया जाता था। आज, समारोह ज्यादातर अपने घर तक ही सीमित रह गए हैं और समुदाय की भावना कम होती जा रही है। फ़ोन पर एक साधारण होली मबारक ने पहले के दिल से जुड़े रिश्तों की जगह ले ली है, जिससे रिश्ते कम मधुर लगने लगे हैं। इस बदलाव के कारण परिवार अपनी बहू-बेटियों को दोस्तों या रिश्तेदारों से मिलने देने में हिचकिचाते हैं। पहले लड़कियाँ होली के दौरान ख़ुशी और हंसी-मजाक करती हुई खुली हवा में घूमती थीं, लेकिन अब अगर कोई लड़की किसी रिश्तेदार के घर ज़्यादा देर तक रुकती है, तो उसके परिवार में चिंता पैदा हो जाती है। होली का त्यौहार खुशियों का मौसम हुआ करता था, जिसकी शुरुआत होली के पौधे लगाने से होती थी। छोटी-छोटी लड़कियाँ गाय के गोबर से वलुडिया बनाती थीं, खूबसूरत मालाएँ बनाती थीं, जिन पर आभूषण, नारियल, पायल और बिछिया होती थीं। दुख की बात है कि ये परंपराएँ अब ख़त्म हो गई हैं। पहले घर पर ही टेसू और पलाश के फूलों को पीसकर रंग बनाया जाता था और महिलाएँ होली के गीत गाती थीं। होली के दिन सभी लोग चंग की ताल पर नाचते हुए जश्न मनाते थे। बसंत पंचमी से ही फाग की धुनें गूंजने लगती थीं, लेकिन अब होली के गीत कुछ ही जगह सुनाई देते हैं। परंपरागत रूप से, विभिन्न समुदायों के लोग ढोलक और चंग की थाप के साथ होली खेलने के लिए एकत्रित होते थे। अब वह जीवंत भावना कहाँ चली गई है?

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

अलग बात

प्रियंका सौरभ

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासारूं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI.61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 ।प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

देश में सभी को अपना त्योहार मनाने की पूरी छूट : मनोज तिवारी

नई दिल्ली(आईएएनएस)। भाजपा सांसद मनोज तिवारी के नई दिल्ली स्थित आवास पर गुरुवार को होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भाजपा के कई नेता शामिल हुए। मनोज तिवारी ने पारंपरिक होली गीत गाकर समां बांधा। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह होली दिल्ली के लिए वाकई खास है। लंबे समय के बाद दिल्ली भारतीय जनता पार्टी की जीत की होली मना रही है। हम सभी इस पल को बड़े उत्साह के साथ मना रहे हैं। मैं सभी देशवासियों को होली की बधाई देता हूं। मेरा यही मानना है कि सबको मिलजुल कर रहना चाहिए। होली हर्षोल्लास और भाईचारे का पर्व है। भाजपा सांसद ने होली-जुमा विवाद पर कहा, "जो लोग इस तरह का विवाद पैदा करना चाहते हैं, उनका विवादों से ही प्रेम है। मैं उन्हें बताना चाहूंगा कि होली सालभर में एक बार आती है और अगर कोई इस पर्व को दूसरी बातों से डिस्टर्ब करने की कोशिश करे तो उन्हें इस तरह की सोच से बाज आना चाहिए। देश में सभी को अपना पर्व और त्योहार मनाने की पूरी छूट है। सभी को एक साथ मिलजुल कर रहना चाहिए और जो होली वाले हैं, वे ये पर्व धूमधाम के साथ मनाएं और जुमे वाले लोग, इसे अपने तरीके से मनाएं।" मनोज तिवारी ने आम आदमी पार्टी पर भी निशाना साधा।

इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया ने जुमे की नमाज का समय बदला

लखनऊ (आईएएनएस)। मौलाना राशिद फिरंगी महली ने जुमे की नमाज की टाइमिंग को आगे बढ़ाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि 14 मार्च (शुक्रवार) को होली का त्योहार और जुमे की नमाज है, तो हमने जुमे की नमाज का समय आगे बढ़ाया है। मौलाना राशिद फिरंगी महली ने कहा, "जैसा कि आप लोगों को मालूम है कि 14 मार्च को होली का त्योहार है और उसी दिन रमजान का दूसरा जुमा भी है। इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया ने एडवाइजरी जारी करके नमाज की टाइमिंग को आगे बढ़ाया है। इसके साथ ही हमारे हिंदू भाइयों ने कई जगहों पर होली की बरात की टाइमिंग में बदलाव किए हैं।" उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि यह दिन दोनों समुदाय अपने-अपने मजहब के मुताबिक पर्व मनाएंगे। इसमें कोई कन्फ्यूजन नहीं है। साथ ही हमें अफवाहों पर ध्यान नहीं देना है। हमें शांतिपूर्वक त्योहार मनाना है, ताकि शांति का संदेश अंतरराष्ट्रीय स्तर तक जाए। इससे पहले उन्होंने कहा था कि इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया ने सभी मस्जिद कमेटियों से अपील की है कि 14 मार्च को जुमे की नमाज का समय एक घंटा बढ़ा दिया जाए। इससे नमाजियों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होगी और हिंदू भाई-बहनों के त्योहार में भी कोई समस्या नहीं आएगी।

आज का राशिफल

मेष : किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

वृष : अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजनो के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-5-6-7

मिथुन : परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-1-2-5

कर्क : स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-1-8-9

सिंह : लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-5-6-8

कन्या : स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-8-9

तुला : प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्ध का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-4-5-6

वृश्चिक : स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-5-6-9

धनु : शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरुनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभांक-6-7-8

मकर : लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-6-8

कुंभ : माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-6-7

मीन : प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

मध्य प्रदेश में सड़क हादसा

टैंकर से टकराए वाहन सात की मौत

चार लोग की मौत मौके पर ही हो गयी

भोपाल (आईएएनएस)। मध्य प्रदेश के धार जिले के बदनावर-उज्जैन फोरलेन पर बुधवार देर रात एक सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में करीब सात लोगों की मौत हो गई और तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने छह लोगों की मौत की पुष्टि की है, जबकि कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति की हालत नाजुक बनी हुई है। बदनावर पुलिस थाना प्रभारी अमित कुशवाह ने आईएएनएस से फोन पर बात करते हुए बताया कि टैंकर गलत दिशा में जा रहा था। उसने पहले एक पिकअप वाहन को टक्कर मारी और फिर उसके पीछे आ रही कार को भी टक्कर मार दी। टैंकर उज्जैन की ओर जा रहा था, जबकि बाकी वाहन विपरीत दिशा से आ रहे थे। अधिकारी ने बताया कि यह घटना रात करीब 11 बजे हुई। उन्होंने बताया कि चार लोग मौके पर ही मारे गए, जबकि बाकी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें बदनावर सिविल अस्पताल भेजा गया। मृतकों की संख्या स्पष्ट नहीं हो पाई क्योंकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है और कहा जा रहा है कि उसकी मौत हो गई, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। अधिकारी ने बताया कि घायलों को अस्पताल भेजा गया और तीनों की हालत गंभीर है। हालांकि, उन्होंने और जानकारी देने से मना कर दिया, क्योंकि पुलिस टीम वाहनों से घायलों को निकालने और अस्पताल पहुंचाने में लगी थी। अन्य पुलिस सूत्रों ने बताया कि कार और पिकअप के मलबे में फंसे दो लोगों को बाद में क्रेन की मदद से निकाला गया। उन्होंने यह भी बताया कि टैंकर चालक दुर्घटना के बाद मौके से फरार हो गया और पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी है। मृतक सीतामऊ थाना क्षेत्र के मंदसौर के निवासी थे। वे इंदौर से उज्जैन होते हुए मंदसौर लौट रहे थे। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों और मृतकों के शवों को बदनावर सिविल अस्पताल भेजा। सुबह उनका पोस्टमार्टम किया जाएगा।

दुर्घटना इतनी भयावह थी कि पिकअप टैंकर के नीचे फंस गई, जिससे पुलिस के लिए तुरंत पहचान करना मुश्किल हो गया। इसलिए पीड़ितों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस के अनुसार, पिकअप में सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे को अस्पताल भेजा गया। वहीं, कार में सवार चार में से तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई और एक घायल व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ितों की पहचान और फरार टैंकर चालक का पता लगाने के लिए पुलिस जांच कर रही है।

एयरपोर्ट के विस्तारीकण से यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं मिल सकेंगी :मुख्यमंत्री

- **मुख्यमंत्री ने जेपी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा के निर्माणाधीन टर्मिनल तथा बिहटा में बनाये जानेवाले अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट का किया स्थल निरीक्षण**

एजेंसी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जयप्रकाश नारायण अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा के निर्माणाधीन टर्मिनल का आज निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोग निर्माण कार्य का लगातार निरीक्षण करते रहे हैं। बचे हुये कार्यों को तेजी से पूर्ण करें ताकि यहां यात्रियों को और सुविधा मिल सके। यात्रियों की संख्या में लगातार वृद्धि को देखते हुये इस एयरपोर्ट का विस्तारीकण किया जा रहा है, जिसमें यात्रियों को आधुनिक सुविधायें मिल सकेगी। इस एयरपोर्ट से अधिक से अधिक उड़ानें संचालित होने से बड़ी संख्या में यात्री हवाई यातायात का लाभ उठा सकेंगे। इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने बिहटा में बनाये जानेवाले अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट का स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को निर्माण कार्य के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुये बताया कि यह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा आधुनिक सुविधाओं से लैश होगी। हवाई यातायात को बेहतर बनाने के लिये यहां आधुनिकतम व्यवस्थायें की जायेगी। यहां 10 ऐयरो स्टेशन होंगे। मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन खगौल बिहटा ऐलिवेटेड सड़क का भी निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोग चाहते हैं कि जल्द से जल्द बिहटा एयरपोर्ट का निर्माण हो ताकि लोगों को हवाई यात्रा में और सहूलियत हो। जयप्रकाश नारायण अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, पटना और बिहटा एयरपोर्ट से इंटरनेशनल फ्लाइट की शुरूआत होगी, जिसका लाभ बिहार के लोगों को मिलेगा। विभिन्न जगहों के लोगों को कहीं भी विमान से आने-जाने में सहूलियत होगी। जयप्रकाश नारायण अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा से बिहटा एयरपोर्ट तक कम से कम समय में पहुंचने के लिये खगौल बिहटा ऐलिवेटेड सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। बिहटा एयरपोर्ट के निर्माण से और कनेक्टिविटी बढ़ेगी तथा पटना एयरपोर्ट पर पड़नेवाला भार भी कम होगा। साथ ही रोजगार और कारोबार के अवसर भी बढ़ेंगे। उल्लेखनीय है कि बिहार कैबिनेट ने हवाई संपर्क और क्षेत्रीय विकास को सुदृढ़ करने के लिए कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी है।

रंग लगाने से मना करने पर युवक की हत्या

जयपुर। राजस्थान के दौसा जिले में तीन लोगों ने रंग लगाने से मना करने पर 25 वर्षीय युवक की कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी अशोक, बबलू और कालूराम स्थानीय पुस्तकालय में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हंसराज को रंग लगाने पहुंचे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) दिनेश अग्रवाल ने बताया कि जब हंसराज ने रंग लगवाने से मना कर दिया तो तीनों ने पहले उसकी लात-घूंसों और बेल्ट से पिटाई की और बाद में गला घोंटकर हत्या कर दी। घटना से गुस्साए परिवार के सदस्यों और ग्रामीणों ने बाद में हंसराज के शव के साथ प्रदर्शन किया और इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने हंसराज के परिवार को 50 लाख रुपये का मुआवजा देने, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और तीनों आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

रोज वैली चिटफंड घोटाले की जब्त जमीन पर अतिक्रमण, ईडी ने दी सख्त चेतावनी

एजेंसी। कोलकाता

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल सरकार को एक आधिकारिक पत्र भेजकर रोज वैली ग्रुप की जब्त की गई जमीन पर हो रहे अतिक्रमण को लेकर सख्त चेतावनी दी है। यह वही जमीन है, जिसे चिटफंड घोटाले में जब्त किया गया था और अब इसके जरिए निवेशकों का पैसा लौटाने की प्रक्रिया चल रही है।

ईडी ने इस मामले में राज्य सरकार से तुरंत कार्रवाई करने और जब्त संपत्तियों को अतिक्रमण से मुक्त कराने की मांग की है। इस पत्र पर सिर्फ ईडी ही नहीं, बल्कि संपत्ति निपटान समिति (एसेट डिस्पोजल कमेटी) के भी हस्ताक्षर हैं, जिसे निवेशकों को पैसे लौटाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सूत्रों के अनुसार, केवल पश्चिम बंगाल ही नहीं, बल्कि ओडिशा, बिहार, त्रिपुरा और झारखंड समेत कई अन्य राज्यों में भी रोज वैली ग्रुप की जब्त जमीन पर अतिक्रमण की शिकायतें मिली हैं।

उत्तर दक्षिण की राजनीति में मुरुगन ने सीमाएं लांघीं

उत्तर भारत में एक महिला पांच दस पुरुषों से विवाह कर सकती है : मुरुगन

दिल्ली। एजेंसी

उत्तर-दक्षिण विभाजन गुरुवार को और गहरा गया जब तमिलनाडु के वरिष्ठ मंत्री दुरई मुरुगन ने आरोप लगाया कि उत्तर भारत की संस्कृति में कई पति-पत्नी रखना शामिल है और चेतावनी दी कि तमिलों का अपमान करने वालों की जीभ काट दी जाएगी। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब प्रस्तावित परिसीमन अभ्यास ने भाषा युद्ध के बीच तमिलनाडु और केंद्र के बीच बढ़ती दुश्मनी को और बढ़ा दिया है। एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए, अपनी बेबाक टिप्पणियों के लिए प्रसिद्ध मुरुगन ने कहा कि तमिल रीति-रिवाजों के विपरीत, उत्तर भारतीय परंपराएं बहुविवाह और बहुशासन को बढ़ावा देती हैं। महाभारत से तुलना करते हुए मंत्री ने आरोप लगाया कि उत्तर भारतीय संस्कृति में एक महिला को पांच या दस पुरुषों से शादी करने की अनुमति है। इस टिप्पणी को महाभारत में द्रौपदी के पांच पांडवों से विवाह के संदर्भ के रूप में देखा जा रहा है। मुरुगन ने कहा कि हमारी संस्कृति में एक पुरुष एक महिला से विवाह करता है। लेकिन उत्तर भारत में एक महिला पांच या दस पुरुषों से विवाह कर सकती है। साथ ही, पांच पुरुष एक महिला से विवाह कर सकते हैं। यह उनकी संस्कृति है। अगर एक चला गया तो दूसरा आ जाएगा।

होली को लेकर संभल में हाई अलर्ट पर प्रशासन

भारी संख्या में सुरक्षाबल की तैनाती

संभल(आईएएनएस)। होली और रमजान के जुमे की नमाज एक दिन पड़ने के कारण उत्तर प्रदेश प्रशासन अलर्ट है। संवेदनशील जिलों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। संभल में भी प्रशासन हाई अलर्ट पर है। डीएम राजेंद्र पैंसिया और एसपी कृष्ण बिश्नोई ने गुरुवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से खास बात की। होली को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के बारे में डीएम राजेंद्र पैंसिया ने कहा, "संभल में सब कुछ सामान्य है। दोनों पक्षों की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हुए हैं। आज 1,212 स्थानों पर होलिका दहन होना है। इसके अलावा, 16 स्थानों पर मेले हैं और कई जगहों पर जुलूस तथा शोभा यात्राएं निकाली जानी हैं। हमारी टीम ने सभी स्थानों का भ्रमण कर लिया है। ग्रामवार, थानावार और जनपद स्तर पर शांति समिति की बैठक सभी के साथ संपन्न हुई है। सभी ने विश्वास दिलाया है कि इस बार पर्व मनाने में सभी सहयोग देंगे।"

होली के दिन संभल में मस्जिदों को ढंकने वाली खबर पर डीएम ने कहा, "इस पर मैं सभी का कन्फ्यूजन दूर करना चाहता हूं। हमने मस्जिदों को ढंकवाया नहीं है, बल्कि सभी को कहा था कि सामान्य और सौहार्द्रपूर्ण रूप से जैसे पहले होली मनती आई है, वैसे ही अभी भी मनानी चाहिए। लेकिन नौ मस्जिदों ने अपनी दीवारों को ढंका है। नगर पालिका, पुलिस और प्रशासन की तरफ से किसी मस्जिद को नहीं ढंकवाया गया है। त्योहार के दिन पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है।" एसपी कृष्ण बिश्नोई ने बताया, "पूरे संभल जनपद में 1,212 जगहों पर होलिका दहन होना है। होली के दिन 64 जुलूस निकलने हैं। सभी चीजों के लिए पूरी तैयारी कर ली गई है। जहां-जहां होलिका दहन होगा, वहां पर नोडल अधिकारी जाएंगे।

बिहार में होली को लेकर चौकस रहेगी सुरक्षा व्यवस्था

पटना। बिहार में होली मनाने को लेकर हुई बयानबाजियों के बीच इस रंगोत्सव को लेकर सुरक्षा की चौकस व्यवस्था की गई है। हुड़दंगियों और शांति व्यवस्था भंग करने वालों पर विशेष नजर रखी जा रही है। पटना में करीब 600 स्थानों पर दंडाधिकारियों और करीब पांच हजार जवानों को तैनात किया गया है। जुम्मे और होली को देखते हुए प्रशासन अलर्ट पर है। बिहार में होली 14 और 15 मार्च को मनाई जाएगी। पुलिस महानिदेशक विनय कुमार ने प्रदेशवासियों से आपसी सौहार्द बनाए रखने की अपील की है।

वोटर मामले पर अभिषेक बनर्जी की बैठक

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी 15 मार्च को एक वर्चुअल बैठक करने जा रहे हैं, जिसमें फर्जी मतदाताओं की पहचान के मुद्दे पर चर्चा होगी। इस बैठक में केवल कोर कमेटी के सदस्य ही नहीं, बल्कि सांसद, विधायक, जिलाध्यक्ष, नगर निगम के चेयरमैन और अन्य शीर्ष पदाधिकारी भी शामिल होंगे।

छह मार्च को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा गठित कमेटी की पहली बैठक तृणमूल भवन में हुई थी, जिसमें फर्जी मतदाताओं की पहचान को लेकर रणनीति बनाई गई थी। इसके बाद तय हुआ कि अगली बैठक 15 मार्च को होगी। शुरुआत में यह बैठक 16 मार्च के लिए तय की गई थी, लेकिन बाद में इसे फिर से 15 मार्च को करने की घोषणा की गई।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सबसे पहले विधानसभा में इस मुद्दे को उठाया था। इसके बाद नेताजी इंडोर स्टेडियम में तृणमूल की एक बड़ी सभा में भी उन्होंने इस पर भाजपा पर हमला बोला था। उन्होंने आरोप लगाया था कि भाजपा चुनाव आयोग की मदद से फर्जी वोटर तैयार कर 2026 के विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने की कोशिश कर रही है।

पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे 24 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एक सप्ताह तक चले अभियान में दक्षिण और दक्षिण-पूर्वी दिल्ली से दो नाबालिगों समेत 24 अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को हिरासत में लिया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि दक्षिण दिल्ली से 13 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया जबकि दक्षिण-पूर्वी दिल्ली से दो नाबालिगों समेत 11 अवैध प्रवासियों को हिरासत में लिया गया। उन्होंने बताया कि अभियान छह मार्च को शुरू हुआ था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा राजधानी की कानून-व्यवस्था की स्थिति पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करने के निर्देश के कुछ दिनों बाद यह कार्रवाई की गई। संयुक्त पुलिस आयुक्त एस के जैन ने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों के पास बांग्लादेश सरकार द्वारा जारी राष्ट्रीय पहचान पत्र पाए गए। उन्होंने बताया कि भारत में प्रवेश करने के बाद अवैध प्रवासियों ने कथित तौर पर स्थानीय संपर्कों का इस्तेमाल करके धोखाधड़ी से भारतीय पहचान दस्तावेज हासिल किए। जैन ने बताया, "जाली दस्तावेजों को अब रद्द करने के लिए संबंधित अधिकारियों को भेजा जा रहा है।" अधिकारी ने बताया कि भारतीय पहचान पत्र हासिल करने में उनकी मदद करने वाले स्थानीय संपर्कों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों को विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय के माध्यम से निर्वासित करने की प्रक्रिया जारी है।

दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क आज भारत में : अमित शाह

भारत सरकार **500 बिस्तर** वाला अत्याधुनिक अस्पताल बनाने जा रही है।

राष्ट्रीय राजमार्ग में **60 प्रतिशत** बढ़ोतरी करने का काम मोदी सरकार ने किया है।

नई दिल्ली(हि.स.)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क, तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो रेल नेटवर्क और चौथा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क आज भारत में है। उन्होंने कहा कि देश में आज 136 वंदेभारत ट्रेन चल रही है और 97 प्रतिशत ब्रॉडगेज नेटवर्क का इलेक्ट्रिफिकेशन पूरा हो चुका है।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गुजरात के अहमदाबाद में 146 करोड़ रुपये की लागत वाले विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज तीन परियोजनाओं का ई-लोकार्पण और ई-शिलान्यास हो रहा है। इनमें 60 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला साणंद-चेखला-कडी रोड पर अहमदाबाद-विरमगाम रेलवे ट्रैक पर लगभग 1 किलोमीटर लंबे रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण शामिल है। शाह ने कहा कि इस ओवरब्रिज के बनने के बाद स्थानीय नागरिकों को आवागमन में बहुत सुविधा हो जाएगी। अमित शाह ने कहा कि आज नेशनल हाईवे संख्या 147 पर नर्मदा नहर पर 36.30 करोड़ रुपये की लागत से 4 लेन पुल का निर्माण और 45 करोड़ रुपये की लागत से सरखेज-गांधीनगर (एसजी) हाईवे छारोडी पर फ्लाई-ओवरब्रिज का भी भूमिपूजन हुआ। उन्होंने कहा कि ये सभी विकास कार्य गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र के चार विधानसभा क्षेत्रों में विकास के नए आयाम सिद्ध करेंगे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में हजारों करोड़ रुपये की लागत से कई विकास कार्य पूरे किए हैं। इन्फ्रास्ट्रक्चर की दृष्टि से गुजरात आज पूरे भारत में पहले स्थान पर है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में न सिर्फ साणंद तालुका, कलोल विधानसभा क्षेत्र और गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में विकास कार्य हुए हैं बल्कि पूरे गुजरात में विकास हुआ है। शाह ने कहा कि इन इन्फ्रास्ट्रक्चर के कार्यों से क्षेत्रवासियों का जीवन अधिक सुगम होगा और कनेक्टिविटी आसान होगी, जिससे रोजगार, उद्योग व व्यापार को नई गति मिलेगी।

बांग्लादेश के आंतरिक मामलों में भारत का हस्तक्षेप अनुचित : आलम

ढाका। बांग्लादेश ने चुनाव, कानून-व्यवस्था और अल्पसंख्यक मुद्दों पर भारत की हालिया टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। बांग्लादेश का मानना है कि यह पूरी तरह से उसके आंतरिक मामले हैं, इसलिए इस पर भारत को दखल नहीं देना चाहिए। ढाका ट्रिब्यून अखबार के अनुसार विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मोहम्मद रफीक उल आलम ने शुक्रवार को यहां मीडिया ब्रीफिंग में एक सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की। प्रवक्ता आलम ने कहा कि नई दिल्ली की इस तरह की टिप्पणियां अनुचित हैं। यह दूसरे देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप के समान है। बांग्लादेश आपसी सम्मान, विश्वास और समझ के आधार पर भारत के साथ मैत्रीपूर्ण और रचनात्मक संबंध बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रवक्ता ने कहा कि ढाका को उम्मीद है कि भारत सरकार के संबंधित अधिकारी ऐसी टिप्पणियों की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे।

डोमिनिकन गणराज्य में समुद्र तट से लापता भारतीय छात्रा की तलाश तेज

वाशिंगटन(हि.स.)। अमेरिकी अधिकारियों ने मार्च के पहले हफ्ते से डोमिनिकन गणराज्य से लापता 20 वर्षीय भारतीय छात्रा सुदीक्षा कोनांकी की तलाश तेज कर दी है। जांच अधिकारियों ने पूछताछ के लिए एक व्यक्ति को चिह्नित किया है। इस व्यक्ति की उम्र 24 साल बताई गई है। सुदीक्षा अमेरिका की स्थायी निवासी हैं। उसे आखिरी बार डोमिनिकन गणराज्य के पुंटा काना शहर के रिउ रिपब्लिक रिसॉर्ट में छह मार्च को देखा गया था। सीएनएन की खबर के अनुसार सातवें दिन तक की जांच में साफ हुआ है कि पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय की छात्रा सुदीक्षा अन्य लोगों के साथ रिउ रिपब्लिक होटल के समुद्र तट पर थी। तभी से वह गायब है। जांच दल में संयुक्त राज्य अमेरिका, डोमिनिकन गणराज्य और भारत के अधिकारी शामिल हैं। उसकी हवाई, समुद्री और जमीनी स्तर पर खोजबीन शुरू की गई है। कोनांकी का परिवार मूल रूप से वर्जीनिया के लाउडन काउंटी में रहता है।

रमजान के दौरान 18 घंटे तक बिजली गुल, सामान्य जनजीवन प्रभावित

एजेंसी

कराची। पाकिस्तान के कराची में 18 घंटे से अधिक समय से बिजली कटौती के कारण रमजान के पवित्र महीने के दौरान लोगों को काफी असुविधा का समाना करना पड़ा। स्थानीय मीडिया ने गुरुवार को यह जानकारी दी। पाकिस्तान के प्रमुख दैनिक 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के अनुसार, नागरिकों ने कहा कि लंबे समय से बिजली कटौती और बढ़ते तापमान के कारण उन्हें रमजान के दौरान उपवास रखना, नमाज अदा करने और यहां तक कि अन्य दैनिक कार्य करने में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। प्रभावित नागरिक मुख्य रूप से शहर के अधिकांश क्षेत्रों में गरीब और मध्यम वर्ग से हैं, जो बिजली कटौती के कारण सबसे खराब स्थिति का सामना कर रहे हैं, जिससे नागरिकों का जीवन दयनीय हो गया है।

पिछले महीने कराची में बिजली कटौती और पानी की कमी के खिलाफ बड़े पैमाने पर सार्वजनिक प्रदर्शन हुए। लोगों ने लंबे समय तक पानी और बिजली के बिना रहने के कारण विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों ने टायरों में आग लगाई और सड़कों को अवरुद्ध कर दिया। उनका कहना था कि उनके क्षेत्र में लगातार चार दिनों से बिजली की आपूर्ति बाधित रही है।

भोजपुरी भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल कर बड़ा राजनीतिक दांव खेलने की तैयारी

सुनील बादल

नई दिल्ली । चर्चा है कि इस बार बिहार चुनाव में भोजपुरी पर बड़ा दांव खेला जाएगा जिससे पूर्वांचल के संग बिहार के आगामी चुनाव में इसका बड़ा लाभ मिल सकता है । पूर्वांचल की संपर्क भाषा भोजपुरी को अभी तक संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल नहीं किया गया है। हालांकि, भोजपुरी को इस सूची में शामिल करने की मांग लगातार उठती रही है। भोजपुरी के समर्थक मानते हैं कि यह दुनिया भर में 25 करोड़ लोगों द्वारा बोली जाती है। भोजपुरी को मॉरीशस और नेपाल में संवैधानिक मान्यता प्राप्त है। भोजपुरी बहुत पुरानी भाषा है और भोजपुरी को यूनेस्को ने लुप्तप्राय भाषा घोषित किया है। भोजपुरी भाषियों ने इसे विदेशों तक पहुंचा दिया है। देश के अनेक कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में भोजपुरी भाषा की पढ़ाई होती है। भोजपुरी को आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर कई बार प्रदर्शन किया गया है।

संसद के कई सत्रों में कई सांसदों ने इस मुद्दे को उठाया है। सरकार की ओर से अलग-अलग भाषाओं को आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर जांच कमेटी गठित की गई थी। अभी प्रधानमंत्री मोदी की मॉरीशस यात्रा की ब्रीफिंग विदेश मंत्रालय ने भोजपुरी में की थी क्योंकि बिहार यूपी मूल के गिरमिटिया मजदूरों ने कुछ अपभ्रंश जिसमें फ्रेंच के भी शब्द हैं न सिर्फ भोजपुरी को जीवित रखा है बल्कि भारतीय संस्कृति को भी बचा कर रखा है । आठवीं अनुसूची में शामिल किए जाने पर न सिर्फ लाखों लोगों को रोजगार मिलेगा बल्कि इस लोकभाषा को भाषा का सम्मान और संरक्षण भी मिलेगा ।

होली के हुड़दंग में रंग, पानी ,कीचड़ आदि से अपने फ़ोन को कैसे बचाएं

ब्यूरो

नई दिल्ली। होली के हुड़दंग में , एक दूसरे पर दौड़ाकर रंग डालने ,जबरिया न छूटनेवाले रंग या कीचड़ आदि डालने , उड़ेलने के माहौल में कब, कहां , कैसे पानी , गुलाल , रंग ,कीचड़ आदि आपके ऊपर पड़ जाए, आपके सामने वाले जेब में रखे या हाथ में लिए या नीचे जेब में रखे फ़ोन में अंदर चला जाए , क्षतिग्रस्त हो जाए , कहा नहीं जा सकता ।यह होने पर आपको बहुत नुकसान हो सकता है। इसलिए होली की मस्ती में डूबने से पहले अपने फोन की सुरक्षा को पूरा इंतजाम कर लें। इसके लिए कई फ़ोन इंजीनियर से बात करने पर वे कहते हैं- यदि आप भांग खाकर या शराब पीकर हुड़दंगी होली खेलने जा रहे हैं , तो अच्छा होगा अपने साथ अपना फ़ोन ही नहीं ले जाएँ। लेकिन आज जो हालात है उसमें ज्यादातर लोगों के लिए अपनी पत्नी को घर छोड़ देना मंजूर है , फ़ोन छोड़ना नहीं।और यदि फोन साथ ले जाने की इतनी ही मजबूरी है, और हुड़दंगी होली भी खेलनी है, तो अपने फोन के सभी खुले हिस्सों को एक टेप लगा कर ढंक दें। जैसे - माइक, चार्जिंग पोर्ट, हेडफोन जैक, स्पीकर को टेप लगाकर ढक दें। यदि आप होली के दौरान घर के आप-पास हैं तो ब्लूटूथ डिवाइस का प्रयोग कर सकते हैं। ज्यादातर ब्लूटूथ वाटरप्रूफ होते हैं और फोन बचा रहेगा। या सस्ता ईयरफोन भी ले सकते हैं और उसी से बात करें। यदि वह खराब भी होता है तो ज्यादा नुकसान नहीं होगा।

प्लास्टिक बैग- यदि आप किसी तरह कोई खर्च नहीं करना चाहते तो एक छोटा सा प्लास्टिक लें , उसमें होली से पहले अपने फोन को प्लास्टिक पाउच में रखकर उसे बचा सकते हैं।

लेमिनेशन- लेमिनेशन कराना भी एक विकल्प है। लेकिन इससे फोन की शक्ल थोड़ी खराब हो जाती है , लेकिन महंगे फोन को बचाने के लिए कुछ दिन यदि लेमिनेशन में ही रहे तो खराब होने से बच ही सकती है। लेमिनेशन कराने का खर्च भी कम होता है ।

सावधानी- यदि फोन में पानी चला जाए तो उसको ऑन करने की गलती ना करें। सिम कार्ड और बाकी चीजें हटा लें। बीच-बीच में फोन की पोजीशन भी बदलते रहें। ऐसा करने से आपके फोन के अंदर घुसा सारा पानी निकल जाएगा। हेयर ड्रायर से सुखाने की भी गलती न करें। फोन को चावल में रखने की गलती ना करें।

कहानी **फिल्म जगत** की

श्रीलीला को डेट कर रहे हैं कार्तिक आर्यन?

अभिनेता कार्तिक आर्यन की निजी जिंदगी सुर्खियों में है। बॉलीवुड गलियारों में उड़ रही अफवाहों के अनुसार, अभिनेता साउथ अभिनेत्री श्रीलीला को डेट कर रहे हैं। इन अफवाहों पर अभिनेता की मां और नोरा फतेही ने IIFA अवार्ड्स के दौरान लगभग मुहर लगा दी। बता दें, कार्तिक और श्रीलीला जल्द ही अनुराग बसु द्वारा निर्देशित एक अनिर्धारित फिल्म में भी स्क्रीन साझा करेंगे।

● नोरा फतेही ने कार्तिक की लव लाइफ का मजाक उड़ाया

नोरा फतेही ने हाल ही में आईफा अवार्ड्स में कार्तिक की लव लाइफ का मजाक उड़ाया। शो की मेजबानी कर रहे करण जौहर ने नोरा से पूछा कि क्या आप प्रथम श्रेणी के टिकट से लंदन जाएंगी? इस पर नोरा ने पूछा, 'क्या मैं आपके साथ जा रही हूं?' इस पर नोरा ने पूछा, "क्या मैं आपके साथ जा रही हूं?" हालांकि, केजेओ ने तब स्पष्ट किया कि वह कार्तिक आर्यन के बारे में बात कर रहे थे। करण ने फिर नोरा से पूछा कि क्या वह सिंगल हैं, उन्होंने कहा, 'आपने मुझे कल रात यह बताया।' इस पर प्रतिक्रिया देते हुए नोरा ने कार्तिक को चिढ़ाते हुए उन पर कटाक्ष किया, 'कोई है इस इंडस्ट्री में जिसको आपने डेट नहीं किया।'

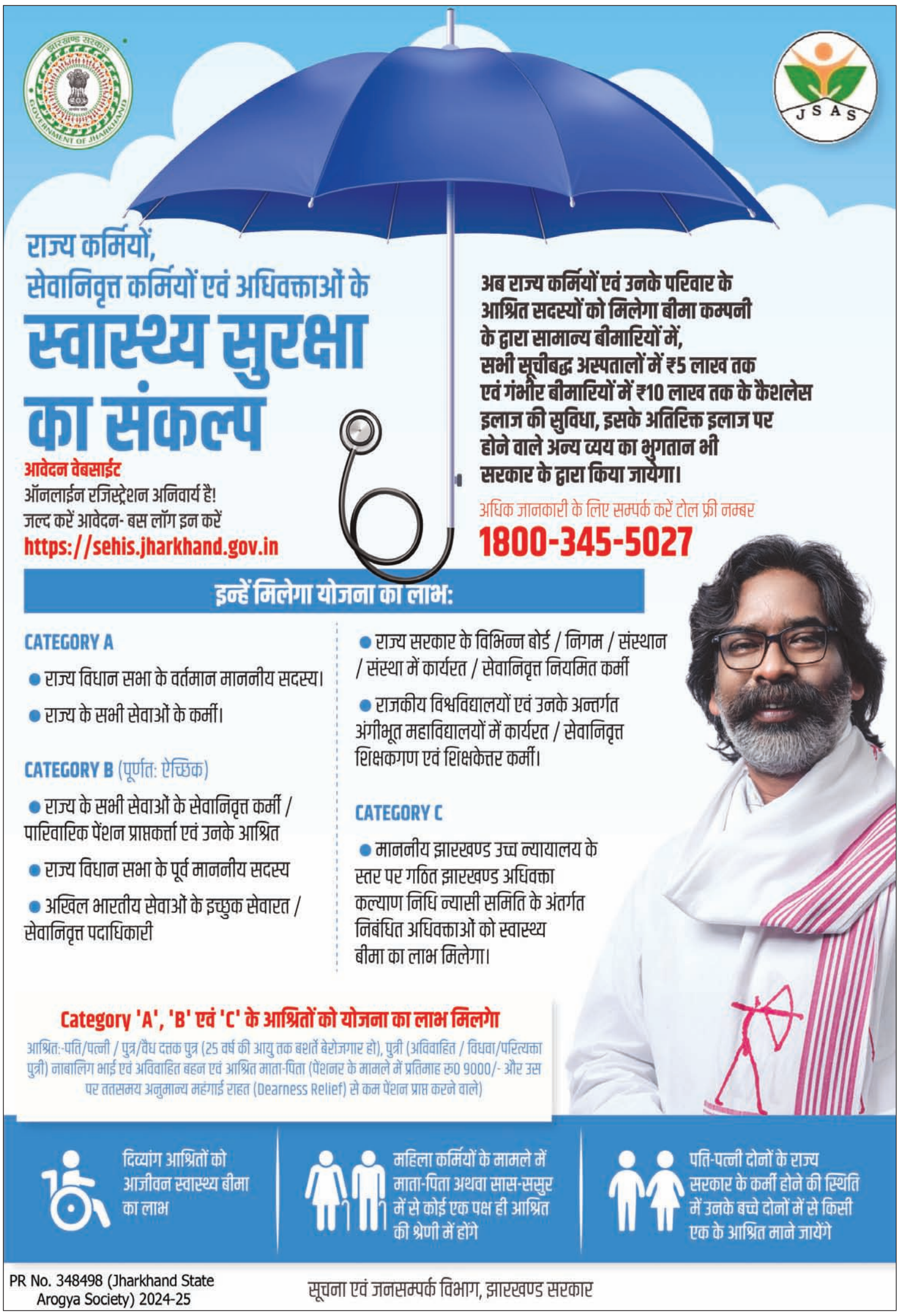

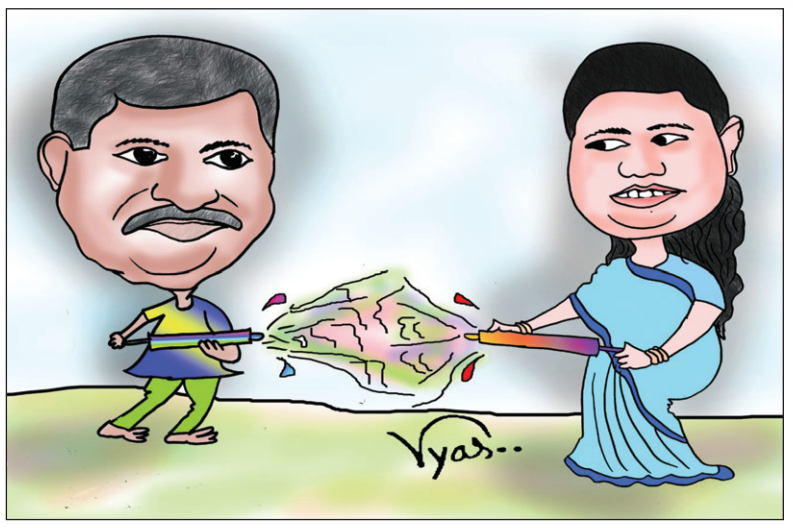

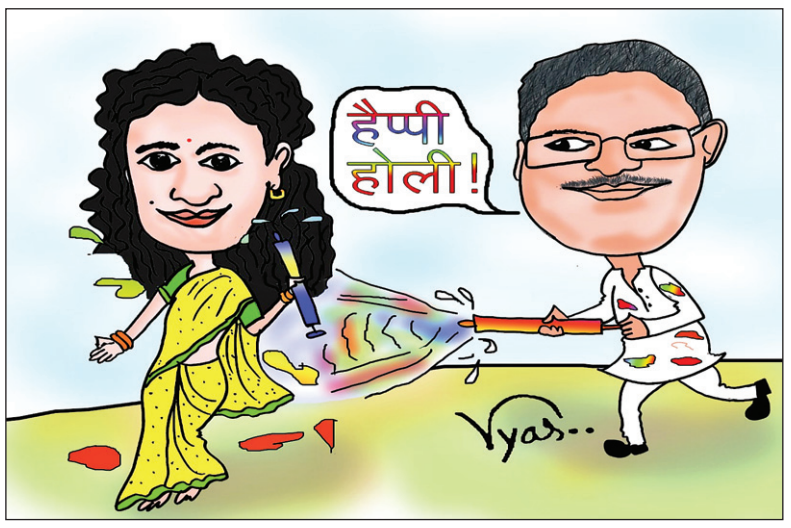

चैंबर भवन में होली मिलन समारोह

होली हमें देश की संस्कृति का संदेश देता है : किशोर मंत्री

नवीन मेल संवाददाता

रांची। फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के फिल्म, कला संस्कृति उप समिति के द्वारा चैंबर भवन में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उप समिति के सदस्यों द्वारा एक से बढ़कर एक संगीतमय प्रस्तुति से उपस्थित चैंबर सदस्यों का मनोरंजन किया गया।

मौके पर चैंबर के पूर्व अध्यक्ष विनय अग्रवाल और किशोर मंत्री ने होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि होली का त्योहार हमें देश की सभ्यता, संस्कृति और एकता का संदेश देता है। हम सभी को रंगों की तरह ही आपस में मिलजुल कर रहना चाहिए।

कार्यक्रम में रांची के सदर अनुमंडल पदाधिकारी उत्कर्ष कुमार ने शामिल होकर चैंबर सदस्यों को होली की बधाई दी। चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी ने होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रंगों का यह त्योहार सभी प्रदेशवासियों के लिए खुशी लेकर आए, यह कामना करता हू। महासचिव आदित्य मल्होत्रा ने प्रदेश के सभी व्यापारियों, उद्यमियों और प्रोफेशनल्स को होली की शुभकामनाएं देते हुए सौहार्दपूर्ण वातावरण में होली मनाने की अपील की।

मौके पर चैंबर के सह सचिव विकास विजयवर्गीय, नवजोत अलग, कार्यकारिणी सदस्य डॉ0 अभिषेक रामाधीन, फिल्म कला संस्कृति उप समिति के चेयरमेन आनंद जालान, निरंजन शर्मा, राजीव चौधरी, किशन अग्रवाल, प्रेमशंकर मिश्रा, एनके पाटोदिया, कुणाल विजयवर्गीय, रमेश साहू, विजय शंकर, मुकेश पांडे, तेजविंदर सिंह, राजकिशोर यादव, प्रमोद सारस्वत, एसपी सिंह, आर्नदेश्वर, पूनम आनंद, रामचंद्र कुमार, अंकिता वर्मा, एस.सी जैन, श्रवण राजगढ़िया, दीपक टांटिया के अलावा कई लोग शामिल थे।

होलिका दहन के सुबह डांडा रोपण व ठंडी होली की पूजा व रात को हुई विशेष पूजा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा कि मारवाड़ी समाज में होली का पर्व अत्यंत हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया जाता है। यह त्योहार रंगों और उमंगों का प्रतीक होता है, जिसमें लोग एक-दूसरे से मिलकर खुशियाँ बांटते हैं और पुराने गिले-शिकवे भूलकर नए संबंधों की शुरूआत करते हैं। होली का पर्व खासतौर पर सामाजिक मेलजोल का अवसर होता है, जब परिवार, मित्र और रिश्तेदार एकत्रित होते हैं।मारवाड़ी समाज में होली की तैयारियाँ एक सप्ताह पहले ही शुरू हो जाती हैं। होलिका दहन की रात को विशेष पूजा और अग्नि की परिक्रमा की जाती है। प्रत्येक घर में महिलाएं द्वारा गोबर से बना बड़कुला तैयार की जाती है। जिसे

पूरे धार्मिक रीति रिवाज के साथ समाज की कुरीतियां को दूर करने के संकल्प के साथ दहन किया जाता है। होलिका दहन के सुबह राजस्थानी महिलाओं द्वारा डांडा-रोपण किया जाता है व ठंडी होली की पूजा विधिवत पूरे विधि विधान से की गई। होली का पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक होता है। अगले दिन रंगों की होली खेली जाती है, जिसमें गुलाल और पानी के रंगों से लोग एक-दूसरे को रंगते हैं। खासतौर पर इस दिन नृत्य और संगीत के साथ भव्य आयोजन होते हैं, जिनमें ढोल-नगाड़े और लोक संगीत की धुनों पर लोग झूमते हैं। होली मिलन समारोह का आयोजन किया जाता है। पकवानों की बात करें तो मारवाड़ी समाज में होली के दौरान विशेष पकवान बनाए जाते हैं। 'गुझिया' एक प्रमुख मिठाई है, जो आटे, सूजी, मावा, और ड्राई फ्रूट्स से भरकर तली जाती है। इसके अलावा 'ठंडाई' भी होली का पारंपरिक पेय है, जो दूध, बादाम, खसखस, गुलाब और मसालों के मिश्रण से बनता है। इसके साथ ही मठरी, मूंग भात, सुहाली, निमकी, हलुआ, पापड़ी, दही बड़ा, जैसे नमकीन पकवान भी बड़े चाव से खाए जाते हैं। इस प्रकार, मारवाड़ी समाज में होली न केवल एक धार्मिक पर्व है, बल्कि यह एक सामाजिक और सांस्कृतिक उत्सव भी है, जिसमें रंगों के साथ-साथ स्वादिष्ट पकवानों और परिवार के साथ मिलकर जीवन के अच्छे पलों का आनंद लिया जाता है।

सूरज मंडल ने की कोल इंडिया अध्यक्ष से मुलाकात

नवीन मेल संवाददाता

रांची। पूर्व सांसद और झारखंड मजदूर मोर्चा के अध्यक्ष और भाजपा नेता डॉ सूरज मंडल ने गुरुवार को कोल इंडिया के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक पीएम प्रसाद से मुलाकात की। इस दौरान डॉ मंडल ने कोल इंडिया के अध्यक्ष से झारखंड में अवैध कोयला खनन और ढुलाई पर रोक लगाने के लिये प्रभावी कदम उठाने के साथ ही कोयला खनन क्षेत्रों के समन्वित और संतुलित विकास के लिये कोल इंडिया के प्रयासों को बढ़ाने के लिये कहा। मौके पर डॉ मंडल ने कहा कि कोल इंडिया को अपने सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत अपनी भूमिका का और भी अधिक विस्तार करना चाहिये, क्योंकि कोयला क्षेत्रों में इसकी बेहद जरूरत है। वरिष्ठ भाजपा नेता के अनुसार प्रसाद ने उन्हें बताया कि श्रमिक और श्रमिक संगठनों के सहयोग से कोल इंडिया और इसकी सभी आनुशंगिक इकाइयां अपने उत्पादन को बढ़ाने के प्रति संकल्पित हैं। साथ ही न केवल कोयला मजदूरों और अधिकारी बल्कि कोयला खनन क्षेत्र में रहने वाले सभी लोगों को कोल इंडिया अपने परिवार के स्वरूप में ही देखती है जिनका कल्याण उसकी प्राथमिकता है।

होली आपसी भाईचारे और सौहार्द बढ़ाने वाला पर्व : आनंद जलान

नवीन मेल संवाददाता

रांची। एफजेसीसीआई के फिल्म आर्ट कल्चर विभाग के चेयरमैन आनंद जलान ने होली पर सबको बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि होली आपसी भाईचारे और सौहार्द को बढ़ाने वाला पर्व है। आपसी दुश्मनी भुलाकर सब मिलजुल कर होली मनाएं।

नशे में वाहन न चलाएं युवा : पीके भट्टाचार्य

एफजेसीसीआई के उपसचिव पीके भट्टाचार्य ने होली पर सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा है कि होली भाईचारे का पर्व है, जिसे पसंद नहीं उसे रंग न लगाएं। युवा नशे में वाहन न चलाएं।

होलिका दहन कर भेदभाव को जलाएं : परेश गट्टानी

एफजेसीसीआई के अध्यक्ष परेश गट्टानी ने होली पर सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा है कि होलिका दहन के दिन भेद-भाव भूला देनी चाहिए। प्रेम भाईचारे के साथ होली त्योहार मनाना चाहिए।

खूब होली खेलें लेकिन प्राकृतिक रंगों से : डॉ अभिषेक कुमार

एफजेसीसीआई के कार्यकारिणी अध्यक्ष सह इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष डॉ अभिषेक कुमार ने होली पर सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

उन्होंने कहा कि होली दुनिया के सभी त्योहारों में अनोखा है। खूब होली खेलें लेकिन प्राकृतिक रंगो से।

सबके जीवन में रंगबिरंगी खुशहाली आए : आदित्य

एफजेसीसीआई के महासचिव आदित्य मल्होत्रा ने होली पर सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि भेद-भाव, उंच-नीच भुलाकर सभी को गले लगाते हुए होली पर्व मनाएं।

होली में अनेक रंग होते हैं उसी तरह सबके जीवन में भी रंगबिरंगी खुशहाली आए।

मॉर्निंग कोर्ट समाप्त करने की व्यवस्था अगले आदेश तक स्थगित

रांची। राज्य की निचली अदालतों में चली आ रही मॉर्निंग कोर्ट की व्यवस्था फिलहाल बरकरार रहने की उम्मीद है। मॉर्निंग कोर्ट की व्यवस्था को समाप्त करने की अधिसूचना को 13 मार्च को अगले निर्देश तक स्थगित रखने को कहा गया है। इस संबंध में हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल मनोज प्रसाद ने रांची के न्यायायुक्त समेत राज्य के सभी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश को सूचित किया है। जिसमें कहा गया है कि 12 मार्च के आदेश के अनुक्रम में मॉर्निंग कोर्ट की व्यवस्था समाप्त करने के मामले को न्यायालय के अगले निर्देश तक स्थगित रखा जाए। बता दें कि 12 मार्च को झारखंड की निचली अदालतों में चली आ रही मार्निंग कोर्ट की व्यवस्था को समाप्त करने की अधिसूचना जारी की थी। वर्तमान में इसको स्थगित रखा गया है। मार्निंग कोर्ट की व्यवस्था अप्रैल के पहले सोमवार से शुरू होकर जून की आखिरी शनिवार तक रहती है।

होली की जश्न में सभी के भावनाओं का सम्मान जरूरी : प्राचार्य आईएचएम

नवीन मेल संवाददाता

रांची। आईएचएम रांची के प्राचार्य

डॉ भूपेश कुमार ने होली पर सबको बधाई दी और कहा कि होली रंगों, खुशियों और एकता का त्योहार है। हम इसे पूरे जोश और उत्साह के साथ अपने परिवार, सहयोगियों और विद्यार्थियों के साथ मनाएंगे। रेन डांस, चटख रंग और उमंग से भरा माहौल इस अवसर को और खास बनाएगा। लेकिन, जश्न मनाते समय हमें सभी की आस्थाओं और भावनाओं का सम्मान करना भी जरूरी है। इस वर्ष होली रमजान के दौरान ही होली मनाया जा रहा है। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारी खुशियां उपवास और इबादत करने वालों के लिए किसी तरह की असुविधा न बनें। यह त्योहार सभी के जीवन में प्रेम, सद्भावना और सम्मान का रंग भरे।

सीयूजे की आठ छात्राओं को मिला कैंपस प्लेसमेंट

रांची। केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड (सीयूजे) के बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग की आठ छात्राओं का एक्सिस बैंक लिमिटेड में कैंपस प्लेसमेंट हुआ है। जिन छात्राओं का चयन हुआ उनमें फातिमा खातून, अंजलि कुमारी, ईशा जयराज, चेतना कुमारी, निकिता राज, अनुराधा शाही, शिवानी और रुशाली कुमारी शामिल हैं। इन छात्राओं को कस्टमर रिलेशनशिप ऑफिसर के पद पर लगभग 4.50 लाख प्रति वर्ष का पैकेज मिला है। कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास ने सभी छात्राओं को बधाई दी।

सड़क सुरक्षा के मानकों का करें पालन : डीटीओ

नवीन मेल संवाददाता

रांची। जिला परिवहन पदाधिकारी अखिलेश कुमार ने होली पर सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा है कि होली रंगो का उत्साह का त्योहार है, सभी के जीवन में रंग -बिरंगी खुशियां आए। इस उमंग में अपने एवं दूसरे के सुरक्षा का भी ध्यान रखना है। सड़क सुरक्षा के मानकों का पालन करें, ओवर स्पीड से बचें, नशे में

वाहन न चलाएं और हेलमेट का उपयोग करें।

राष्ट्र सेवा फाउंडेशन का होली मिलन समारोह, लोगों ने कहा

होली आपसी प्रेम, सौहार्द व भाईचारे का प्रतीक है

नवीन मेल संवाददाता

रांची। विद्यानगर स्थित अबाकस कोचिंग सेंटर में राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के तत्वाधान में आरएसएफ महिला प्रदेश अध्यक्ष सह कोचिंग सेंटर की निदेशक सोनी सिंह द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह काआयोजन किया गया। इस समारोह में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी श्री सीताराम शरण जी महाराज बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रीय अध्यक्ष के द्वारा भक्ति भजन के साथ की गई। समारोह में उपस्थित सभी राष्ट्रप्रेमियों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी श्री सीताराम शरण जी महाराज एवं बतौर विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से उपस्थित सभी लोगों को होली की शुभकामनाएं दी। वहीं कहा कि होली का त्योहार आपसी प्रेम सौहार्द और भाईचारे का प्रतीक है। हमें इस पर्व को हर्षोल्लास और सौहार्द के साथ मनाना चाहिए, ताकि समाज में एकता प्रेम के साथ भाईचारा बना रहे। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म का सबसे बड़ा पर्व होली मिलन समारोह एकता और अखंडता की मिसाल कायम करता है। यह एक ऐसा पर्व है जो भाईचारे का संदेश विश्व भर में देता है।

समारोह में मुख्य रूप से देव सिंह, डॉक्टर अभिषेक कुमार सिन्हा, निर्भय कुमार, सुरजीत दीवान, संजय इंद्रजीत, आलोक कुमार तिवारी, मुकेश सिंह, कंचन जोशी, रेनू दुबे, पिंकी पांडेय, रीना सिंह, गरीमा सिंह, अंशु मंडल, समीक्षा कुमारी सहित कई शामिल थे।

राज्यभर में अलर्ट

होली पर रैप, रैफ से लेकर होमगार्ड तक की तैनाती

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्यभर में होली के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, होली के दौरान असमाजिक तत्व माहौल खराब न करें, साथ ही विधि व्यवस्था की समस्या न हो, इसके लिए राज्यभर में सीआरपीएफ की रैफ की बटालियन के साथ-साथ राज्य पुलिस की रैप, टीयर गैस यूनिट की तैनाती भी संवेदनशील स्थानों पर की गई है। राज्यभर में तकरीबन पांच हजार होमगार्ड व उतनी ही संख्या में लाठीधारी पुलिस व महिला बलों की तैनाती भी की गई है। किस डीआईजी के अधीन कितने बलों की तैनाती किसी भी जिले में आपात स्थिति से निपटने के लिए आईजी व डीआईजी रैंक के अधिकारियों के साथ भी विशेष दस्ता तैनात किया गया है। हजारीबाग, पलामू डीआईजी के सार्वधिक 40-40, जबकि रांची, चाईबासा डीआईजी के अधीन 30, बोकारो व दुमका डीआईजी के अधीन 35 जवानों की तैनाती रहेगी। राजधानी रांची में रैप की तीन कंपनियों की तैनाती की गई है। वहीं संवेदनशील चिन्हित जगह पर दो टीयर गैस व 500 से अधिक होमगार्ड, 1500 के करीब लाठीधारी महिला पुलिस जवानों की तैनाती की गई है। जमशेदपुर, हजारीबाग, पलामू, लोहरदगा, दुमका में भी सीआरपीएफ के बलों की तैनाती की गई है।

पृष्ठ एक के शेष

पीएलएफआई का शीर्ष...

घेराबंदी की और दबिश देकर दुर्गा सिंह को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से एक डबल बैरल राइफल, एक देशी पिस्तौल, 8 जिंदा कारतूस, पीएलएफआई संगठन के पर्चे, एक मोबाइल और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस का दावा है कि यह नक्सली लंबे समय से क्षेत्र में संगठन को पुनर्गठित करने की कोशिश कर रहा था। गुमला पुलिस अधीक्षक ने बताया कि दुर्गा सिंह पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप के जेल जाने के बाद संगठन की गतिविधियों को संचालित कर रहा था। दुर्गा सिंह के खिलाफ गुमला और आसपास के अन्य जिलों में हत्या, अपहरण, रंगदारी वसूलने और पुलिस पर हमले सहित कुल 18 गंभीर मामले दर्ज हैं। यह कुख्यात उग्रवादी लंबे समय से पुलिस के रडार पर था और इसकी गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा था। इस पूरे ऑपरेशन में बसिया के एसडीपीओ नाजिर अख्तर, कामडारा थाना प्रभारी संतोष प्रकाश, क्यूआरटी टीम और एसएसबी 32 बटालियन के जवानों की प्रमुख भूमिका रही। गुमला पुलिस ने इसे एक बड़ी उपलब्धि करार देते हुए कहा कि भविष्य में भी नक्सलियों और उग्रवादियों के खिलाफ ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे।

एक वर्ष में बरामद हुए 43 आईईडी बम : एसपी शंभु सिंह ने बताया कि गुमला पुलिस ने पिछले एक वर्ष में नक्सल विरोधी अभियान में उल्लेखनीय सफलताएं प्राप्त की हैं। अब तक 19 लाख रुपए के इनामी नक्सलियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इसके अलावा 43 आईईडी, बड़ी संख्या में हथियार और भारी मात्रा में कारतूस बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि पीएलएफआई, टीपीसी और एमसीसी जैसे उग्रवादी और नक्सली संगठनों को कमजोर करने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

एसपी ने की आम जनता से सहयोग की अपील : गुमला पुलिस अधीक्षक शंभु कुमार सिंह ने क्षेत्र के लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी वे तुरंत पुलिस को दें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पुलिस नागरिकों की पहचान गुप्त रखेगी। कहा कि नक्सलवाद के सफाए में जनता की भागीदारी सबसे अहम है।

दलितों व आदिवासियों की समस्याओं का नहीं हो रहा समाधान : विजय

रांची। आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक प्रत्याशी विजय शंकर नायक ने सिरम टोली के मुख्य द्वार पर फ्लाई ओवर से रैम्प हटाने की मांग को लेकर आदिवासी समाज द्वारा मानव श्रृंखला बना कर आंदोलन करने पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होने कहा कि आदिवासी समाज लगातार इस समस्या के समाधान को लेकर आंदोलित है। आन्दोलन का असर यह है कि मंत्री चमरा लिंडा एवं खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने आदिवासी समाज के बीच जाकर उक्त स्थल का निरीक्षण किया। साथ पथ निर्माण विभाग के रांची प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता को स्थल पर बुलाकर सब समझाया। वहीं इसके सामाधान का भी निर्देश दिया। खुद मंत्री चमरा लिंडा और विधायक राजेश कच्छप ने सीएम से मिलकर आदिवासी समाज के भावनाओ से अवगत कराया।

होली के रंगों के संग सौहार्द और वित्तीय सजगता जरूरी : प्रेम रंजन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भारतीय रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन प्रसाद सिंह ने होली पर लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि होली का पर्व हमारी सांस्कृतिक विविधता और एकता का प्रतीक है। यह त्योहार न केवल रंग, उमंग, सुवास और उल्लास का संगम है, बल्कि आपसी भाईचारे, सौहार्द और प्रेम का पैगाम भी सब तक पहुंचाता है।

उन्होंने कहा कि होली का महापर्व हमें यह सिखाता है कि मन से किसी भी प्रकार की कटुता, ईर्ष्या और द्वेष को मिटा कर प्रेम और सहभागिता का मार्ग अपनाना चाहिए। साथ ही उन्होंने पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बने रहने का संदेश दिया और रासायनिक रंगों

के स्थान पर प्राकृतिक रंगों के उपयोग करने की बात कही। उन्होंने सबसे वित्तीय जागरूकता व ज़िम्मेदारी को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाने की सलाह दी ।

नशा कारोबार के खिलाफ रांची पुलिस की कार्रवाई

महिला समेत चार तस्कर गिरफ्तार

रांची। नशा कारोबार के खिलाफ रांची पुलिस ने कार्रवाई करते हुए महिला समेत चार तस्कर को गिरफ्तार किया है। डीआईजी सह एसएसपी चंदन सिन्हा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने तुपुदाना इलाके कार्रवाई करते हुए खूंटी से रांची आ रही अफीम की चार किलो अफीम बरामद किया। जिसका अनुमानित कीमत 10 लाख रुपए आंकी गई है। इस अफीम के साथ महिला समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में सोमा पूर्ति और सलोमी टोप्पो आपस में भाई बहन तो वहीं इनके साथ अजय मुर्मू और अनिल मरांडी को भी गिरफ्तार किया गया है। गुरुवार को मामले की जानकारी देते हुए रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि आरोपियों के पास से 10 लाख की अच्छी क्वालिटी की अफीम बरामद की गई है।

जीवन में उल्लास भरती 'होली'

विजय केसरी
(कथाकार / स्तंभकार)

होलीपर्व का नाम जेहनमें आते ही एक सुंदर-सी मुस्कान चेहरे पर उभर आती है और मन-मस्तिष्कमें खुशियां छा जाती हैं। भारत विविध संस्कृति वाला देश है। हमारे देशमें ऐसे कितने पर्व हैं, जो बड़े ही धूमधाम के साथ मनाएं जाते हैं, लेकिनहोलीकी बात ही कुछ निरालीहै।

होली मनुष्य के जीवन में उल्लास भर देती है। होलीमस्ती और आनंद से भरा एक त्यौहार है।इस पर्व में रंगों का बहुत ही महत्व है। लोग एक-दूसरे को रंग लगाकर आनंदित होते हैं। एक-दूसरे के साथ हंसी-मजाक और ठिठोली करते हैं। इसके साथ ही एक-दूसरे से बड़े आदर के साथ गले मिलते हैं। छोटे, बड़े का पैर छूकर आशीर्वाद भी लेते हैं। पति-पत्नी एक-दूसरे को रंग लगाकर स्वर्ग के समान आनंद का अनुभव करते हैं। पिता अपने पुत्र के माथे पर अबीर लगा कर लंबी उम्र का आशीर्वाद देते हैं। बहुएं अपनी सास के पैर पर अबीर लगाकर सदा सुहागिन होने का आशीर्वाद प्राप्त करती हैं।

होलीपर्व घर के माहौल को बिल्कुल ही खुशनुमा बना देता है। जीवन में चाहे कितनी परेशानियां क्यों न हो, होलीउन तमाम परेशानियों को कम से कम एक-दो दिनों के लिए पीछे कर देती है। होलीमतलब है, एक आनंद का पर्व। होलीएक-दूसरे से मिलने का अवसर प्रदान करती है। हममें से कुछ लोगरोजी-रोजगार के लिए अन्य प्रदेशों में चले जाते हैं। कुछ लोग तो विदेश भी चले जाते हैं। लेकिन, सबकी तमन्ना होती है किहोलीमें अपने गांव-घर की ओर लौटें। इनमें कई लोगों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। लेकिन, कई लोग अपने गांव-घर नहीं लौट पाते हैं। जोहोलीपर्व पर घर लौट पाते हैं, अपनों से मिलकरहोलीखेलते हैं । वे साथ मिलकर खाते हैं। अपनों को गुलाल लगाते हैं। उनके इस आनंद की अनुभूति को शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता है। होलीपर्व अपने-पराये का भेद मिटा देती है। आप खुद से अनुभव कर सकते हैं। जबहोलीपर आपके कोई रिश्तेदार पिछले कई वर्षों से साथ नहीं होलीमना पाए हैं, अगरहोलीमें वे आपके साथ होते हैं, तब दोनों जनकितना आनंदित होते हैं। होलीपर्व के संबंध में कई तरह की बातें प्रचलित है। यह पर्व संपूर्ण भारतमें बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है। विदेशों में भी जहां भारतीय मूल के लोग जहां जहां बसे हैं, वे सभी बड़े ही धूमधाम के साथहोलीपर मनाते हैं। होलीपर्व की शुरुआत भारतवर्षमें कब से शुरू हुई, कहना बड़ा मुश्किल है। यह एक शोध का विषय है। होलीपर्व से जुड़ी कई किस्से-कहानियां भगवान कृष्ण-माता राधा से प्रचलित है।

राधा-कृष्ण कीहोलीविश्व भरमें प्रसिद्ध है। द्वापर युगमें राधा-कृष्ण कीहोलीसे जुड़े गीत आज भी मथुरा वृंदावन सहित देश के विभिन्न राज्यों में गाए जाते हैं। राधा-कृष्ण कीहोलीआज भी लोगों के बीच मशहूर है। राधा-कृष्ण एक-दूसरे को गुलाल लगाते थे। एक-दूसरे के साथ अठखेलियां करते थे। राधा-कृष्ण के साथ पूरे मथुरा-वृंदावन के लोगएक रंगमें रंग जाया करते थे। यह मथुरा वृंदावन के निवासियों का राधा-कृष्ण के प्रति अटूट प्रेम का रंग था। आज भी मथुरा-वृंदावन कीहोलीसबसे नामीहोलीहै। फूल से बने रंगों से होलीखेलने की परंपरा यहीं से शुरू हुईथी। आज भी मथुरामें लोग फूलों कीहोलीखेलते नजर आते हैं। मथुरामें काफी संख्यामें विदेशी पर्यटक भी आकर मथुरा कीहोलीशामिल होते हैं और संग-संगहोलीखेलते हैं। देशमें मुंबई महानगरी कीहोलीभी बहुत मशहूर है। फिल्म इंडस्ट्री के नायक-नायिकाएं और अन्य कलाकार एक जगह जमा होकर शानदार तरीके से होलीखेलते नजर आते हैं। इस तरह देश के विभिन्न प्रदेशों में होलीबनाने का रिवाज है। होलीमनाने के तरीके अलग-अलग होते जरूर हैं, लेकिन सबमें एक दूसरे को रंग लगाने की परंपरा होती है।

त्रेता युगमें भीहोलीखेलने की परंपरा रही थी। अर्थात, भारतमें होलीखेलने की परंपरा हजारों साल पुरानी है, जो आज भी अनवरत जारी है। होलीके एक दिन पूर्व अगजा जलाने की परंपरा हमारे देशमें प्रचलितत है । लोग चौक-चौराहे पर लकड़िया एक जगह एकत्रित करते हैं। स्त्रियां उसमें गोबर से बने ऊपले को रखती हैं। संध्यामें घरमें बने पकवान को एकत्रित लकड़ियों पर चढ़ाते हैं। लकड़ियों के बीचहोलिका की प्रतिमा को रखते हैं। होलिका के गोद में भक्त प्रह्लाद लेटे हुए रहते हैं। एकत्रित लकड़ियों की विधि-विधान से पूजा की जाती है। तत्पश्चातहोलिका दहन किया जाता है। होलिका दहन से पूर्व भक्त प्रह्लाद की प्रतिमा हटा दी जाती है। इस पूजा विधान के प्रति लोगों की यह आस्था है कि होलिका असत्य की प्रतीक है। भक्त प्रह्लाद सत्य के प्रतीक हैं। इसलिए असत्य की प्रतीकहोलिका अग्निमें जल कर समाप्त हो जाती है। सत्य के प्रतीक भक्त प्रह्लाद भगवान श्री के चरणों में समर्पित हो जाते हैं। लोगों की यह भी कामना होती है कि बीता वर्ष अच्छा या खराब जैसा रहा, बीत गया। अब उसे याद करने की जरूरत नहीं। आने वाला कल मंगलमय हो। अगजा से निकलती अग्नि को लोग बड़े ही श्रद्धा के साथ प्रणाम करते हैं। लोग यह कामना करते हैं कि सबके घरमें सुख, समृद्धि और शांति की स्थापना हो। लोग प्रज्वलित अग्नि से थोड़ा अग्नि अपने घर ले जाकर चूल्हामें स्थापित करते हैं। इस प्रथा के पीछे लोगों में यह आस्था है कि इस अग्नि से बने भोजन खाकर घर के सभी लोग रोग मुक्त हों और स्वस्थ रहें। शहर और गांवों में आज भी यह परंपरा है। अगजामें लोग ऋतु के नए फल भी समर्पित करते हैं। इस समय तक चना और गेहूं की कटाई हो जातीहै। इसलिए अधिसंख्य लोग गेहूं और चना अगजामें समर्पित करते हैं। लोग रात भर अगजा के समीप जागकर गीत-भजन गाते, नाचते नजर आते हैं। होलीपर्व हम सबों को सांप्रदायिक सौहार्द्र की भी सीख देता नजर आता है। लोगहोलीपर्व पर जात-पात, छोटे-बड़े के भेद को भूलकर एक-दूसरे के घरों में जाते हैं। भारत जैसे विशाल देशमें जहां विभिन्न धर्म, पंथ, विचार के लोग रहते हैं, यहां होलीपर्व की प्रासंगिकता बहुत ही बढ़ जाती है। होलीपर्व पर कई जगहों परहोलीमिलन समारोह का आयोजन किया जाता है। ऐसे देखा जाए तो फाल्गुन मास पड़ते हीहोलीमिलन समारोह का आयोजन विभिन्न जगहों में होने शुरू हो जाते हैं। होलीमिलन समारोहमें समाज के सभी धर्म और विचारों के लोग सम्मिलित होते हैं। समारोहमें लोग अपने-अपने उद्बोधन से समाज को एक करने की सीख देते हैं।

होलीपर कई जगहों पर बड़े ही व्यापक स्तर पर काव्य गोष्ठियों आयोजित की जाती हैं। इसमें देश के बड़े-बड़े कवियों को आमंत्रित किया जाता है। इस अवसर पर कविगणहोलीपर एक से एक कविताएं प्रस्तुत करते है। लोग मंत्रमुग्ध होकर इन गोष्ठियों में कविताओं का आनंद लेते हैं। कईजगहों पर महामूर्ख सम्मेलन का भी आयोजन किया जाता है, जिसमें समाज के किसी एक विद्वत जन को महामूर्ख की उपाधि दी जाती है। इसके पीछे उद्देश्ययह कि मूर्ख भी समाज के मजबूत आधार स्तंभ हैं। उन्हें भी नजरअंदाज करना उचित नहीं। उन्हें भी समाज के मुख्यधारामें लाने की जरूरत है। अगर समाज के ज्ञानवान और श्रेष्ठ लोगों को यह घमंड हो गया है कि वे बहुत बड़े ज्ञानी हो गए हैं, तो यह महामूर्ख सम्मेलन उन्हें महामूर्ख अलंकार से अलंकृत कर उनके अहम को तोड़ने की भी सीख प्रदान करता है।

प्राचीन साहित्य में होली का है व्यापक विवरण

भारत में प्राचीन काल के संस्कृत साहित्य में होली के अनेक रूपों का विस्तृत वर्णन है। श्रीमद्भागवत महापुराण में रसों के समूह रास का जिक्र है। अन्य रचनाओं में 'रंग' नाम के उत्सव का वर्णन है, जिनमें हर्ष की 'प्रियदर्शिका' व 'रत्नावली' तथा कालिदास की 'कुमारसंभवम' तथा 'मालविकाग्निमित्रम' शामिल हैं। कालिदास रचित 'ऋतुसंहार' में एक पूरा सर्ग ही 'वसंतोत्सव' को समर्पित है। भारवि, माघ और अन्य कई संस्कृत कवियों ने वसंत की खूब चर्चा की है। चंद बरदाई द्वारा रचित हिंदी के पहले महाकाव्य 'पृथ्वीराज रासो' में होली का वर्णन है। भक्तिकाल और रीतिकाल के हिंदी साहित्य में होली और फाल्गुन माह का विशिष्ट महत्व रहा है।

आदिकालीन कवि विद्यापति से लेकर भक्तिकालीन सूरदास, रहीम, रसखान, पद्माकर, जायसी, मीराबाई, कबीर और रीतिकालीन बिहारी, केशव, घनानंद आदि कवियों को यह विषय बहुत ही प्रिय रहा है। महाकवि सूरदास ने वसंत एवं होली पर 78 पद लिखे हैं। पद्माकर ने भी होली विषय पर प्रचुर रचनाएं की हैं। इस विषय के माध्यम से कवियों ने सगुण साकार भक्तिमय प्रेम और निर्गुण निराकार भक्तिमय प्रेम का निष्पादन किया है। सूफी संत हजरत निजामुद्दीन औलिया, अमीर खुसरो और बहादुर शाह जफर जैसे मुस्लिम संप्रदाय का पालन करने वाले कवियों ने भी होली पर सुंदर रचनाएं लिखी हैं, जो आज भी जन सामान्य में लोकप्रिय हैं।

भारत में विभिन्न क्षेत्रों में इस नाम से जानी जाती है होली

- झारखंड में यह त्यौहार होली, फगुआ के नाम से जाना जाता है। जनजातीय समाज भी होली को हर्षोल्लास के साथ मनाता है।
- उत्तर प्रदेश यह पर्व होली, लट्ठमार होली, फगुआ, फाग नाम से जाना जाता है।
- बिहार में होली, फगुआ, फाग आदि नाम है।
- हरियाणा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान आदि क्षेत्रों में होली को धुलेंडी के रूप में मनाया जाता है।
- महाराष्ट्र में चैत्र कृष्ण पक्ष पंचमी को रंग पंचमी के रूप में होली मनाने का रिवाज है। लेकिन, मुंबई में होली (चैत्र कृष्ण पक्ष प्रतिपदा) के दिन ही हंगामेदार होली मनाई जाती है।
- गोवा में होली को 'शिमगा' के नाम से जाना जाता है। यह गोवा की स्थानीय कोंकणी भाषा का शब्द है। होलिका दहन को 'शिमगा जात्रा' कहा जाता है।
- गुजरात में होली को गोविंदा होली के नाम से भी जाना जाता है।
- पंजाब में होली को होला मोहल्ला कहते हैं।
- बंगाल और ओडिशा में होली को 'बसंत उत्सव' और 'डोल पूर्णिमा' के नाम से जाना जाता है।
- तमिलनाडु में होली को कामदेव के बलिदान के रूप में मनाते हैं। होली को कमान पंडिगई, कामाविलास और कामा-दाहानाम आदि बोलते हैं।
- आंध्र प्रदेश, तेलंगना और कर्नाटक में होली को 'कामना हब्बा' के नाम से जाना जाता है।
- केरल में होली को 'मंजुल कुली' बोलते हैं।
- मणिपुर में धुलेंडी वाले दिन को लोग 'पिचकारी' कहते हैं।
- असम में होली को 'फगवाह' या 'देओल' के नाम से जाना जाता हैं।
- उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में होली को संगीत समारोह के रूप में मनाया जाता है। इसमें बैठकी होली, खड़ी होली और महिला होली आदि शामिल हैं।

यहां की होली खास है

बरसाना की लट्ठमार होली

मथुरा-वृंदावन में खेली जाने वाली फूलों की होली और बरसाना की लट्ठमार होली विश्व प्रसिद्ध है। इसमें पुरुष महिलाओं पर रंग डालते हैं और महिलाएं उन्हें लाठियों तथा कपड़े के बनाए गए कोड़ों से मारती हैं, जिसे पुरुष एक ढाल से रोकते हैं। यहां की होली देखने के लिए विदेशी पर्यटक दूर-दूर से आते हैं। यहां होली की शुरुआत सात दिन पहले ही हो जाती है।

बलदेव में देवर-भाभी की होली

मथुरा के नजदीक स्थित गांव बलदेव में होली के अगले दिन हुरंगा का आयोजन किया जाता है। यहां भाभी-देवर की अद्भुत होली खेली जाती है। इसमें लोग बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेते हैं। होली खेलने के लिए हल्दी, केसर और पीले रंग का इस्तेमाल किया जाता है। ब्रज में मनाई जाने वाली होली की तरह हुरंगा भी काफी मशहूर है।

पुष्कर की कपड़ा फाड़ होली

पिछोला झील के किनारे बसे पुष्कर में होली का पर्व मनाने हजारों लोग आते हैं। मुख्य चौक पर एक बड़ी पार्टी होती है। यहां वराह घाट और ब्रह्म चौक पर मुख्य आयोजन किया होता है, जिसमें हजारों लोग शामिल होते हैं। डीजे पर जम कर डांस करते हैं। इसके अलावा, लोग एक-दूसरे को गुलाल लगाते हैं और एक-दूसरे के कपड़े फाड़ने की होड़ मची रहती है।

उदयपुर की राजसी होली

उदयपुर में राजसी अंदाज से होली मनाई जाती है। उदयपुर में शाही तरीके से होलिका जलाकर होली का जश्न शुरु होता है। होली पर सिटी पैलेस में शाही निवास से मानेक चौक तक जुलूस निकाला जाता है। इसमें सजे-धजे घोड़े, हाथी, और ऊंट शामिल होते हैं। जुलूस के साथ गीत-संगीत भी बजता रहता है। विदेशी पर्यटक सुबह चौक पर गुलाल लेकर होली खेलने के लिए एकत्रित होते हैं।

पंजाब का होला मोहल्ला

आनंदपुर साहिब की होली 'होला मोहल्ला' भी काफी प्रसिद्ध है। यह अन्य जगहों की होली से कुछ अलग है। इस अवसर पर तलवारों से करतब, मार्शल आर्ट्स, कुश्ती जैसे खेलों का प्रदर्शन किया जाता है।

विदेशी पर्यटक भी भाग लेते हैं वाराणसी की होली में

वाराणसी (बनारस) में होली दो दिन तक मनाई जाती है। बनारस में सुबह से ही होली खेलनी शुरु हो जाती है व शाम होने से पहले तक होली चलती रहती है। यहां के गंगा घाट पर मनाई जाने वाली होली में सिर्फ भारतीय ही नहीं, बल्कि विदेशी पर्यटक भी हिस्सा लेते हैं। दशाश्वमेध, अस्सी, तुलसी घाट आदि पर विशेष रौनक रहती है।

होली पर्व के पीछे छिपा है सूक्ष्म आध्यात्मिक रहस्य : ब्रह्मकुमारी निर्मला

भारत त्यौहारों की भूमि है, जिसमें होली का एक विशेष महत्व है। होली का त्यौहार हम सभी बड़ी खुशी के साथ मनाते हैं, होलिका दहन करते हैं, एक दूसरे को बड़े प्यार से रंग लगाते हैं। ये त्यौहार ऐसे ही नहीं मनाते हैं, बल्कि इसके पीछे आध्यात्मिक महीन रहस्य छिपे हुए हैं। ये उद्गार होली पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के स्थानीय सेवा केंद्र चौधरी बगान, हरमू रोड में राजयोगिनी ब्रह्मकुमारी निर्मला ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा, वास्तव में हमारे सभी त्यौहार हमारी जीवन यात्रा से जुड़े हुए हैं। ये हमारे ही दिव्य परिवर्तन की यादगार हैं। भारत में 33 करोड़ देवी-देवताओं का गायन है और सभी त्योहार किसी न किसी रूप में देवी-देवताओं से संबंधित है। हम यह भी जानते हैं कि एक समय था, जब भारत सोने की चिड़िया हुआ करता था। इसे हम स्वर्ग सतयुग कहते हैं और इसी युग में इसी धरा पर 33 करोड़ देवी देवताएं थे। क्या हम जानते हैं, वे अभी कहां हैं। सृष्टि चक्र का नियम ही है युग परिवर्तन। सतयुग, त्रेता, द्वापर और कलियुग से गुजरते हुए हम आत्माएं अपनी दिव्यता से दूर होते गए और देवता साधारण मनुष्य बन गए। पवित्रता, शांति, प्रेम, सुख, समृद्धि के हम अधिकारी हुआ करते थे, परंतु पांच विकारों काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार में गिरने से शोकवाटिका अर्थात कलियुग दुखों की दुनिया, नर्क में आ गए। लेकिन, अति के बाद अंत और घोर रात्रि के बाद नया सबेरा सुनिश्चित है। उन्होंने कहा इस घोर कलियुग के बाद सतयुग लाना किसी भी साधारण अत्मा का काम नहीं है और इसीलिए ऐसे समय में कल्प के अंत में निराकार परमात्मा शिव स्वयं इस धरा पर अवतरित होते हैं सतयुग की स्थापना के लिए। परमात्म आवरण समय से लेकर सतयुग की शुरुआत के समय को संगमयुग कहते हैं। हमारे सभी त्यौहार वर्तमान समय की यादगार हैं, जब हम परमात्मा से सीधा संबंध जोड़कर अपने जीवन को सुखमय बनाते हैं और सृष्टि पर स्वर्ग निर्माण में अपना योगदान देकर फिर से स्वर्ग के मालिक बनते हैं। होली अर्थात पवित्रता। विकारों पर जीत पाने से ही सतयुग की स्थापना होती है। संस्कार परिवर्तन से विश्व परिवर्तन संभव है। परमात्मा हमें हमारे ओरिजनल संस्कारों की याद दिलाते हैं, जिसमें पवित्रता मुख्य हैं। पवित्रता सुख शांति की जननी है, सर्व प्राप्तियों की चाबी है। पवित्रता का यथार्थ अर्थ सिर्फ ब्रह्मचर्य नहीं, बल्कि मन-कर्म-वचन संपूर्ण रूप से शुद्ध बनना है। जब हमें परमात्म दिव्य संदेश मिलता है और हम अपने जीवन में प्रैक्टिकल में पवित्रता की धारणा कर फिर से हमारे दैवी गुणों को इमर्ज करते हैं, तब इस धरा पर सतयुग आता है। होली का त्योहार पवित्रता की इसी धारणा का यादगार है। वास्तव में परमात्मा का धरती पर अवतरित होना और हिरण्यकश्यप (विकारों का प्रतीक) का वध कर प्रह्लाद (पवित्रता का प्रतीक) की रक्षा करना ही वह महाघटना है, जिसकी याद में यह त्यौहार मनाया जाता है। कल्प के अंतिम युग कलियुग और कलियुग के भी अंतिम चरण में धर्म की अति ग्लानि हो जाती है और हिरण्यकश्यप जैसे लोगों का ही बहुमत हो जाता है। राज्य कारोबार भी उनके हाथों में ही आ जाता है। वे लोग परमात्मा से बेमुख होकर उनकी मत के विपरीत आचरण करते हुए मनमानी करते हैं। परमात्मा के मार्ग पर चलने वालों पर अत्याचार होते हैं, कलंक लगते हैं, उन्हें सहयोग नहीं मिलता है। ये अल्पमत में होते हैं।

प्रह्लाद ऐसे ही लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। प्रह्लाद का अर्थ है, वह पहला व्यक्ति जिसको माध्यम बनाकर परमात्मा पिता सबको अह्लादित करते हैं। इस कर्तव्य की पूर्ति के लिए परमात्मा पिता गुप्त रूप में धरती पर अवतरित होते हैं। होलिका रूपी विकारों की अग्नि से बचाने के लिए योग अर्थात ईश्वरीय स्मृति रूपी चादर (कवच) देते हैं। ईश्वरीय याद के बल से विकारों की अग्नि शीतल हो जाती है। ईश्वर से प्रेम करने वालों की जीत हो जाती है और उनसे बेमुख करने वाली भावना का नाश हो जाता है। इसी की याद में पहले दिन होलिका जलाई जाती है और अगले दिन एक-दो से गले मिलकर एक-दो को रंग लगाकर स्नेह मिलन किया जाता है।

सभी त्यौहार हमारे ही दिव्य परिवर्तन की यादगार हैं

होली के रंग, हास्य व्यंग्य के संग

प्रेमी की होली

प्रेमी ने अपने राज की बात इस प्रकार खोली,
अब कैसे मनाऊं होली,
जब वह और किसी की हो... ली।

लाल - पीला
वे तुरंत में लाल - पीला हो जाते हैं,
अपना जन्मदिन होली बताते हैं।

चुनावी रंग
चुनाव में रंग भी कमाल कर गए,
जनता ने उनको 'हरा' दिया,
और वे 'लाल' हो गए।

सोशल मीडिया वाली होली
रिल, स्टोरी फेसबुक, मस्ती धमाल का मौसम,
फिर लेकर आई होली या कमाल का मौसम,
हो आपको भी मुबारक,
इस सोशल मीडिया वाली होली का मौसम।

नरेश बंका